- जनजाति गौरव दिवस पर राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा-हिंसा छोड़कर मुख्य धारा से जुड़ रहे नक्सली - 14

- आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार - 14

- जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन - 15

- गिल गुवाहाटी टेस्ट नहीं खेल पाएंगे पंत करेंगे कप्तानी - 16

आज का मौसम

26.0° अधिकतम तापमान

13.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.38

सूर्यास्त 05.17

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष प्रतिपदा 02:47 उपरांत द्वितीया विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 362, पृष्ठ 16 ■ मूल्य 6 रुपये

बिहार में 10वीं बार नीतीश सरकार

मुख्यमंत्री पद की ली शपथ, कैबिनेट में 26 मंत्री शामिल, इनमें से 3 महिलाएं

- मंत्रिमंडल में भाजपा के 14, जदयू के 8, लोजपा के 2 मंत्री शामिल
- शपथ में प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह भी रहे मौजूद

पटना, एजेंसी

जनता दल (यूनाइटेड) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने गुरुवार को एक भव्य समारोह में बिहार के मुख्यमंत्री पद की रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ ली। शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सहित कई गणमान्य नेता उपस्थित रहे।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा और हाल ही में संपन्न हुए विधानसभा चुनावों के लिए पार्टी के प्रभारी धर्मेंद्र प्रधान भी इस अवसर पर मौजूद थे। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने गांधी मैदान में आयोजित कार्यक्रम में कुमार और 26 सदस्यीय मंत्रिपरिषद को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। कुमार ने बुधवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देकर राज्यपाल से नयी सरकार बनाने का दावा पेश किया था।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, बिहार सरकार में मंत्रियों के रूप में शपथ लेने वाले सभी साथियों को हार्दिक बधाई। यह समर्पित नेताओं की शानदार टीम है, जो बिहार को नयी ऊंचाइयों पर ले जाएगी। सभी को मेरी शुभकामनाएं। समारोह के अंत में प्रधानमंत्री ने अपने चिरपरिचित अंदाज में 'गमछा' हवा में लहराकर उपस्थित जनसमूह का उत्साह बढ़ाया। शपथ ग्रहण समारोह के लिए गांधी मैदान में विशाल मंच तैयार किया गया था, जहां राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने भी शिरकत की।

इनमें आंध्र प्रदेश के एन चंद्रबाबू नायडू, उत्तर प्रदेश के योगी आदित्यनाथ, महाराष्ट्र के देवेंद्र फडणवीस, असम के हिमंत विश्व शर्मा और दिल्ली की रेखा गुप्ता शामिल थीं। शपथ लेने वालों में भाजपा विधायक दल के नेता सम्राट चौधरी और उपनेता विजय कुमार सिन्हा शामिल थे, जो पिछली राजग सरकार में उपमुख्यमंत्री थे। मंत्रिमंडल में कम से कम तीन मंत्री विधान परिषद के सदस्य हैं जिनमें जदयू के राष्ट्रीय महासचिव और मुख्यमंत्री के विश्वस्त अशोक चौधरी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा के प्रमुख संतोष कुमार सुमन शामिल हैं। जमुई से लगातार दूसरी बार निर्वाचित पुरस्कार विजेता निशानेबाज श्रेयसी सिंह को पहली बार मंत्रिमंडल में जगह मिली है। मुजफ्फरपुर के पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी और औराई से नवनिर्वाचित भाजपा विधायक रमा निषाद को भी मंत्रिपरिषद में शामिल किया गया है। जदयू के नौ बार के विधायक बिजेंद्र प्रसाद यादव भी एक बार फिर मंत्रिमंडल में लौटे हैं।

पटना के गांधी मैदान में शपथ ग्रहण समारोह के दौरान गमछा लहराते हुए प्रधानमंत्री, साथ में हैं नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार।

शपथ ग्रहण समारोह में मोदी का 'गमछा' लहराना बना आकर्षण

पटना। नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गमछा' लहराना भीड़ के आकर्षण का केंद्र रहा। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी ने गमछा लहराया, गांधी मैदान में मौजूद करीब तीन लाख लोगों की भीड़ में उत्साह का माहौल बन गया। कार्यक्रम में कलाकारों ने लोकगीतों और लोकनृत्यों की प्रस्तुति देकर मंच पर मौजूद प्रधानमंत्री मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और उप्र, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, असम, ओडिशा, हरियाणा और दिल्ली के मुख्यमंत्रियों का मन मोह लिया।

विधेयकों की स्वत: स्वीकृति की अनुमति नहीं देता संविधान

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि निर्धारित समय सीमा की समाप्ति के बाद, विधेयकों पर राज्यपाल या राष्ट्रपति की 'स्वतः स्वीकृति' (डीम्ड एसेंट) कार्यपालिका के कार्यों को न्यायपालिका द्वारा अपने हाथों में लेने जैसा है, जो अस्वीकार्य है।

न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 के तहत अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए न्यायालय द्वारा लंबित विधेयकों पर स्वतः स्वीकृति की अवधारणा वस्तुतः एक अलग संवैधानिक प्राधिकार की भूमिका और कार्य को अपने हाथ में लेने की तरह है। इस संबंध में राष्ट्रपति द्वारा राय मांगे जाने पर प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने सर्वसम्मति से कहा कि अनुच्छेद 200 और 201 के संदर्भ में 'स्वतः स्वीकृति' की अवधारणा यह कहती है कि एक संवैधानिक प्राधिकार, यानी न्यायालय, किसी अन्य संवैधानिक पदाधिकारी, अर्थात राज्यपाल या राष्ट्रपति की भूमिका नहीं निभा सकता है। पीठ ने कहा, राज्यपाल के कार्य और इसी प्रकार राष्ट्रपति के कार्यों को इस तरह से हड़पना न केवल संविधान की भावना के प्रतिकूल है, बल्कि विशेष रूप से 'शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत' के भी प्रतिकूल है - जो भारतीय संविधान के मूल ढांचे का एक हिस्सा है। न्यायालय ने कहा कि अनुच्छेद 142 पर निर्भरता संवैधानिक प्रावधानों का अतिक्रमण नहीं है। अनुच्छेद 142 शीर्ष अदालत को अपने समक्ष लंबित किसी भी मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश या डिग्री पारित करने का अधिकार देता है। पीठ ने कहा, हमें इस निष्कर्ष पर पहुंचने में कोई हिचकिचाहट नहीं है कि समय सीमा की समाप्ति पर अनुच्छेद 200 या 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति की मंजूरी, न्यायिक घोषणा के माध्यम से कोर्ट द्वारा कार्यपालिका के कार्यों को अपने हाथ में लेने जैसा है, जो हमारे संविधान के तहत अस्वीकार्य है।

- शीर्ष कोर्ट ने कहा- राज्यपाल एवं राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए समय सीमा तय नहीं की जा सकती
- राज्यपाल अनुच्छेद 200 के तहत प्रदत्त अधिकारों से परे जाकर विधेयकों को लंबित नहीं रख सकते

विधेयक रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं

एक महत्वपूर्ण फैसले में, शीर्ष अदालत ने कहा कि राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी देने के लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति पर कोई समय-सीमा नहीं थोपी जा सकती है, तथा राज्यपालों के पास उन विधेयकों को हमेशा के लिए रोक कर रखने की अनियंत्रित शक्तियां नहीं हैं। न्यायालय ने कहा कि राज्यपालों के पास केवल तीन विकल्प हैं - या तो वे विधेयक को मंजूरी दें या उसे राष्ट्रपति के पास भेजें या फिर मंजूरी रोककर अनुच्छेद 200 के तहत पुनर्विचार के लिए उसे विधानमंडल को वापस भेजें। पीठ ने यह भी कहा कि विधेयकों को मंजूरी देने, रोक कर रखने या सुरक्षित रखने के राज्यपालों और राष्ट्रपति के निर्णय न्यायिक समीक्षा के दायरे में नहीं आते हैं। हमें इस अदालत के बाध्यकारी निर्णयों का अनुसरण नहीं करने का कोई कारण नहीं मिलता है...हमारा मानना है कि अनुच्छेद 200 और 201 के तहत राज्यपाल या राष्ट्रपति के कार्यों पर अदालत विचार नहीं कर सकती।

ब्रीफ न्यूज

रॉबर्ट वाद्रा के खिलाफ एक और आरोप पत्र

नई दिल्ली। ईडी ने कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा के पति और कारोबारी रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ ब्रिटेन स्थित हथियार कारोबारी संजय भंडारी से जुड़े धन शोधन मामले में आरोप पत्र दाखिल किया। अभियोजन की शिकायत यहां विशेष धन शोधन रोकथाम कानून (पीएमएलए) अदालत में दायर की गई है। वाड्रा के खिलाफ धनशोधन के मामले में यह दूसरा आरोप पत्र है। जुलाई में, ईडी ने हरियाणा के शिकोहपुर में एक ज़मीन सौदे में कथित गड़बड़ियों से जुड़े धनशोध मामले में उनके खिलाफ आरोप पत्र दायर किया था।

कई स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी के कई स्कूलों को गुरुवार सुबह बम से उड़ाने की धमकी वाले ईमेल मिले, जिन्हें बाद में फर्जी घोषित कर दिया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन स्कूलों में चाणक्यपुरी स्थित ब्रिटिश स्कूल और संस्कृति स्कूल, बाराखंभा स्थित मॉडर्न स्कूल, पश्चिम विहार स्थित दून पब्लिक स्कूल और श्री अरबिंदो मार्ग स्थित मदर्स इंटरनेशनल स्कूल (एमआईएस) शामिल हैं। कई स्कूलों को भेजे गए ईमेल में कहा गया, मैं आपको एक अत्यंत गंभीर और जरूरी चेतावनी के साथ लिख रहा हूं। आपकी इमारत में कई बहुत शक्तिशाली बम रखे गए हैं जो किसी भी समय फट सकते हैं।

कमरे में अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की मौत

अमित बर्नवाल, राहुल सिंह, संजू सिंह, दाऊद अंसारी।

- ऑयल सीड्स कंपनी में काम करते थे, सुबह काम के लिए जगाने पर मौतों का पता चला
- कमरे में वेंटीलेशन न होने से दम घुटने से मौत होने की आशंका, फॉरेंसिक टीम ने की जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: पनकी औद्योगिक क्षेत्र डी-58 में निर्माणाधीन ऑयल सीड्स कंपनी में बुधवार रात कमरे में कोयले की अंगीठी जलाकर सोये चार दोस्तों की दम घुटने से नींद में ही मौत हो गई। सुबह मौत का पता चलने पर हड़कंप मच गया। दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाले गए।

पुलिस कमिश्नर, जेसीपी, फील्ड यूनिट और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। जांच-पड़ताल कर साक्ष्य एकत्र किए। चारों एक ही कमरे में सोये थे, जिसके एक कोने में अंगीठी में कोयला जलता मिला। फॉरेंसिक के अनुसार अंगीठी से निकली कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस से दम घुटने की आशंका जताई जा रही है। सभी युवक एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर के रहने वाले थे। गोविंदनगर इलाके के रहने वाले वरुण कटारिया की पनकी इंडस्ट्रियल एरिया साइड दो स्थित डी-58 में निर्माणाधीन कटारिया एडिबल्स एलएलपी ऑयल सीड्स कंपनी है। जिसके निर्माण का जिम्मा इंदौर की आदित्य एंटरप्राइजेज कंपनी को सौंपा गया है। कंपनी में ज्यादातर फैब्रिकेटर (कुशल पेशेवर) देवरिया के रहने वाले हैं। जिसमें चारों दोस्त संजू सिंह (22), राहुल सिंह (23), अमित वर्मा (32) और दाऊद अंसारी (25) एक ही गांव देवरिया के तवकलपुर मुसहती तरकुलवा के थे।

ये चारों एक कमरे में सोये थे। उनके तीन साथी दूसरे कमरे में सोये थे। गांव का ही नागेंद्र गुरुवार सुबह करीब छह बजे चारों को काम के लिए जगाने पहुंचा तब उसे घटना का पता चला। इस पर ठेकेदार के साथ पनकी पुलिस को सूचना दी गई। दरवाजा तोड़कर लोग अंदर पहुंचे तो चारों को मृत पाया। उनके मुंह से सफेद झाग निकला था। सूचना पर पुलिस कमिश्नर रघुवीर लाल, जेसीपी लॉ एंड आर्डर आशुतोष कुमार और एसडीएम सदर, फील्ड यूनिट, पनकी का फोर्स और फॉरेंसिक टीम पहुंची।

अल-फलाह का पूर्व छात्र बेग देश में कर चुका कई धमाके

नई दिल्ली, एजेंसी

- आजमगढ़ का रहने वाला है बेग, 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए कई विस्फोट, जांच में सामने आया सच

दिल्ली कार विस्फोट की जांच का दायरा बढ़ने के साथ दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा को इंडियन मुजाहिदीन के भगोड़े आतंकवादी और अल फलाह विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र मिर्जा शादाब बेग के बारे में एक नया सुराग मिला है।

दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के सूत्रों ने गुरुवार को बताया कि बेग 2007 में अल फलाह विश्वविद्यालय में छात्र था, जब यह एक इंजीनियरिंग कॉलेज हुआ करता था। उत्तर प्रदेश के आजमगढ़ का मूल निवासी बेग 2008 में राजस्थान और गुजरात में किए गए कई विस्फोटों के लिए वांछित है। दिल्ली पुलिस की विशेष शाखा के दस्तावेजों के अनुसार बेग ने 2007 में अल फलाह से बीटेक की पढ़ाई पूरी की

थी, उसी साल उसने गोरखपुर विस्फोट को अंजाम दिया था। सूत्र ने यह भी बताया कि बेग 2008 के हमलों के तुरंत बाद भारत से भाग गया था। उसके खिलाफ इंटरपोल रेड कॉर्नर नोटिस जारी किया गया है। इसके अतिरिक्त डॉ. मुजम्मिल शकील विश्वविद्यालय में काम करता था।

दिल्ली धमाके के 4 आरोपी 10 दिन की एनआईए हिरासत में

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को लालकिला विस्फोट मामले में चार आरोपियों को 10 दिन की एनआईए हिरासत में भेज दिया। इन लोगों को 10 नवंबर को लाल किले के निकट हुए कार विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया था। इस विस्फोट में 15 लोग मारे गए थे। विस्फोट के बाद जम्मू-कश्मीर पुलिस ने मुजम्मिल गनई, अदील राथर और शाहीना सईद के साथ-साथ मौलवी इरफान अहमद वागे को गिरफ्तार कर लिया था। इससे पहले दिन में एनआईए ने उन्हें श्रीनगर में हिरासत में लिया और पटियाला हाउस अदालत में पेश किया। एनआईए ने चारों आरोपियों से पूछताछ के लिए अदालत से 15 दिन की हिरासत का अनुरोध किया था।

पीलीभीत के जिला अस्पताल में एटीएस ने युवक से की पूछताछ

पीलीभीत: दिल्ली ब्लास्ट मामले में एटीएस टीम ने बुधवार देर शाम जिला अस्पताल में छापा मारा। टीम ने अस्पताल परिसर का निरीक्षण कर जांच की। इस दौरान टीम अपने साथ एक युवक को लेकर गई जिसे पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। अफसर इस बारे में आधिकारिक रूप से कुछ भी कहने से बच रहे हैं। सीएमएस डॉ. रमाकांत ने बताया कि एटीएस की गाड़ियां जरूर देखी गईं, लेकिन उनसे जानकारी नहीं ली गई। वहीं, डीएम ने एटीएस टीम के आने

सपा विधायक सुधाकर सिंह का निधन

लखनऊ। मऊ जिले की घोसी विधानसभा सीट से समाजवादी पार्टी के विधायक सुधाकर सिंह का गुरुवार सुबह लखनऊ के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। उनके परिवार ने यह जानकारी दी। वह 67 वर्ष के थे।

सिंह के बेटे सुजीत सिंह ने बताया, वह (सुधाकर सिंह) मंगलवार को दिल्ली से विमान से वाराणसी आए थे। दिल्ली हवाई अड्डे पर वह ठीक थे लेकिन वाराणसी हवाई अड्डे पर उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। उन्हें इलाज के लिए वाराणसी में भर्ती कराया गया था और फिर बेहतर उपचार के लिए उन्हें लखनऊ ले जाया गया। पिता को देर रात लखनऊ के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां गुरुवार सुबह करीब सात बजे उनका निधन हो गया। उन्होंने चिकित्सकों के हवाले से बताया कि उनके पिता को हृदय संबंधी समस्याएं थीं। तीन बार विधायक रहे सुधाकर सिंह के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं।

अंबानी की 1452 करोड़ की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली। ईडी ने गुरुवार को अनिल अंबानी के रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले की जांच के तहत 1,452 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्तियां कुर्क कीं।

एजेंसी ने पीएमएलए के तहत एक अस्थायी आदेश जारी किया, जिसके तहत मुंबई के धीरूभाई अंबानी नॉलेज सिटीऔर मिलेनियम बिजनेस पार्क, नवी मुंबई में स्थित कई इमारतों के साथ-साथ पुणे, चेन्नई और भुवनेश्वर में स्थित भूखंडों और इमारतों को कुर्क किया गया। एजेंसी ने बताया कि ये संपत्तियां 1,452.51 करोड़ रुपये मूल्य की हैं और आरकॉम तथा कुछ अन्य कंपनियों की हैं। एजेंसी ने कथित बैंक ऋण धोखाधड़ी और अन्य वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित मामले में इससे पहले 7,500 करोड़ की संपत्तियां कुर्क की थीं। रिलायंस ग्रुप समूह के सूत्रों ने पहले कहा था कि डीएकेसी आरकॉम की परिसंपत्ति है जो पिछले छह वर्ष से दिवालियापन का सामना कर रही है।

- ईडी ने गुरुवार को रिलायंस ग्रुप के खिलाफ धनशोधन मामले के तहत की कार्रवाई

भारत को एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल और जेवलिन मिसाइल सिस्टम देगा अमेरिका

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है यह मिसाइल
- नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक का हुआ सौदा

अमेरिका ने भारत के लिए 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल', 'जेवलिन मिसाइल सिस्टम' और संबंधित उपकरणों की कुल नौ करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की बिक्री को मंजूरी दे दी है। अमेरिका ने भारत को हिंद-प्रशांत और दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता एवं शांति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बताया है। अमेरिका ने यह भी कहा कि इस बिक्री से एक प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा मजबूत होगी। यह मिसाइल टारगेट की गर्मी पहचानकर हमला करती है।

रक्षा सहयोग एजेंसी ने कहा कि विदेश मंत्रालय ने भारत को अनुमानित लागत चार करोड़ 71 लाख अमेरिकी

डॉलर पर 'एक्सकैलिबर प्रोजेक्टाइल' और संबंधित उपकरणों की और अनुमानित लागत चार करोड़ 57 लाख अमेरिकी डॉलर पर 'जैवलिन मिसाइल सिस्टम' एवं संबंधित उपकरणों की संभावित विदेशी सैन्य बिक्री को मंजूरी देने का निर्णय लिया है। रक्षा सहयोग एजेंसी ने संसद को बिक्री की जानकारी देते हुए आवश्यक प्रमाणीकरण प्रदान किया। एजेंसी ने कहा, यह प्रस्तावित बिक्री अमेरिका-भारतीय सामरिक संबंधों को मजबूत करने और एक ऐसे प्रमुख रक्षा साझेदार की सुरक्षा में सुधार करने में मदद करके अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा उद्देश्यों का समर्थन करेगी जो हिंद-प्रशांत एवं दक्षिण एशिया क्षेत्रों में राजनीतिक स्थिरता, शांति और आर्थिक प्रगति के लिए एक महत्वपूर्ण शक्ति बना हुआ है। एजेंसी ने कहा, सटीक क्षमता वाले उपकरणों की उपलब्धता से वर्तमान और भविष्य के खतरों से निपटने की भारत की क्षमता में सुधार होगा।

चिंतनीय | देश में पिछले पांच साल में रोगियों की संख्या में हुई बढ़ोतरी, 2020 में जहां 18,05, 670 थी वहीं 2024 में 26,17, 923 हो गई

डेढ़ गुना बढ़े टीबी रोगी, 2025 तक था खत्म करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

- सूचना के अधिकार के तहत मांगी गई जानकारी में हुआ खुलासा

केंद्र सरकार ने साल 2025 तक तपेदिक (टीबी) रोग को खत्म करने का लक्ष्य रखा था लेकिन देश में पिछले पांच साल में इसके रोगियों की संख्या में डेढ़ गुना वृद्धि दर्ज की गयी है।

2020 में जहां टीबी रोगियों की संख्या 18,05, 670 थी वहीं 2024 में इस संक्रामक रोग का शिकार होने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 26,17, 923 हो गयी। सूचना के अधिकार (आरटीआई) के तहत समाचार एजेंसी भाषा द्वारा दायर एक आवेदन के जवाब में भारत सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण

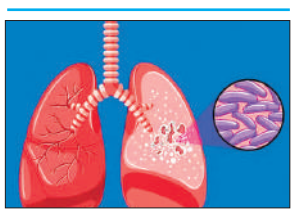

मंत्रालय के केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग ने यह जानकारी उपलब्ध कराई है। टीबी एक संक्रामक बीमारी है, जो 'माइकोबैक्टीरियम ट्यूबरकुलोसिस' नाम के बैक्टीरिया के कारण होती है। यह रोग मुख्य रूप से रोगी के फेफड़ों को प्रभावित करता है लेकिन शरीर के अन्य अंग जैसे गुर्दे, मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी भी इसकी चपेट में आ सकते हैं। केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, टीबी के कुल मामलों की संख्या इस साल अक्टूबर तक 20,77,591 हो चुकी है। आरटीआई के मुताबिक, 2020 में टीबी के18,05,670, 2021 में 21,35,830, 2022 में 24,22,121, 2023 में 25,52,257 और 2024 में 26,17,923 मामले सामने आए थे।

ये आंकड़ें टीबी के मामलों में वृद्धि के परिचायक हैं। प्रति एक लाख आबादी पर टीबी के मामलों की दर की बात की जाए तो यह 2020 में 131, 2021 में 153, 2022 में 172, 2023 में 179, 2024 में 183 और 2025 में 195 पर पहुंच गई। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर स्थित 'पल्मनोलॉजी रीजेंसी हॉस्पिटल' के कंसल्टेंट डॉ. आमिर नदीम ने बताया, टीबी की अगर समय पर पहचान न हो और उपचार न मिले तो यह जानलेवा साबित हो सकता है। यह फेफड़ों के अलावा शरीर के अन्य अंगों को भी प्रभावित कर सकता है।

उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य

आरटीआई के तहत केंद्रीय क्षय रोग प्रभाग से मिली जानकारी के मुताबिक, उत्तर प्रदेश टीबी से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है, जहां जून 2025 तक 3,83,987 मामले सामने आ चुके हैं जबकि 2024 में यहां 6,81,779, 2023 में 6,32,872, 2022 में 5,22,850, 2021 में 4,53,712 और 2020 में 3,66,641 मामले सामने आए थे। आरटीआई से प्राप्त जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में जून 2025 तक 62,342 मामले, सामने आ चुके हैं जबकि पिछले चार वर्ष में यह आंकड़ा एक लाख को पार कर गया था। दिल्ली में 2024 में 1,05,343, 2023 में 1,00,523, 2022 में 1,06,731, 2021 में 1,03,038 और 2020 में 86,842 मामले सामने आए थे। टीबी से सबसे कम प्रभावित राज्यों की गिनती में लक्षद्वीप सबसे आगे हैं, जहां जून 2025 तक सिर्फ नौ मामले सामने आए हैं।

उत्तराखण्ड शासन

उत्तराखण्ड 25 रजत जयंती वर्ष

देवभूमि रजत उत्सव

विकसित भारत सशक्त उत्तराखण्ड

“ माननीय प्रधानमंत्री जी ने 21वीं सदी के तीसरे दशक को उत्तराखण्ड का दशक कहा है। हम प्रधानमंत्री जी के विज़न के अनुरुप राज्य को हर क्षेत्र में आदर्श राज्य बनाने के लिये विकल्प रहित संकल्प के साथ काम कर रहे हैं। ”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

उत्तराखण्ड रजत जयंती उत्सव

“ 21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड, इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। ”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

संकल्प नये उत्तराखण्ड का

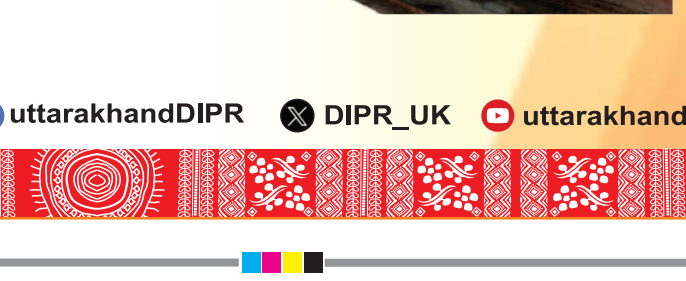

- समान नागरिक संहिता लागू करने वाला देश में प्रथम राज्य बना उत्तराखण्ड।
- राज्य में सशक्त भू कानून, सख्त धर्मान्तरण विरोधी कानून, सख्त नकल विरोधी कानून, एवं दंगारोधी कानून हुआ लागू।
- राज्य में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर समिट में ₹3.56 लाख करोड़ के एम.ओ.यू. हुए साईन। अब तक ₹01 लाख करोड़ से अधिक के निवेश की हो चुकी ग्राउंडिंग।
- राज्य के इतिहास में पहली बार पेश हुआ 1 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट।
- शहीद सैनिकों के आश्रितों को मिलने वाली अनुग्रह राशि को 10 लाख से बढ़ाकर किया 50 लाख रुपए। परमवीर चक्र विजेताओं की अनुग्रह राशि 50 लाख से बढ़ाकर की गई डेढ़ करोड़।
- राज्य की अर्थव्यवस्था का आकार 26 गुना बढ़ा है। प्रति व्यक्ति आय 17 गुना बढ़ी है। राज्य गठन के समय वर्ष 2000 में अर्थव्यवस्था का आकार ₹14501 करोड़ था, जो 2024-25 में बढ़कर ₹378240 करोड़ रुपये होने का अनुमान है।
- केदारनाथ पुनर्निमाण और बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के तहत कार्य गतिमान। बद्रीनाथ धाम को स्मार्ट आध्यात्मिक पहाड़ी कस्बे के रूप में विकसित करने हेतु ₹255.00 करोड़ की विकास योजनाओं का कार्य गतिमान।
- कुमाऊं क्षेत्र में मानसखण्ड मंदिर माला मिशन के अन्तर्गत 48 मन्दिरों को सर्किट के रूप में जोड़ने का कार्य गतिमान।
- दिल्ली - देहरादून के बीच एलिवेटेड रोड के बनने से 2 से 2.5 घंटे में सफर होगा पूरा।
- राज्य में ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन का कार्य तेज गति से गतिमान। अब तक 70 प्रतिशत कार्य हुआ पूर्ण।
- राज्य में स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिये ₹200 करोड के वेंचर फण्ड की स्थापना।
- वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाकर ₹1500 किया गया है। अब दोनों बुजुर्ग दंपत्ति को मिल रहा वृद्धावस्था पेंशन का लाभ। वृद्धावस्था, विधवा, तथा दिव्यांग पेंशन का भुगतान 3 माह की जगह अब प्रत्येक माह होगा।
- वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम के अन्तर्गत सीमांत के 51 गांवों का चयन कर किया जा रहा सुनियोजित विकास।
- मुख्यमंत्री अंत्योदय निःशुल्क गैस रिफिल योजना के तहत राज्य के करीब पौने दो लाख गरीब परिवारों को साल में 3 सिलेंडर मुफ्त रिफिल।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी www.uttarainformation.gov.in uttarakhandDIPR DIPR_UK uttarakhand DIPR

आज का मौसम
अधिकतम तापमान 26.0°
न्यूनतम तापमान 12.0°
सूर्योदय 06.39
सूर्यास्त 05.17

सड़क हादसों में पूर्व प्रधान समेत दो की मौत, महिला सहित चार घायल

शादी समारोह से वापस आ रहे थे आशुतोष, चांदापुर-चौहनापुर रोड पर हादसे में गंभीर चोटें

संवाददाता, सेहरामऊ दक्षिणी

अमृत विचार: दोस्त की बेटी की शादी में निमंत्रण देकर आ रहे युवक की बाइक को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गया। इलाज के दौरान गुरुवार सुबह चार बजे घायल युवक ने राजकीय मेडिकल कॉलेज में दम तोड़ दिया। युवक की मौत के बाद परिजनों का रो रोकर बुराहाल है।

मृतक आशुतोष मिश्र।

थाना क्षेत्र के गांव परसनिया निवासी आशुतोष मिश्रा उर्फ संजय के दोस्त प्रेमकुमार की बेटी संध्या की शादी बुधवार को बरेली मोड़ स्थित स्वयंवर मैरिज लॉन में थी। आशुतोष निमंत्रण में शामिल होकर अपने घर जा रहे थे।

रास्ते में चांदापुर चौहानपुर नहर रोड पर गांव सरौरा के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में आशुतोष गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने उन्हें राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। उपचार के दौरान गुरुवार सुबह 4 बजे आशुतोष ने दम तोड़ दिया। आशुतोष की मौत से पत्नी सुमन देवी, बेटे विजय कुमार, नीलेश, पुत्री शिखा और रीतू का रो रोकर बुराहाल है। थाना प्रभारी उमेश कुमार मिश्र ने बताया कि आशुतोष के सिर में गंभीर चोट लगी थी। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

हादसे के बाद रोते-बिलखते आशुतोष मिश्रा के परिजन। ● अमृत विचार

दो बाइको कीआमने-सामने भिड़ंत, तीन घायल

खुटार, अमृत विचार : लखीमपुर खीरी के थाना हैदराबाद क्षेत्र के गांव दतेली निवासी सलमान अली पुत्र सरवर अली उम्र 24 वर्ष अपनी पत्नी नगमा बानो उम्र 25 वर्ष व सास अनीश बानो पत्नी अशफाक अली उम्र लगभग 45 वर्ष बाइक पर सवार होकर पुवायां थाना क्षेत्र के ग्राम पकड़िया हकीम को अपने रिश्तेदार के यहां जा रहे थे।खुटार के गोला बाईपास रोड पर पहुंचते ही पीछे से एक बाइक सवार ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही तीनो रोड पर गिर गए व टक्कर मारने के बाद बाइक सवार व्यक्ति मौका देख मौके से फरार हो गया। हादसे की आवाज सुन कर राहगीर इकट्ठा हो गए व डायल 108 एम्बुलेंस से घायलों को खुटार सीएचसी में भर्ती कराया। जहां पर डॉक्टरों ने तीनों घायलों को मरहम पट्टी कर छुट्टी दे दी।

दो बाइकों की टक्कर में पूर्व प्रधान की मौत

कांट/शाहजहांपुर,अमृत विचार : दो बाइकों की आमने सामने की टक्कर में पूर्व प्रधान की मौत हो गई। जबकि महिला समेत तीन लोग घायल हो गए। पूर्व प्रधान की मौत के बाद उनके परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। बुधवार को कांट थाना क्षेत्र के गांव जैतापुर निवासी पूर्व प्रधान नरेंद्र पाल सिंह (50) गांव की फूलमती के साथ किसी कार्य से गए थे। वापस आते वक्त रात करीब 9 .30 बजे वह और फूलमती बाइक से घर वापस आ रहे थे। रास्ते में सामने से आ रही बाइक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में नरेंद्र पाल सिंह, फूलमती और दूसरी बाइक पर सवार कुलेश व धनवीर सिंह शमशेरपुर थाना कांट गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस चारों घायलों को लेकर राजकीय मेडिकल कॉलेज पहुंची। जहां कुछ देर बाद पूर्व प्रधान नरेंद्र पाल सिंह ने दम तोड़ दिया। पूर्व प्रधान की मौत से परिजनों का रो रोकर बुराहाल है। थाना प्रभारी राकेश मौर्या ने बताया कि प्रधान के परिजनों की ओर से तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज की जाएगी।

एंबुलेंस को रास्ता न देने पर दस हजार का जुर्माना

शाहजहांपुर, अमृत विचार: एम्बुलेंस में एक गंभीर मरीज मेडिकल कालेज जा रहा था। कार चालक ने उसे सात किलोमीटर तक रास्ता नहीं दिया, जबकि एम्बुलेंस चालक बराबर सायरन बजा रहा था। कार का सोशल मीडिया वायरल हुआ। यातायात प्रभारी ने कार चालक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना किया है। शहर में एक एम्बुलेंस चालक गंभीर महिला मरीज को लेकर बुधवार की रात मेडिकल कालेज लेकर जा रहा था। उसके आगे एक कार चल रही थी। एम्बुलेंस चालक बराबर साइड देने के लिए सायरन बजा रहा था। कार चालक उसको साइड नहीं दे रहा था। इस प्रकार चालक ने उसे करीब सात किलोमीटर एम्बुलेंस को साइड नहीं दी। एंबुलेंस में गंभीर मरीज होने पर चालक को काफी दिक्कत हो रही थी। चालक ने अंदर से ही कार का वीडियो साइड न देने का बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। वीडियो में सुनाई दे रहा है कि कार चालक रास्ता नहीं दे रहा है। वीडियो देखकर लग रहा था कि चालक एंबुलेंस को जानबूझकर साइड नहीं दे रहा है। चालक ने एक स्थान पर मौका पाकर कार से एम्बुलेंस को आगे निकाल लिया। टीएसआई विनय पांडेय ने वीडियो को संज्ञान में लिया और कार चालक पर 10 हजार रुपये का जुर्माना किया गया है।

चलती ट्रेन से तीन छात्राएं कूदी, बाल-बाल बचीं

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार : शाहजहांपुर स्टेशन पर चलती ट्रेन से तीन छात्राएं कूद गईं। एक बाद एक छात्रा के कूदने पर प्लेटफार्म पर हड़कंप मच गया। गनीमत रही कि ट्रेन की स्पीड कम थी, इससे छात्राएं चोटिल होने से बच गईं। एक छात्रा को जीआरपी और आरपीएफ ने रोजा जंक्शन पर ट्रेन से उतरवाया। घटना के वक्त स्टेशन पर भीड़ लग गई।

पक्का पुल स्थित एक बालिका इंटर कॉलेज की आठ छात्राएं स्काउट एंड गाइड के कार्यक्रम में भाग लेने के लिए गुरुवार को लखनऊ जाने के लिए स्टेशन पर पहुंची थी। त्रिवेणी एक्सप्रेस दोपहर में 12.30 बजे प्लेटफार्म नंबर एक पर पहुंची। ट्रेन में भीड़ होने के कारण चार छात्राएं ही ट्रेन के अलग अलग कोच में चढ़ सकी कि ट्रेन चल दी। इस पर प्लेटफार्म पर खड़ी उनकी साथी छात्राएं चिल्लाने लगीं। तभी ट्रेन में सवार हो चुकीं तीन छात्राएं एक बाद एक ट्रेन से कूद गईं। इस दौरान प्लेटफार्म पर हड़कंप मच गया। इसके बाद अन्य छात्राओं ने बताया कि उनकी एक साथी ट्रेन में रह गई है। तब जीआरपी और आरपीएफ ने ट्रेन को रोजा जंक्शन पर रूकवाकर चौथी छात्रा को उतरवा दिया। उनके साथ एक शिक्षिका भी थी। कूदने वाली किसी छात्रा के चोट नहीं लगी। छात्राओं ने बताया कि स्काउट गाइड की शिविर में लखनऊ जा रहे है।

ट्रेन के दो मिनट स्टापेज से दिक्कत

स्थानीय रेलवे स्टेशन पर मेल और एक्सप्रेस स्टापेज दो मिनट का है। दो मिनट के स्टापेज में यात्रियों को चढ़ने और उतरने में दिक्कत होती है। कोच से यात्री उतर नहीं पाता है और यात्री चढ़ने लगते है। चढ़ने और उतरने को लेकर यात्रियों के काफी नोकझोंक होती है। दो दिन पूर्व राज्यरानी एक्सप्रेस अल्हागंज की एक महिला उतर नहीं पाई तो चलती ट्रेन से कूदने पर हाथ में चोट लग गयी थी। साथ ही पार्सल यान में लोडिंग और अन लोडिंग नहीं हो पाती है।

रोड़ा, पत्थर से यात्रियों को हो रही दिक्कत

स्टेशन पर ठेकेदार की ओर से प्लेटफार्म ऊंचा किया जा रहा है। प्लेटफार्म पर जगह-जगह रोड़ी और पत्थर पड़ा है। बजरी डालकर ऊंचा किया जा रहा है। जगह-जगह बजरी उखड़ी पड़ी है। रात के समय लोग ठोकर खाकर गिर जाते है। लखनऊ जाने वाली ट्रेनों को प्लेटफार्म एक पर लिया जा रहा है। प्लेटफार्म दो और तीन ऊंचा किया गया था तो ट्रेन को प्लेटफार्म चार लिया गया था। यात्रियों को काफी दिक्कत हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

अवैध खनन पर कार्रवाई, दो जेसीबी और डंपर सीज

सिंधौली, अमृत विचार : गांव खानपुर देहा के निकट अवैध खनन में लगी दो जेसीबी और एक डम्पर को जिला खनन अधिकारी ने थाने लाकर सीज किया। क्षेत्र के गांव खानपुर देहा, ददियुरा और तियुलक खनन के लिए प्रसिद्ध हैं। बीती रात भी इसी इलाके में दो जेसीबी द्वारा मिट्टी निकालकर उसे डम्पर में भरकर एक ईंट भट्ठे पर भेजा जा रहा था। जिला खनन अधिकारी दिनेश कुमार सुबह करीब चार बजे मौके पर पहुंचे और छापा मारकर दोनों जेसीबी व डम्पर को कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए।

छात्र को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर, घायल

पुवायां, अमृत विचार : गांव कहमारा स्थित उच्च प्राथमिक विद्यालय के कक्षा 8 के छात्र दिव्यांश शुक्रवार को प्रतियोगिता से लौट रहा था। इसी दौरान खुटार रोड पर सड़क पार करते समय एक ई-रिक्शा ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में छात्र को पैर व हाथ में चोटें आईं। शिक्षक मौके पर पहुंचे और घायल छात्र को उपचार के लिए ले जाया गया।

चाकू से हमला कर किया घायल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : चौक कोतवाली के मोहल्ला महमंद गढ़ी निवासी फहाद खां ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि दो दिन पूर्व शाम आठ बजे होटल पर खाना लेने के लिए जा रहा था। मोहल्ला सिंजई के मौजम और आजम ने उसे आवाज देकर बुलाया। दोनों लोग उसे गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने चाकू से पेट पर प्रहार किए, जिससे वह घायल हो गया। आरोपी जान से मारने की धमकी देकर भाग गए।

मकान से नगदी और मोबाइल ले गए चोर

शाहजहांपुर, अमृत विचार : जलालाबाद ब्लाक परिसर में चोरों ने एक मकान का ताला तोड़ दिया और नगदी तथा मोबाइल चुराकर ले गए। ब्लाक प्रमुख लता सिंह मकान में ताला बंद करके कहीं गयी थी। चोरों ने रात में उनके आवास का ताला तोड़ दिया और 37 हजार रुपये और मोबाइल चुराकर ले गए। इसके अलावा चोरों ने ब्लाक परिसर में कार्यालय के कई कमरों के ताले तोड़ दिए। किसी बड़े सामान की चोरी नहीं हुई है। ब्लाक प्रमुख ने थाना पर तहरीर दी है।

नाबालिग को फुसलाकर ले जाने का आरोप, रिपोर्ट

संवाददाता, तिलहर

- विशेष समुदाय के युवकों व चार युवतियों पर षड्यंत्र का आरोप
- पुलिस ने हिरासत में लेकर आरोपियों से की पूछताछ

अमृत विचार : क्षेत्र के एक युवक ने विशेष समुदाय के दो युवकों पर उसकी 17 वर्षीय नाबालिग पुत्री को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया है। युवक ने युवकों का साथ देने में उनके ही समुदाय की चार युवतियों पर भी षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया है। मामले की सूचना पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस कई लोगों को हिरासत में लिया है।

युवक ने बताया कि उसकी पत्नी की कई वर्ष पहले मौत हो चुकी है। वह नाबालिक पुत्री के साथ ही घर पर रहता है। 18 नवंबर की रात वह अपनी पुत्री के साथ खाना खाकर सो गया था। सुबह उठने पर पुत्री नहीं मिली। काफी तलाश के बाद भी उसका कोई सुराग हाथ नहीं लगा।

उसकी बेटी चौहटियां निवासी सहेलियां अक्सर घर आती थीं। उसे जानकारी मिली कि ये सहेलियां अपनी मोबाइल फोन से चौहटियां मोहल्ला निवासी कैफ उर्फ ऐके और हिंदूपट्टी मोहल्ला निवासी फैसल से उसकी पुत्री की बातचीत कराती थीं। युवक ने आरोप लगाया कि चारों सहेलियों ने षड्यंत्र करके उसकी नाबालिक पुत्री को कैफ तथा फैसल के साथ गलत प्रयोजन हेतु गायब करवाया है।

मेडिकल कालेज में नवजात की मौत, लापरवाही का आरोप

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कालेज में बुधवार रात एक नवजात की मौत के बाद वार्ड में हंगामा हो गया। परिवार वालों ने डॉक्टर और स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि नवजात की हालत बिगड़ने के बावजूद डॉक्टर समय पर देखने नहीं आए। स्थिति बिगड़ने पर परिजन नवजात को एक निजी अस्पताल लेकर गए, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सेहरामऊ दक्षिणी के गांव चौढ़ेरा निवासी राजवीर अपनी पत्नी सारिका को प्रसव पीड़ा होने पर बुधवार शाम मेडिकल कालेज लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने जांच के बाद महिला को भर्ती कर लिया और बताया कि डिलीवरी में समय लगेगा तथा घबराने की जरूरत नहीं है। रात करीब 11 बजे महिला ने बच्चे को जन्म दिया। जन्म के

नवजात की मौत के बाद मेडिकल कॉलेज में शोकाकुल बैठे परिजन। ● अमृत विचार

- परिवार वालों का आरोप-नवजात की बिगड़ती हालत पर भी नहीं पहुंचे डाक्टर, किया हंगामा

कुछ ही देर बाद नवजात की हालत बिगड़ने लगी। परिजन तुरंत स्टाफ के पास पहुंचे और अनुरोध किया कि डॉक्टर को बुलाकर नवजात को दिखाया जाए, लेकिन आरोप है कि स्टाफ लगातार टालता रहा और कोई भी नवजात को देखने बेड तक नहीं आया। काफी देर बाद पहुंचे डाक्टर ने कहा कि नवजात को मशीन में रखना होगा। परिजन बच्चे को निजी अस्पताल ले गए, जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके बाद परिजन नवजात का शव लेकर मेडिकल कालेज के वार्ड में पहुंचे और लापरवाही के आरोप लगाते हुए हंगामा किया। स्थिति देख आसपास मौजूद मरीजों के तीमारदारों की भीड़ भी लग गई। सूचना पर पुलिस चौकी मेडिकल कालेज के कर्मचारी पहुंचे और परिवार वालों को शांत कराया। परिवार नवजात का शव लेकर घर चला गया।

राजकीय मेडिकल कॉलेज पर लग चुके हैं आरोप

25 मई 2025 को राजकीय मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा सेंटर के पास ऑक्सीजन/गैस रिसाव की अफवाह फैलने के बाद भगदड़ में एक व्यक्ति की मौत हुई थी। परिवार ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया था जबकि अधिकारियों ने मौत का कारण पूर्व-गंभीर बीमारी बताया था। इसी प्रकार 12 सितंबर 2023 का है। राजकीय मेडिकल कॉलेज में दो मरीज चंद्रपाल और राजकुमार की मौत पर परिजनों ने मेडिकल कॉलेज पर चिकित्सकीय लापरवाही का आरोप लगाया था।

पेट में कपड़ा छोड़ने का भी लगा था आरोप

जुलाई 2021 को शिकायतकर्ता मरीज मुन्नी देवी, निवासी : एकलहरा ने आरोप लगाया था कि ऑपरेशन के बाद चिकित्सक ने लापरवाही करते हुए पेट में कपड़ा छोड़ दिया। परिजनों ने मेडिकल कॉलेज प्रशासन के खिलाफ शिकायत की थी। मामला व्यापक चर्चा में आया था। हालांकि बाद में ठंडा पड़ गया। लोगों का कहना है कि अस्पताल में रोगियों को डॉक्टर देखने नहीं आते हैं, जिस वजह से रोगियों की मौत हो जाती है।

> इस प्रकरण से संबंधित कोई तहरीर थाने में नहीं दी गई है। अगर कोई तहरीर मिलती है तो नियमानुसार जांच कर कार्रवाई की जाएगी।
>
> – अश्वनी कुमार सिंह, इंस्पेक्टर कोतवाली चौक

वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक में की पिछले वर्ष की प्रगति की समीक्षा

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- नवीन कार्ययोजना पर विशेषज्ञों ने दिए सुझाव, फसल विविधीकरण पर दिया जोर

अमृत विचार: कृषि विज्ञान केंद्र शाहजहांपुर में वैज्ञानिक सलाहकार समिति की बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें पिछले वर्ष की प्रगति की समीक्षा की गई और वर्ष 2026 के लिए कार्ययोजना तैयार करने हेतु विशेषज्ञों ने महत्वपूर्ण सुझाव दिए। बैठक में सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय मेरठ के प्रोफेसर डॉ मुकेश कुमार (शस्य विज्ञान), डॉ राजेंद्र सिंह (कीट विज्ञान) और डॉ एसके त्रिपाठी (उद्यान विज्ञान) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

बैठक में पशुपालन, मत्स्य, उद्यान, राष्ट्रीय बीज निगम, इफको, कृभको, गंगा भूमि फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी सहित कई विभागों के अधिकारियों ने प्रतिभाग किया। कृषि विज्ञान केंद्र के प्रभारी अधिकारी डॉ एनसी त्रिपाठी ने वर्ष 2025 की उपलब्धियों और योजनाओं की प्रगति का विवरण प्रस्तुत किया तथा वर्ष 2026 की कार्ययोजना पर प्रकाश डाला। केंद्र के वैज्ञानिकों डॉ. नरेंद्र प्रसाद (कृषि प्रसार), डॉ हादी हसन (फसल सुरक्षा), डॉ महेश कुमार (उद्यान), कुमारी विद्या गुप्ता (गृह विज्ञान) और गौरव शर्मा (कृषि अभियंत्रण) ने भी अपनी-अपनी गतिविधियों और आगामी लक्ष्य प्रस्तुत किए। बैठक की अध्यक्षता कर रहे डॉ मुकेश कुमार ने फसलों में विविधीकरण, प्राकृतिक खेती और मिलेट्स को मुख्य कार्ययोजना में शामिल करने पर जोर दिया। डॉ राजेंद्र सिंह, डॉ एसके त्रिपाठी ने किसानों के प्रशिक्षण का सुझाव दिया। गंगा भूमि फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी के एमडी राकेश पांडे ने मिलेट्स के प्रसंस्करण पर प्रशिक्षण शामिल करने की आवश्यकता बताई। किसानों ने विभिन्न प्रकार के प्रशिक्षण की आवश्यकता बताई।

गन्ना शोध परिषद के वैज्ञानिक डॉ एसके पाठक ने शरदकालीन गन्ने में सहफसली खेती को बढ़ावा देने और गन्ने की कीट-बीमारी रोकथाम विषयक प्रशिक्षण आयोजित करने का सुझाव दिया। केंद्र के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ईमानदारी, अनुशासन और जन सेवा ही सर्वोपरि है

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- एएसपी ने महिला आरक्षियों का किया सम्मेलन, उनकी समस्याओं पर भी दिया ध्यान

अमृत विचार: एएसपी ग्रामीण दीक्षा भंवरे ने पुलिस लाइन में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही रिक्रूट महिला आरक्षियों के साथ एक सम्मेलन आयोजित किया। उन्होंने महिला आरक्षियों को ईमानदारी, अनुशासन और जनसेवा को सर्वोपरि रखने के निर्देश दिए।

एएसपी ग्रामीण दीक्षा भंवरे ने प्रशिक्षुओं को पुलिस सेवा की मूल भावना, कर्तव्यनिष्ठा, अनुशासन और ईमानदारी के बारे में विस्तृत रूप से अवगत कराया। कहा कि पुलिस सेवा में अनुशासन और सत्यनिष्ठा रखने की आवश्यकता है, जनता से अच्छा व्यवहार बनाकर रखना चाहिए, कानून व्यवस्था के दौरान सतकर्ता बनाए रखना जरुरी है और हर परिस्थिति में पुलिस की गरिमा और छवि को सकारात्मक बनाए रखने की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षी वर्दी और अपनी गरिमा का सम्मान रखते हुए कार्य करें। इस मौके पर उन्होंने कानून की भी जानकारी दी। रिक्रूट महिला आरक्षियों की समस्याओं को सुना और उनके समाधान के लिए संबंधित अधिकारी को निर्देश दिए। सम्मेलन में सीओ सदर, सीओ तिलहर, प्रतिसार निरीक्षक आदि स्टाफ मौजूद रहा।

न्यूज डायरी

पत्नी की आत्महत्या में आरोपी पति गिरफ्तार, भेजा गया जेल

शाहजहांपुर, अमृत विचार : शहर में पत्नी की आत्महत्या के मामले में पुलिस ने आरोपी पति को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। मृतका के मायके वालों ने सदर बाजार थाना में मुकदमा दर्ज कराया था। मदनापुर थाना क्षेत्र के गांव बरीखास निवासी पूनम की शादी कई साल पहले मोनू निवासी बीबीजई थाना सदर बाजार के साथ हुई थी। पूनम की मां मुन्नी देवी का आरोप था कि पति की मारपीट और ससुराल वालों से प्रताड़ित होकर उसकी बेटी ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी। तहरीर के आधार पर पुलिस ने पति मोनू, रामनाथ, कलावती, मोनी प्रवीन निवासी बीबीजई थाना सदर बाजार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। पुलिस ने आरोपी पति मोनू को दोपहर ककरा रोड से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

यातायात माह के तहत ट्रैफिक नियमों का पढ़ाया पाठ

शाहजहांपुर, अमृत विचार : यातायात नवंबर माह के तहत इंडियन आयल कारपोरेशन बंथरा में यातायात जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यातायात प्रभारी विनय पांडे ने कहा कि भारी वाहनों के साथ-साथ ज्वलनशील पदार्थों का परिवहन करते समय चालकों की जिम्मेदारी सामान्य चालकों से दोगुनी हो जाती है। सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन प्रत्येक चालक को करना चाहिए। हथौड़ा में स्थित नैनी मैनी फूड प्रोडक्ट में यातायात प्रभारी ने कहा कि दो पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चार पहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का प्रयोग करना चाहिए। वाहन चलाते समय मोबाइल का प्रयोग न करें, क्षमता से अधिक सवारियां ने बैठाए और अधिक स्पीड में वाहन न चलाए, नशे की हालत में वाहन न चलाए। इस अवसर पर ट्रैफिक स्टाफ मौजूद रहा।

महिला ने जेठ सहित पांच पर लगाया मारपीट का आरोप

तिलहर, अमृत विचार : गांव सुनौरा निवासी सुमन सिंह ने बताया कि मंगलवार रात करीब आठ बजे उसके परिवार और जेठानी अपने एक पुत्र और एक पुत्री सहित पांच लोग एक राय होकर उसके घर पहुंचे और बिना किसी कारण के गंदी-गंदी गालियां देने लगे। जब विरोध किया तो सभी आरोपी जबरन घर में घुसने का प्रयास करने लगे। उसने दरवाजा बंद कर खुद को बचाया। प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार ने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस टीम लगा दी गई है।

बेटी बोली पिता ने आत्महत्या नहीं की थी, जांच कराने की मांग

शाहजहांपुर, अमृत विचार : कांट क्षेत्र में एक वृद्ध की संदिग्ध परिस्थितियों में जलकर हुई मौत के मामले में बेटियों ने कहा कि उसके पिता ने आत्महत्या नहीं की थी। बेटियों ने मांग की है कि जांच करायी जाए। कांट क्षेत्र के गांव पटियारी निवासी दयाराम का शव चार दिन पूर्व घर के बाहर जली लकड़ियों के ढेर में अधजला मिला था। मृतक दयाराम के पुत्र सुशील कुमार ने बताया था कि उसके पिता आत्महत्या की थी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में उसका शव 90 प्रतिशत जला था। इधर मृतक की बेटियां संतोषा, सुमन और सुनीता ने एसडीएम सदर संजय कुमार को प्रार्थनापत्र दिया कि उसके पिता ने आत्महत्या नहीं की थी। उनकी मोत के पीछे गहरी साजिश है। उन्होंने मांग की है कि निष्पक्ष रुप से जांच करायी जाए।

सब्जी विक्रेता की पिटाई के चार आरोपित जेल भेजे

सिंधौली, अमृत विचार : पैना बुजुर्ग गांव में सब्जी बेचने पहुंचे पैना खुर्द सुंदरनगर निवासी अचल कुमार को चार युवकों ने सरेराह पीट दिया था। जानकारी के अनुसार कुछ लोग सब्जी खरीदने के बहाने अचल को अपने साथ ले गए और रास्ते में डंडों से पिटाई कर दी। इसके बाद आरोपितों ने उसे उठाकर पटक भी दिया। मारपीट की घटना के वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हुए थे। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने अजीत को नामजद करते हुए तीन अन्य आरोपितों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की। देर रात पुलिस ने दबिश देकर अजीत, निखिल सिंह, आदित्य प्रताप और अरविंद को गिरफ्तार कर लिया। प्रभारी निरीक्षक रविंद्र सिंह ने बताया कि सभी आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

सिर पर फावड़ा मारने से पीड़ित घायल, पिता और दो पुत्रों पर रिपोर्ट दर्ज

खुटार, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव खंडसार निवासी गंगाराम ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि 18 नवंबर की शाम करीब चार बजे गांव के फूलचंद्र अपने बेटे अजय, गोपाल के साथ फावड़ा से उसके खेत की मेड़ काटकर अपने खेत में मिला रहे थे। इस बीच वह मौके पर पहुंच गया और मेड़ काटने का विरोध किया। उक्त आरोपी गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर उक्त आरोपियों ने पीड़ित के साथ पिटाई की। तभी फूलचंद्र ने हाथ में पकड़े फावड़े से उसके सिर पर प्रहार कर दिया। सिर में फावड़ा लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उक्त आरोपियों ने उसे जान से मारने की धमकी दी और मौके से भाग निकले। उक्त आरोपी दबंग किस्म के हैं। इससे पूर्व भी आरोपी पिटाई कर चुके हैं। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

शिव विवाह प्रसंग सुन श्रद्धालु हुए भावविभोर

- यज्ञ में आहुति के साथ गूंजे वैदिक मंत्र, उमड़ा भक्तों का सैलाब

संवाददाता, तिलहर

अमृत विचार: 21 कुंडीय श्री लक्ष्मी नारायण यज्ञ एवं श्री राम कथा के तीसरे दिन श्री स्वामी गोविंदाचार्य महाराज ने भगवान शिव और माता पार्वती के दिव्य विवाह का मनोहारी वर्णन किया।

कथा के दौरान स्वामी गोविंदाचार्य महाराज ने बताया कि महर्षि नारद द्वारा बताए गए शुभ संयोग के अनुसार नंदी पर सवार होकर भगवान शिव जब भूत-प्रेतों तथा गणों के साथ बारात लेकर पहुंचे तो पर्वतराज एवं परिजन क्षणभर के लिए चौंक गए, लेकिन माता पार्वती ने हर्षपूर्वक भगवान शिव को अपने जीवनसाथी के रूप में स्वीकार कर लिया। विवाह प्रसंग के दौरान वातावरण भक्तिमय हो उठा। इसके उपरांत 21 कुंडीय हवन में यज्ञाचार्य पंडित राम किशोर आचार्य और राम शुक्ला के सानिध्य में हरणीमंथन मंत्रों के साथ अग्नि प्रज्वलित की गई। यज्ञ में डॉ प्रमोद मिश्रा, सभासद राधा रमण मिश्रा, सोनू खन्ना, सभासद स्वाति खन्ना, सुरेंद्र राठौर, अमर सक्सेना, संजय मिश्रा, उर्वशी मिश्रा, लता मिश्रा, सीमा शंखधार, सोनम श्रीवास्तव, श्याम शर्मा, सलोनी वर्मा, रामेश्वर दयाल शर्मा, राम असारे मिश्रा, पंकज कश्यप, विवेक मल्होत्रा, दिवस सक्सेना, विवेक सक्सेना, संजय सैनी, सुनील सैनी, श्याम गर्ग, रामप्रताप, अमर सिंह सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

राम कथा के तीसरे दिन शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुनते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

कार से बाइक छूने पर हंगामा, हाईवे पर लगा जाम

कलान, अमृत विचार: ग्राम बसई निवासी सावेंद्र बाइक से मुरादाबाद-फर्रुखाबाद स्टेट हाईवे होते हुए कलान आ रहा था। परौर चौराहे से आगे बढ़ते ही हरदोई जनपद से बदायूं के थाना उसावा के ग्राम रसूलपुर निवासी सुग्रीव सिंह, जो बारात करके दुल्हन को लेकर कार से जा रहे थे। उनकी कार सावेंद्र की बाइक से छू गई। आरोप है कि बाइक सवार नशे में था। टक्कर लगते ही उसने कार चालक का मोबाइल फोन छीन लिया। दोनों पक्षों के बीच मारपीट की नौबत आ गई। इसी को लेकर दोनों पक्षों में गाली गलौज होने लगा। देखते ही देखते मुरादाबाद-फर्रुखाबाद रोड पर जाम लग गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच समझौता करा दिया।

NSNH
NEW SHRI NARAYANA HOSPITAL

न्यू श्री नारायणा हॉस्पिटल

डा. प्रदीप कुमार
एम.बी.बी.एस., एम.एस.
Retd. ACMO
जनरल सर्जन

डॉ. राम निवास
एम.बी.बी.एस. एम.डी.
(एनेस्थेसियोलॉजिस्ट)
जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ

डॉ. राजा गुप्ता
जनरल फिजिशियन

डॉक्टर्स पैनल

डा. प्रदीप कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. Retd. ACMO जनरल सर्जन	डा. ओमवती एम.बी.बी.एस., डीजीओ स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ	डा. अहमद अली अंसारी एम.बी.बी.एस. डी.सी.एच. नवजात शिशु एवं बाल रोग विशेषज्ञ
डा. राम निवास एम.डी. (एनेस्थेसियोलॉजिस्ट) जटिल एवं गम्भीर रोग विशेषज्ञ	डा. कुन्दन कुमार एम.बी.बी.एस., एमसीएच न्यूरो सर्जन	डा. अमन अग्रवाल एम.बी.बी.एस., एम.एस., एम.सी.एच. गुर्दा एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डा. सुजाय मुखर्जी एम.बी.बी.एस., एम.एस. जनरल सर्जन एवं लैप्रोस्कोपिक सर्जन	डा. निशान्त गुप्ता एम.बी.बी.एस., एम.एस. (आर्थो) हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. प्रिया सिंह एम.बी.बी.एस. डी.जी.ओ, डी.एन.बी. स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डा. आशुतोष कुमार एम.बी.बी.एस., एम.एस. हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ	डा. रहबर इदरीश बी.डी.एस. एमआईडीए लखनऊ मुख दन्त एवं जबड़ा रोग विशेषज्ञ	डा. राजा गुप्ता बी.ए.एम.एस. ई.एम.ओ.

उपलब्ध सुविधायें :
- सिर एवं चेहरे की समस्त चोट, बुखार, खांसी, मलेरिया, टायफाइड का इलाज
- दिमाग एवं रीढ़ की हड्डी के समस्त प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा पेट के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा
- दूरबीन विधि द्वारा गुर्दा (किडनी) एवं मूत्र रोगों के सभी प्रकार के आपरेशन की सुविधा।
- छोटे चीरे द्वारा हड्डी के समस्त आपरेशन एवं जोड़ प्रत्यारोपण
- घुटना व कूल्हा बदलने की सुविधा उपलब्ध
- नॉर्मल डिलीवरी व दर्द रहित प्रसव एवं बच्चेदानी के समस्त प्रकार के आपरेशन
- बच्चों के समस्त प्रकार के रोगों को इलाज
- वेन्टीलेटर, वाईपाइप युक्त ICU, NICU

डॉ. विवेक कुमार मैनेजिंग डायरेक्टर

ठाकुर हरीश रावत चेयरमैन

समस्त प्रकार के दूरबीन व चीरे वाले ऑपरेशन की सुविधा
24x7 भर्ती एवं एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध
24/7 EMERGENCY SERVICES

लाल फाटक शांतिकुंज स्कूल के पास,
निकट ओवर ब्रिज, बदायूँ रोड, बरेली

हेल्पलाइन नं. : 8057953868

डीएम, एसपी ने चौपाल में सुनी समस्याएं

फिल्म अभिनेता राजपाल यादव के अनुरोध पर गांव कुंडरा में हुआ चौपाल का आयोजन, लोगों ने की विभिन्न मांगें

संवाददाता, बंडा

अमृत विचार: हास्य फिल्म अभिनेता राजपाल यादव के द्वारा आयोजित ग्राम चौपाल कार्यक्रम में डीएम, एसपी, सीडीओ, डीपीओ, पीडी, डीएचओ, एसडीएम, सीओ सहित तमाम प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम में सरकार द्वारा चलाई जा रही तमाम तरह की करतेसरकारी योजनाओं की विस्तृत रूप से दी गई। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

बृहस्पतिवार को बंडा के गांव कुंडरा में जन्मे बॉलीवुड के प्रसिद्ध हास्य अभिनेता राजपाल यादव ने अपने गांव में ग्राम चौपाल कार्यक्रम को आयोजन किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह, पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी, मुख्य विकास अधिकारी अपराजिता सिंह, उपजिलाधिकारी चित्रा निर्वाल, सीओ पुवायां प्रवीण मलिक, कृषि उपनिदेशक शाहजहांपुर पुरुषोत्तम मिश्रा, जिला पर्यवेक्षक अधिकारी गौरव मिश्रा सहित कई विभागों के कर्मचारी और अधिकारी गण मौजूद रहे। कार्यक्रम की शुरुआत करते हुए जिला पर्यवेक्षक अधिकारी गौरव मिश्रा ने बताया कि सरकारी के द्वारा तमाम तरह की कई योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसमें एक योजना कन्या सुमंगला योजना है जिसमें बच्ची के जन्म से लेकर उसकी शादी के समय तक सरकार अलग अलग तरीके से कई बार पैसा देती है ताकि उनकी पढ़ाई लिखाई और शादी का सारा इंतजाम अच्छे से हो सके। वहीं निराश्रित महिलाओं के लिए 1 हजार रुपए प्रति माह दिए जाने की भी योजना सरकार द्वारा चलाई जा रही है । वहीं कई महिलाओं की सुविधा के लिए 1090 पर कॉल कर अपनी समस्याओं की शिकायत दर्ज कर सकती हैं । साथी ही महिला हेल्पलाइन के साथ साथ चाइल्ड हेल्पलाइन के लिए 1098 और साइबर से संबंधित शिकायतों के लिए 1930 पर कॉल करके मदद ली जा सकती है ।

संबोधित करते डीएम धर्मेंद्र प्रताप सिंह, मंचासीन, अभिनेता राजपाल यादव, व अन्य।

- रुहेलखंड में पांचवां जिला बने सुनासीर नाथ (सुनहरा नगर) : राजपाल यादव

कृषकों को दी जानकारी

कृषि विभाग के उपनिदेशक पुरुषोत्तम मिश्रा ने बताया कि सरकार के द्वारा किसानों के लिए तमाम तरह की योजनाएं चलाई जा रही हैं जिसमें किसान सम्मान निधि, किसान रजिस्ट्री, किसान फसल बीमा योजना सहित कई योजनाएं शामिल हैं । सरकार के द्वारा कई किसानों को कुछ बीजों का वितरण 50 प्रतिशत अनुदान और कुछ नि :शुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। जिला उद्यान अधिकारी ने बताया कि सरकार के द्वारा कई प्रकार के पेड़ निशुल्क लोगों को दिए जा रहे हैं जिसमें बाग लगाने के लिए आम, अमरूद सहित कई पेड़ शामिल हैं । जिला कार्यालय में संपर्क कर लोग योजना का लाभ उठा सकते हैं ।

अधिकारियों का किया स्वागत

संचालन कर रहे वीरपाल सिंह यादव पीटीआई ने सभी वरिष्ठ अधिकारियों को मंचसीन कराते हुए राजपाल यादव के द्वारा स्वागत कराया। साथ ही राजपाल यादव के बड़े भाई श्रीपाल यादव, राजेश यादव, चंद्रपाल यादव, इंद्रपाल यादव और सत्यपाल यादव के द्वारा अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया गया। इसी दौरान लालपुर आजादपुर के ग्राम प्रधान फतेहचंद वर्मा, ब्लॉक प्रमुख डॉक्टर ओमप्रकाश, नगर पंचायत चेयरमैन मोहम्मद इशहाक उर्फ बड़ेलल्ला, हरवंश राणा, परमजीत सिंह, शिवशंकर वर्मा, उमेश सिंह, सुधीर सिंह आदि के द्वारा भी जिलाधिकारी समेत अन्य अधिकारियों का स्वागत सम्मान किया गया।

रबी सीजन के लिए 17500 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध

शाहजहांपुर, अमृत विचार: उप आयुक्त एवं उप निबन्धक सहकारिता अखिलेश प्रताप सिंह ने बताया कि जिला शाहजहांपुर में रबी सीजन की यूरिया मांग को देखते हुए सहकारिता विभाग में पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है। पीसीएफ बफर गोदाम में यूरिया का सामान्य स्टॉक 7500 मैटन तथा प्रीपोजिशिनिंग स्टॉक 9951 मीट्रिक टन है।

दोनों को मिलाकर कुल लगभग 17500 मीट्रिक टन यूरिया उपलब्ध है। सामान्य स्टॉक में से 6200 मीट्रिक टन यूरिया का आवंटन जिलाधिकारी के स्तर से सभी सहकारी समितियों को किया जा चुका है।

वहीं प्रीपोजिशिनिंग स्टॉक में भण्डारित 9951 मैटन यूरिया को भी जिलाधिकारी द्वारा अवमुक्त करने के निर्देश दिए गए हैं, जिसका आवंटन भी समितियों को कर दिया गया है। अधिकारियों के अनुसार रबी सीजन में बुआई के बाद यूरिया की मांग को लेकर किसी भी प्रकार की कमी नहीं होगी।

बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में जेवा न्याय पंचायत बना चैंपियन

संवाददाता, पुवायां

अमृत विचार: विकास खंड पुवायां में आयोजित ब्लॉक स्तरीय बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में न्याय पंचायत जेवा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम कर ली। प्रतियोगिता का शुभारंभ मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ किया गया।

प्राथमिक स्तर पर आयोजित 100 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में रेहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि सेवान द्वितीय और रजत तृतीय स्थान पर रहे। बालिका वर्ग में भावना प्रथम, अरिवा द्वितीय और मोहिनी तीसरे स्थान पर रहीं। बालिका वर्ग में रुनझुन ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि खुशबू द्वितीय और केसल तृतीय स्थान पर रहीं। कबड्डी प्रतियोगिता में उच्च प्राथमिक स्तर के बालक वर्ग में इटौली विजेता रहा, जबकि जेवा उपविजेता बना। बालिका वर्ग में जेवा ने विजेता का खिताब जीता और इटौली उपविजेता रही। खो-खो में बालक वर्ग में नाहिल विजेता रहा, जबकि इटौली उपविजेता बनी। बालिका वर्ग में जेवा विजेता और नाहिल उपविजेता रहा। प्रतियोगिता के अंत में खंड शिक्षा अधिकारी पुवायां कृष्ण कुमार ने विजयी प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए।

खेल प्रतियोगिता में हिस्सा लेते खिलाड़ी। ● अमृत विचार

- प्राथमिक स्तर पर आयोजित 100 मीटर दौड़ में बालक वर्ग में रेहान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

परामर्श केंद्र पर एक दंपती का समझौता हुआ

शाहजहांपुर, अमृत विचार: पुलिस लाइन में महिला परामर्श केंद्र पर 30 पत्रावली की सुनवाई हुई, जिसमें एक दंपती का समझौता हुआ। सदर बाजार थाना क्षेत्र में एक दंपती की शादी को चार साल हो गए है। घरेलू विवाद को लेकर पति मारपीट करता था।

उसकी पत्नी पांच माह से मायके में रह रही थी। दोनों पक्षों को परिवार परामर्श केंद्र पर बुलाया गया। दोनों पक्षों की वार्ता करायी गयी।

दोनों पक्ष एक साथ रहने को तैयार हो गए। दोनों को एक साथ विदा किया गया। इस अवसर पर महिला उप निरीक्षक मधु यादव, महिला मुख्य आरक्षी चंद्रकांता शर्मा, सिपाही मोनिका और पिंकी मौजूद रही।

केमिस्ट एसोसिएशन में शोक की लहर

- चंदौली में महामंत्री रोहिताश पाल की हत्या से गहरा दुःख

शाहजहांपुर, अमृत विचार : केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन, शाहजहाँपुर (उ.प्र.) में गुरुवार को गहरा शोक व्याप्त रहा। सदर बाज़ार स्थित शिवम मेडिकोज़ पर आयोजित शोक सभा में दवा व्यवसायियों ने प्रदेश संगठन से जुड़े पदाधिकारी रोहिताश पाल के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा में उपस्थित सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। संगठन के अध्यक्ष संचित सिंह, महामंत्री लक्ष्मण प्रसाद सहित विभिन्न पदाधिकारियों, नरेश चन्द्र गुप्ता, शैलेंद्र सक्सेना, इन्द्रजीत नरूला, सुनील गुप्ता, अनुपम त्रिवेदी, संतोष गुप्ता, संदीप चावला, हिमांशु गुप्ता, सूरज यादव, रोहित गुप्ता, अनुज मिश्रा और पंकज मिश्रा ने कहा कि यह क्षति पूरे दवा व्यवसायी समुदाय के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। साथ ही केमिस्ट एण्ड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने प्रदेश सरकार एवं पुलिस प्रशासन से मांग की है कि हत्या में शामिल अपराधियों को अविलंब गिरफ्तार करते हुए कड़ी से कड़ी सजा दी जाए, ताकि दवा व्यवसायी समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

Lifelines OF BAREILLY MEDICAL
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005

- 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
- बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
- आयुष्मान/सीजीएचएस/ ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
- कैशलेस ईलाज

डॉ. दर्शन मेहरा
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
Cardiopulmonologist, Diabetologist & Intensivist
आयुष्मान एवं TPA कैशलेस सुविधा उपलब्ध
डायबिटीज, थायराइड, डेंगू, मलेरिया, टी.बी., पेट रोग, गठिया, फेफड़ों के रोग, तेज बुखार, एलर्जी, जटिल रोगों का उचित इलाज
दर्पिन हॉस्पिटल
संजय नगर रोड, पीलीभीत बाईपास, बरेली
हैल्प लाइन – 8979252222, 9457663289

डॉ. नितिन अग्रवाल
एम.डी. (गोल्ड मेडिलिस्ट), डी.एम. (कार्डियोलॉजी)
हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777
2D ECHO + TMT
हृदय रोग के लक्षण : ■ घबराहट ■ छाती में दर्द या भारीपन ■ सांस फूलना ■ पैरों में सूजन ■ हाई ब्लडप्रेशर ■ हाई कोलेस्ट्रोल ■ डाइबिटीज (शुगर) ■ सीने या पेट में जलन या दर्द ■ हार्ट अटैक ■ हार्ट फेल
APPLE CARDIAC CARE DR.NITIN AGARWAL'S HEART CLINIC
ए-3, एकता नगर, केयर अस्पताल के सामने, स्टेडियम रोड, बरेली। सम्पर्क करें:- 9458888448

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSL) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
समय दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक हेल्पलाईन 9837549348, 98978382286

महिलाओं ने मनाया रानी लक्ष्मीबाई का जन्म दिवस

जैतीपुर, अमृत विचार: रानी लक्ष्मी बाई के जन्मदिन के उपलक्ष्य में सरस्वती विद्या मंदिर खेड़ा बझेड़ा में सप्त शक्ति संगम का कार्यक्रम मनाया गया गया कार्यक्रम की अध्यक्ष रिंकी सिंह,मुख्यातिथि अंजली सक्सेना, वक्ता मीना मिश्रा, ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। रानी लक्ष्मी बाई किशोर गाथा का गण किया गया तथा उनकी तरह जीवन शैली को अपने अंदर प्रवेश करने की सलाह दी गई। वच्चो को प्रणाम करने की आदत , बड़ो का सम्मान करना , समय से वच्चो को सुलाना जगाना समय से विद्यालय भेजने सहित बाहरी खान पान से वचाव के विषय मे वक्ताओं ने बात रखी। इस दौरान ममता मौर्य, रिंकी, रानी गुप्ता , भावना, सविता, पारुल मिश्रा, रवीना,किरन मिश्रा, शिखा देवी, चन्द्रवती, सहित शैलेन्द्र सिंह, कमलेश कुमार, आदि लोग मौजूद रहे।

महिला आपदा मित्र सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- महिला आपदा मित्रों के योगदान को सराहा गया
- बाढ़ प्रबंधन में रेडक्रॉस की भूमिका को मिली प्रशंसा

महिला आपदा मित्रों को सम्मानित करते अधिकारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी द्वारा बाढ़ राहत एवं बचाव कार्यों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिला आपदा मित्रों को सम्मानित किया गया। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) तथा नोडल आपदा प्रबंधन अरविंद कुमार के कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में तहसील सदर की आपदा मित्र नेहा कश्यप, शिवानी वर्मा, लक्ष्मी कश्यप, दिव्यांशी, राशि शुक्ला, मोनी आर्या और स्नेहा को रेडक्रॉस मेडल, मिष्ठान, प्रमाण पत्र, महिला स्वच्छता हेतु स्वच्छता किट, मास्क तथा रेडक्रॉस की विस्तृत जानकारी से संबंधित प्रपत्र प्रदान किए गए।

अपर जिलाधिकारी और रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव डॉ. विजय जौहरी ने संयुक्त रूप से सम्मान प्रदान किया। इस दौरान अपर जिलाधिकारी ने बाढ़ आपदा प्रबंधन में रेडक्रॉस की सहायक भूमिका की सराहना करते हुए महिला आपदा मित्रों के योगदान को प्रेरणादायक बताया। सचिव डॉ. विजय जौहरी ने कहा कि रेडक्रॉस हमेशा जन स्वास्थ्य और मानव सेवा में सक्रिय रहा है। यह सम्मान उत्तर प्रदेश सरकार के उपमुख्यमंत्री एवं भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी के अध्यक्ष ब्रजेश पाठक की संकल्पना के अनुरूप महिला सशक्तिकरण मिशन के तहत दिया जा रहा है। कहा कि यह सम्मान अपर जिलाधिकारी अरविंद कुमार के मार्गदर्शन और कुशल कार्यशैली का प्रमाण है। जिला युवा कल्याण अधिकारी नरेन्द्र कुमार सिंह, चिकित्सा अधिकारी उसमान अली खां, अवनीष सक्सेना, एडवोकेट शोएब अंसारी, सुनील अंचल, आपदा विशेषज्ञ अभिषेक श्रीवास्तव, कमांडर आपदा मित्र इंद्रजीत लोदी, प्रधान सहायक विनोद कुमार मिश्रा सहित सम्मानित महिला आपदा मित्र उपस्थित रहीं।

एसएसएमवी ने दर्ज की जीत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- मुमुक्षु क्रिकेट लीग के दूसरे मैच में 4 विकेट से मिली जीत
- एसएसएमवी ने 148 रन बनाकर मुकाबला किया अपने नाम

खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त करते मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती।

अमृत विचार: स्वामी शुकदेवानंद कॉलेज में चल रही मुमुक्षु क्रिकेट लीग के दूसरे मुकाबले में एसएसएमवी की टीम ने आखिरी गेंद पर शानदार जीत दर्ज की। रोमांच से भरे इस मैच में एसएसएमवी ने स्वामी शुकदेवानंद विधि महाविद्यालय की टीम को 4 विकेट से हराया।

मैच से पूर्व मुमुक्षु शिक्षा संकुल के मुख्य अधिष्ठाता स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती और कॉलेज प्रबंध समिति के सचिव डॉ अवनीश मिश्र ने सभी खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। टॉस विधि महाविद्यालय की टीम ने जीता और पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टीम ने 14 ओवर में 9 विकेट खोकर 147 रन बनाए। जवाब में एसएसएमवी की टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम ने 4 विकेट के नुकसान पर 148 रन बनाए और आखिरी गेंद पर रोमांचक जीत अपने नाम की। खेल के दौरान शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष प्रो.अजीत सिंह चारग और डॉ आलोक सिंह कमेंटेटर की भूमिका में रहे। मैन ऑफ द मैच का खिताब अनिल सिंह को मिला। इस मौके पर प्राचार्य प्रो. आरके आजाद, उपप्राचार्य प्रो अनुराग अग्रवाल, डॉ जयशंकर ओझा, कार्यक्रम संयोजक डॉ प्रांजल शाही, डॉ अंकित अवस्थी, डॉ संदीप अवस्थी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दिखाया दम

निगोही, अमृत विचार: विकास क्षेत्र निगोही में दो दिवसीय ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता का शुभारम्भ खण्ड शिक्षा अधिकारी रमेश पंकज ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उच्च प्राथमिक विद्यालय ढकिया तिवारी के खेल मैदान में आयोजित की गई खेलकूद प्रतियोगिता में ब्लॉक की आठों न्याय पंचायत के प्राथमिक स्तर के बच्चों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री महेन्द्र सिंह ने हरी झंडी दिखाकर प्रतियोगिता की शुरुआत की। खंड शिक्षा अधिकारी रमेश पंकज एवं ग्राम प्रधान अखिलेश सिंह ने ब्लॉक स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिता में विजेता बच्चों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान की। राष्ट्रीय शैक्षिक महासंघ के जिला महामंत्री महेन्द्र सिंह ने विचार व्यक्त किए।

आप सभी को
एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार
के
6वें
स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

श्री महेश चन्द्र गुप्ता जी
सदर विधायक/पूर्व नगर विकास राज्य मंत्री

विचित्रा पटेल
ब्लॉक प्रमुख
सालारपुर

अनेक पाल सिंह
ब्लॉक प्रमुख पति
सालारपुर

विश्वजीत गुप्ता
युवा नेता

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार
के
6वें स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

आलू की खड़ी फसल में इफको नैनो डीएपी अत्यंत कारगार

जनपद के कई किसान आलू की खड़ी फसल में दानेदार डीएपी प्रयोग करते हैं। चूंकि डीएपी फसल को तभी मिल पाती है जब उसे जड़ के नीचे दिया जाये। खड़ी फसल में डीएपी प्रयोग से डीएपी का फास्फोरस अंश पौधों को नहीं मिलता है अत: किसान का धन व्यर्थ जाता है। इफको नैनो डीएपी खड़ी फसल में अत्यंत कारगर है एवं इफको नैनो डीएपी 500 मिली की बोतल एक बोरी डीएपी से ज्यादा ताकत देती है इसके उपयोग से आलू में गुल्ली की बड़ी मात्रा सम्पूर्ण आलू में बदल जाती है तथा आलू का उत्पादन बढ़ता है। यह दानेदार डीएपी से लगभग 60% अधिक सस्ती है, अत: धन की भी बचत होती है। इस प्रकार दानेदार यूरिया के इस्तेमाल से आलू की पत्नी झुलसती हैं इसके स्थान पर नेनो यूरिया के इस्तेमाल से फसल स्वस्थ होती है एवं ग्रोथ अच्छी होती है। **किसान भाई आलू की खड़ी फसल में इसका इस्तेमाल कैंसे करें:-** आलू की खड़ी फसल में नैनो डीएपी 5 मिली प्रति ली. एवं नैनो यूरिया 5 मिली प्रति ली. पानी में घोलकर इस्तेमाल करें। इसका स्प्रे मिलाकर एक साथ किया जा सकता है। वर्तमान में किसान गेहूं की फसल की बुआई कर रहे हैं। नैनो डीएपी 5 मिली प्रति किग्रा. की दर बीज उपचार (मोवा) एवं बुआई के समय डीएपी की 25 प्रतिशत मात्रा कम कर बुआई कर सकते हैं।

IFFCO
पूर्णतः सहकारी स्वामित्व
Wholly owned by Cooperatives

अपनी नजदीकी सहकारी समिति या इफको बाजार से उर्वरक खरीदें।

आप सभी को
एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार
अमृत विचार
के
6वें
स्थापना दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं

कार्यालय नगर पंचायत कुंवरगांव जनपद बदायूं

अपील:- 1. नगर में खुले में कूड़ा न डालें तथा गीला कूड़ा सूखा कूड़ा अलग-अलग कर नीले और हरे रंग के डस्टबिन में डालें। 2. खुले में शौच / पेशाब न करें। 3. प्लास्टिक का उपयोग न करें और न करने दें। 4. संचारी रोग की रोकथाम हेतु साफ सफाई रखें तथा अपने आस- पास वर्षा का पानी जमा न होने दें। 5. जरूरत से ज्यादा जल व्यर्थ न करें।

महेश चंद्र गुप्ता
सदर विधायक / पूर्व नगर विकास राज्य मंत्री

ज्योति रानी
नगर पंचायत अध्यक्ष

अरविन्द रावत
चेयरमैन पति

विश्वजीत गुप्ता
युवा नेता

किशनवीर रावत
युवा नेता

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025 शाहजहांपुर

न्यूज ब्रीफ

मारपीट में महिला समेत तीन घायल

सेहरामऊ दक्षिणी, अमृत विचार : गांव भरगवां निवासी रामू ने बताया कि उसका पड़ोसी श्रीराम की पत्नी कमला देवी रास्ते में कुत्तों को शौच करा रही थी। विरोध करने पर महिला उसको गाली देने लगी। विवाद बढ़ जाने से कमला देवी अपने दो बेटों के साथ सुबह रामू के घर पहुंच गयी। आरोपियों ने घर में घुसकर रामू के भाई हरीओम, अन्ना देवी, प्रियांशी, पिंकी को पीटकर घायल कर दिया। वहीं कमला देवी के भी चोट लगी है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है। जांच में जो भी दोषी मिलेगा उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

पूर्व जिला पंचायत सदस्य की मां के निधन पर जताया शोक

कलान, अमृत विचार : पूर्व जिला पंचायत सदस्य डॉ वीरेंद्र सिंह यादव की माता के निधन पर कस्बे स्थित मदर टेरेसा पब्लिक स्कूल में शोक सभा आयोजित की गई। सभा में दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई। इस दौरान संतोष सिंह, अधिवक्ता नरेन्द्र सिंह यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य विपिन यादव, रणविजय सिंह, शिवांशु परमार, नीतेश यादव, ब्रजेश यादव सहित बड़ी संख्या में क्षेत्र के लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने दो घंटे में बच्ची के परिजनों को किया तलाश

जैतीपुर, अमृत विचार : कस्बे में बुधवार दोपहर श्री राम जानकी महाराज मंदिर के पास एक छह वर्षीय बच्ची लावारिस हालत में रोते हुए मिली। समाजसेवी पूरन लाल मिश्रा ने बच्ची को सुरक्षित थाने पहुंचाया। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गौरव त्यागी के नेतृत्व में हेड मोहर्रिर कपिल कुमार और कांस्टेबल तरुण सिरोही ने बच्ची के परिजनों की तलाश शुरू की। करीब दो घंटे की मेहनत के बाद पुलिस बच्ची के परिजनों तक पहुंचने में सफल रही। बच्ची की पहचान गौहापुर निवासी रक्षपाल के छह वर्षीय पुत्री मानवी के रूप में हुई। ग्रामीणों ने बताया कि बच्ची के पिता दिल्ली में नौकरी करते हैं। बच्ची को सुरक्षित पाकर परिजन खुश हो गए। लोगों ने पुलिस की प्रशंसा की।

नए बैच का इंडक्शन, चिकित्सा सेवा की राह पर बढ़े छात्र

एमबीबीएस बैच के इंडक्शन में छात्रों ने लिया सेवा का संकल्प, वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में किया गया प्रेरक व भव्य आयोजन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय बंथरा-शाहजहांपुर के अंतर्गत वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल में गुरुवार को नवागंतुक एमबीबीएस बैच 2025-26 के विद्यार्थियों के लिए इंडक्शन सेरेमनी का अत्यंत भव्य और प्रेरणादायक आयोजन मुख्य ऑडिटोरियम में बड़े उत्साह और गरिमा के साथ सम्पन्न हुआ। यह आयोजन विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए भावनात्मक और गर्व से भर देने वाला क्षण रहा, क्योंकि इसी दिन विद्यार्थियों ने चिकित्सा शिक्षा की औपचारिक शुरुआत की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी उपस्थित रहे, जिनकी उपस्थिति से समारोह और प्रभावशाली बन गया।

कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन से हुई। एमबीबीएस द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना ने पूरे सभागार में आध्यात्मिक वातावरण बना दिया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रतिकुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल, कुलपति डॉ. किरन अग्रवाल, कुलपति (बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी) डॉ. लता अग्रवाल, मुख्य अतिथि एसपी राजेश द्विवेदी, प्रधानाचार्य एवं डीन डॉ. (कर्नल) रवीन्द्र नाथ शुक्ला तथा वरिष्ठ अधिकारियों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन किया। इसके बाद कुलाधिपति और प्रतिकुलाधिपति ने मुख्य अतिथि का पारंपरिक सम्मान पुष्पगुच्छ, शॉल और स्मृति-चिन्ह देकर किया। मुख्य अतिथि ने कहा कि चिकित्सक का पेशा केवल करियर नहीं बल्कि जीवनभर मानवता की सेवा का संकल्प है। चिकित्सा क्षेत्र में आने वाले हर विद्यार्थी में ईमानदारी, अनुशासन, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वे पुस्तकों के साथ-साथ हर मरीज से सीखें और उनके दर्द को समझने को अपना सर्वश्रेष्ठ गुण बनाएं। उन्होंने यह भी कहा कि वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल अपनी शिक्षा और अनुशासन की परंपरा के लिए जाना जाता है तथा यहां से निकलने वाला हर विद्यार्थी समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाता है। कुलाधिपति डॉ केशव कुमार अग्रवाल ने कहा कि एमबीबीएस का चयन जीवनभर मानवता की सेवा का निर्णय है। उन्होंने विद्यार्थियों को कठिन परिश्रम, अनुशासन और संवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान निरंतर प्रगति कर रहा है, इसलिए विद्यार्थियों को स्वयं को लगातार अपडेट रखना होगा। प्रतिकुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल ने कहा कि एक अच्छे चिकित्सक के लिए पुस्तकीय ज्ञान के साथ धैर्य, ईमानदारी और क्लिनिकल अनुभव आवश्यक है। उन्होंने बताया कि मेडिकल शिक्षा की शुरुआत कठिन हो सकती है, पर सही दृष्टिकोण और नियमित अध्ययन से कठिनाइयां सीखने का अवसर बन जाती हैं। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि छात्रों पर अनावश्यक दबाव न डाले और उन्हें मानसिक रूप से मजबूत बनाने में सहयोग करें। कुलपति डॉ किरन अग्रवाल ने कहा कि इंडक्शन समारोह चिकित्सक बनने की दिशा में पहला महत्वपूर्ण कदम है। वे इस अवसर को जीवन के स्वर्ण अवसर की तरह समझें और पूर्ण समर्पण के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें। विशेष अतिथि बरेली इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी की कुलपति डॉ. लता अग्रवाल ने कहा कि चिकित्सक मरीज के परिवार के लिए आशा का केंद्र होता है। मेडिकल शिक्षा कठिन है, पर इसका परिणाम गर्वपूर्ण होता है। प्रधानाचार्य एवं डीन डॉ (कर्नल) रवीन्द्र नाथ शुक्ला ने कॉलेज के नियम, अनुशासन, सुविधाओं, विभागीय संरचना और क्लिनिकल एक्सपोजर की विस्तृत जानकारी दी। चिकित्सा अधीक्षक डॉ पंडित श्यामराव पवार ने अस्पताल की सेवाओं, मरीजों की देखभाल प्रणाली और विभागीय संरचना के बारे में जानकारी दी। मंच संचालन एनाटॉमी विभाग के प्रोफेसर डॉ प्रसाद के मार्गदर्शन में माइक्रोबायोलॉजी विभाग की शिक्षिका डॉ सौम्या शुक्ला ने किया। इस अवसर पर उप प्राचार्य डॉ संथाना कृष्णन, सभी विभागाध्यक्ष, उप-चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अमित कुमार सिंह, प्रशासनिक अधिकारी ललित कुमार चौहान, फैकल्टी मेंबर्स, मीडिया और मार्केटिंग विभाग के सचिन चौहान, नए विद्यार्थी और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में डॉ (कर्नल) रवीन्द्र नाथ शुक्ला ने सभी अतिथियों और उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

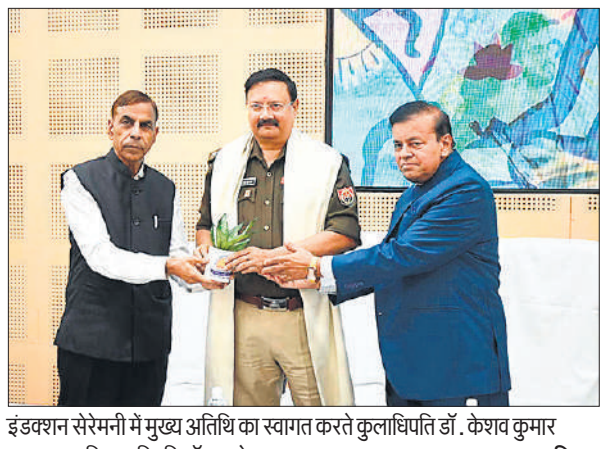

इंडक्शन सेरेमनी में मुख्य अतिथि का स्वागत करते कुलाधिपति डॉ. केशव कुमार अग्रवाल, प्रतिकुलाधिपति डॉ. अशोक कुमार अग्रवाल। ● अमृत विचार

इंडक्शन सेरेमनी कार्यक्रम में हिस्सा लेते विद्यार्थी व अन्य। ● अमृत विचार

● अभिभावकों के लिए रहा भावनात्मक क्षण

हाईकोर्ट ने लगाई सचिव को फटकार

विधि संवाददाता

- शाहजहांपुर के एक जूनियर हाईस्कूल में तैनात है सहायक अध्यापिका
- इलाहाबाद हाईकोर्ट में मामल की अगली सुनवाई 20 को होगी

अमृत विचार: प्रयागराज इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के सचिव के रवैये पर कड़ी नाराज़गी जताते हुए कहा कि कोर्ट के स्पष्ट निर्देश के बावजूद स्तन कैंसर से जूझ रही सहायक अध्यापिका के स्थानांतरण अभ्यावेदन पर प्राधिकारियों ने सहानुभूतिपूर्वक विचार करने के बजाय तकनीकी आधारों का सहारा लेते हुए उसके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया। मामले की अगली सुनवाई आगामी 20 नवंबर को सुनिश्चित की गई है।

कोर्ट के इसे अत्यंत खेदजनक और दुर्भाग्यपूर्ण बताया कि कोर्ट के विशिष्ट निर्देशों के बावजूद याची के मामले के वास्तविक पहलुओं पर विचार नहीं किया गया। कोर्ट ने विभाग के ऐसे उदासीन रवैया पर कड़ा रुख अपनाते हुए सचिव को निर्देश दिया कि वे व्यक्तिगत हलफनामा दाखिल करें या अगली सुनवाई में कोर्ट के समक्ष उपस्थित हों। उक्त आदेश न्यायमूर्ति प्रकाश पाडिया की एकलपीठ ने कल्पना शर्मा की याचिका पर विचार करते हुए पारित किया। दरअसल, याची अगस्त 2015 से शाहजहांपुर के एक जूनियर हाईस्कूल में विज्ञान विषय की सहायक अध्यापिका के रूप में तैनात हैं। वह स्तन कैंसर से पीड़ित हैं। सर्जरी के बाद वर्तमान में गाजियाबाद स्थित मैक्स कैंसर सेंटर में कीमोथेरेपी ले रही हैं। उनका परिवार भी गाजियाबाद में रहता है, जबकि कार्यस्थल लगभग 320 किमी दूर है। उन्होंने प्रतिकूल परिस्थितियों का हवाला देते हुए स्थानांतरण हेतु आवेदन किया था। हाईकोर्ट ने सितंबर, 2023 में प्राधिकारियों को निर्देश दिया था कि वे उनके मामले पर सहानुभूतिपूर्वक निर्णय लें, लेकिन सचिव ने अभ्यावेदन इस आधार पर निरस्त किया कि विद्यालय में दो ही शिक्षक हैं, जबकि 36 विद्यार्थियों की उपस्थिति के कारण तीन शिक्षकों की आवश्यकता होती है। साथ ही, उन्होंने 'पारस्परिक स्थानांतरण' हेतु ऑनलाइन आवेदन करने का सुझाव दिया।

सीएमई कार्यक्रम का किया गया आयोजन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- एकीकृत स्वास्थ्य प्रणाली पर विशेषज्ञों ने रखे विचार
- वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में आयोजित हुआ कार्यक्रम

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज और रोहिलखंड हॉस्पिटल, बंथरा में ''वन नेशन, वन हेल्थ'' विषय पर केंद्रित विशेष कंटीन्यूइंग मेडिकल एजुकेशन (सीएमई) का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कम्युनिटी मेडिसिन विभाग ने प्रोफेसर एवं एचओडी डॉ धर्मेंद्र कुमार गुप्ता के निर्देशन में किया। कार्यक्रम की शुरुआत डीन डॉ. कर्नल आरएन शुक्ला ने की। उन्होंने भारत में बदलते सार्वजनिक स्वास्थ्य पर विस्तृत जानकारी दी और छात्रों को भविष्य की स्वास्थ्य चुनौतियों के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में ईएनटी प्रोफेसर डॉ. पूर्णिमा, आईक्यूएसी प्रमुख डॉ. पीएस पोवार, डिप्टी एमएस डॉ. अमित, हॉस्पिटल प्रशासकीय इंचार्ज ललित और डॉ शिवानी गुप्ता भी मौजूद रहे। सीएमई में प्रमुख मेडिकल विशेषज्ञों ने अकादमिक व्याख्यान दिए जिनमें डॉ वीके अग्रवाल, डीन, राजश्री मेडिकल कॉलेज डॉ साजिद हुसैन, प्रोफेसर एवं हेड, मधुबनी मेडिकल कॉलेज, तथा डॉ मोहम्मद इंतेखाब आलम, प्रोफेसर, वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज शामिल रहे। इन विशेषज्ञों ने सामुदायिक स्वास्थ्य, स्वास्थ्य सेवाओं के एकीकरण और राष्ट्रीय स्वास्थ्य रणनीतियों पर विस्तृत जानकारी देकर प्रतिभागियों की समझ को और व्यापक बनाया। कॉलेज के यूजी विद्यार्थियों ने पोस्टर प्रस्तुति और स्वागत रंगोली बनाकर कार्यक्रम को आकर्षक बनाया, जबकि सरस्वती वंदना के गायन ने आयोजन को और भी प्रेरणादायक बना दिया।

पोस्टग्रेजुएट रेजिडेंट डॉ. अरसलान, डॉ. राघव, डॉ. अनम, डॉ. चरणदीप और डॉ. दानिश के साथ नॉन-पीजी जूनियर रेजिडेंट डॉ अफजल ने भी सक्रिय रूप से सहभागिता की, जिससे अकादमिक चर्चाओं को और गहराई मिली। सीएमई ने फैकल्टी, पीजी और यूजी छात्रों के बीच समन्वय, जागरूकता और सहयोग को मजबूत बनाते हुए "एक देश, एक हेल्थ" की संकल्पना को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सीएमई के उद्घाटन सत्र में उपस्थित अतिथि और प्रतिभागी। ● अमृत विचार

विशेषज्ञों ने दी वैक्सीन के महत्व की जानकारी

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- पोस्टर-मॉडल प्रदर्शनी में वैक्सीनेशन पर दी जानकारी
- फार्मा क्विज़ और व्याख्यान सत्र से छात्रों में बढ़ी जागरूकता

अमृत विचार: वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ़ फ़ार्मेसी में राष्ट्रीय फार्मेसी सप्ताह के उपलक्ष्य में एक भव्य और प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष का थीम फार्मासिस्ट-टीकाकरण के समर्थक रखा गया, जिसका उद्देश्य समाज में वैक्सीनेशन के महत्व को उजागर करना और फार्मासिस्टों की प्रमुख भूमिका को रेखांकित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रधानाचार्य डॉ प्रदीप सिंह के स्वागत भाषण से हुआ।

कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने वैक्सीन के विकास, कार्यप्रणाली, सुरक्षा और समाज में इसके महत्व पर विस्तार से जानकारी दी। विद्यार्थियों ने इसमें कई अहम प्रश्न पूछे। विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर और मॉडल प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई, जिनमें वैक्सीनेशन के महत्व को रचनात्मक और वैज्ञानिक रूप से दर्शाया गया। रंगोली प्रदर्शन ने कार्यक्रम को और आकर्षक बनाया। फार्मा क्विज़ में विद्यार्थियों ने फार्मास्यूटिकल विज्ञान, दवाओं की कार्यप्रणाली और वैक्सीन तकनीक से जुड़े प्रश्नों के उत्तर आत्मविश्वास के साथ दिए। पोस्टर और मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए प्रधानाचार्य और उपप्रधानाचार्य ने सराहना की। कार्यक्रम में पोस्टग्रेजुएट रेजिडेंट डॉ अरसलान, डॉ राघव, डॉ अनम, डॉ चरणदीप, डॉ दानिश—तथा नॉन-पीजी जूनियर रेजिडेंट डॉ अफजल की सक्रिय सहभागिता रही। कार्यक्रम के अंत में प्रधानाचार्य ने सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए। उप प्रधानाचार्य मोहम्मद जुनेद ने कहा कि विद्यार्थियों की सहभागिता और ऊर्जा ने कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में फार्मेसी कॉलेज के शिक्षक—डॉ मानसी अग्रवाल, राजेंद्र गुप्ता, प्रिया उपाध्याय, निशा राजपूत, सुष्मिता सिंह, आयुषी सक्सेना, आकांक्षा, रूबी गंगवार, प्रतिभा सिंह, नागेंद्र सिंह, सुधाकर, अंकित, गौरव, समर, शोभित शर्मा एवं अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे। आर्ट एवं क्राफ्ट प्रतियोगिता में प्रथम स्थान रिशु वर्मा, प्रकाश विश्वास, मोहम्मद फैज और अंकित प्रजापति को मिला। द्वितीय स्थान विनायक, करण कुमार शर्मा, सिद्धांत सिंह और आदित्य वर्मा ने प्राप्त किया। तृतीय स्थान मोहम्मद आकिफ, यासिर खान, मोहम्मद सैफ, अवधेश वर्मा और आर्यवीर को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया। रंगोली प्रतियोगिता में राम श्री, शोभा देवी, हीरा, अंजलि, इकरा और भावना प्रथम रहीं। कार्यक्रम के समापन पर पूरा परिसर उत्साह, ऊर्जा और सकारात्मक माहौल से भर उठा। विद्यार्थियों में स्वास्थ्य जागरूकता और समाज के प्रति अपनी भूमिका को समझने का नया जोश दिखाई दिया।

पोस्टर एवं मॉडल प्रदर्शनी का अवलोकन करते शिक्षक और विद्यार्थी। ● अमृत विचार

ई-लॉटरी से आज कलेक्ट्रेट में होगा किसानों का चयन

शाहजहांपुर, अमृत विचार: प्रदेश शासन के निर्देशों के अनुसार कृषि यंत्रीकरण योजना में अनुदान पाने वाले कृषकों के चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। जनपद स्तरीय कार्यकारी समिति के गठन के बाद अब कृषि यंत्रों की द्वितीय बुकिंग वाले कृषकों का चयन ई-लॉटरी से किया जाएगा। कृषि निदेशालय पत्र के अनुसार वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रमोशन ऑफ एग्रीकल्चर मिकेनाइज़ेशन फार इन सीड मैनेजमेंट ऑफ क्रॉप रिजेज एवं सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर मिकेनाइज़ेशन योजनांतर्गत सेकेंड बुकिंग 15 अक्टूबर से 26 अक्टूबर 2025 के बीच कराई गई थी। इन बुकिंगों के आधार पर कृषकों के चयन हेतु ई-लॉटरी की तिथि तय कर दी गई है। कलेक्ट्रेट सभागार में 21 नवंबर 2025 को दोपहर 12 बजे ई-लॉटरी संपन्न कराई जाएगी।

पैरामेडिकल छात्रों का भव्य स्वागत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

अमृत विचार: वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में फ्रेशर्स फिएस्टा 2025 का भव्य आयोजन हुआ, जिसमें डीएमएलटी और डीएक्स-रे के नए पैरामेडिकल छात्रों का उत्साहपूर्ण स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के मल्टीपर्पज हॉल में आयोजित यह आयोजन रंगों, उमंग और जोश से भरपूर रहा, जिसने नए छात्रों की शैक्षिक यात्रा को यादगार बना दिया। यह वार्षिक परंपरा नए विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय के शैक्षणिक माहौल और सुसंस्कृत वातावरण से परिचित कराने हेतु आयोजित की जाती है।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन से हुआ। इस दौरान प्रधानाचार्य डॉ राजा चटर्जी, उप प्राचार्य डॉ. नेहा गुप्ता, विभागाध्यक्ष एवं पैरामेडिकल विभाग के शिक्षक मौजूद रहे। सभी ने नवागंतुकों का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। डॉ राजा चटर्जी ने कहा कि शिक्षा केवल पुस्तकीय ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य उत्कृष्ट, सहानुभूतिपूर्ण और जिम्मेदार हेल्थकेयर प्रोफेशनल तैयार करना है। उप प्राचार्य डॉ नेहा गुप्ता ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने और अवसरों का लाभ उठाने की सलाह दी। फिएस्टा में वरिष्ठ और नव छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गीत, हास्य नाट्य और आत्म-परिचय प्रस्तुत कर माहौल को उत्साहपूर्ण बना दिया। रैंप वॉक में छात्रों ने व्यक्तित्व और आत्मविश्वास का प्रभावी प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण मिस्टर फ्रेशर और मिस फ्रेशर का चयन रहा, जिसमें रितिक कुमार को मिस्टर फ्रेशर और शिखा को मिस फ्रेशर का ताज पहनाया गया। दोनों ने अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ छात्र किशन मोहन ने सभी अतिथियों, शिक्षकों, आयोजकों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

फ्रेशर्स फिएस्टा में केक काटते छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

- वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में फ्रेशर्स फिएस्टा 2025 का भव्य आयोजन हुआ
- डीएमएलटी-डीएक्स-रे बैच 2025 ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीता दिल
- मिस्टर-मिस फ्रेशर का चयन कर किया गया सम्मानित

एफआरके की कमी से राइस मिलें हो रहीं ठप

तिलहर, अमृत विचार: उत्तर प्रदेश में सीएमआर (कस्टम मिलिंग ऑफ राइस) का कार्य इस बार गंभीर अव्यवस्थाओं का शिकार हो गया है। यूपी राइस मिलर्स एसोसिएशन ने आयुक्त, खाद एवं रसद विभाग को पत्र भेजकर पोर्टल सम्बद्धीकरण की गड़बड़ी और एफआरके (फोर्टिफाइड राइस कर्नेल) की भारी कमी पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

प्रदेश सचिव पंकज गुप्ता के अनुसार धान खरीद शुरू हुए डेढ़ माह से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन पोर्टल पर राइस मिलों का धान क्रय केन्द्रों से सही तरीके से सम्बद्धीकरण नहीं हो पा रहा है। बताया गया कि तीन बार प्रक्रियाएं कराने के बाद भी कई 56 टन क्षमता वाली मिलों को मात्र 1 से 3 केन्द्र ही आवंटित हुए हैं, जबकि इसी क्षमता की अन्य मिलों को 14 से 16 केन्द्र तक दे दिए गए हैं। इस असमान आवंटन से मिलों का कामकाज बुरी तरह प्रभावित है। एसोसिएशन ने एफआरके की भारी कमी पर भी चिंता जताई। प्रदेश में केवल 16 अधिकृत एफआरके सप्लायर होने के कारण पिछले वर्ष सप्लाई संकट बना था और इस बार स्थिति और खराब हो चुकी है। सप्लायर ऑर्डर मिलते ही अग्रिम भुगतान मांग रहे हैं और सप्लाई 20 से 30 दिन में मिल रही है। वहीं मिलों को यह भी स्पष्ट नहीं है कि उन्हें धान कुटाई के लिए कितनी मात्रा उपलब्ध होगी। ऐसे में अधिक एफआरके खरीदने पर उसके खराब होने का जोखिम बढ़ रहा है।

- सीएमआर कार्य अव्यवस्था में, मिलर्स ने जताया विरोध

शिक्षक संघ की संघर्ष समिति ने बीईओ को सौंपा ज्ञापन

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- सेवा नियमावली के विपरीत टीईटी लागू करने पर आक्रोश, पांच दिसंबर को धरना की चेतावनी
- बीआरसी में समस्याओं के निस्तारण, बैठने की व्यवस्था और व्यवहार सुधार की मांग

अमृत विचार: उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की भावलखेड़ा इकाई ने बुधवार को ब्लाक संसाधन केंद्र भावलखेड़ा पर बैठक कर खंड शिक्षा अधिकारी विनय मिश्रा को छह सूत्री मांग पत्र सौंपा। संघ ने शिक्षकों की लंबित समस्याओं के त्वरित समाधान की मांग करते हुए विकास खंड स्तर पर संघर्ष समिति का पुनः गठन किया। बैठक की अध्यक्षता ब्लाक अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने की।

बैठक में शिक्षकों ने सेवा नियमावली के विपरीत टीईटी लागू करने पर तीखा आक्रोश व्यक्त किया और पांच दिसंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले धरना-प्रदर्शन में शत प्रतिशत उपस्थिति की अपील की। संघ ने बताया कि 29000 और 72825 भर्ती सहित कई शिक्षकों के चयन वेतनमान महानिदेशक विद्यालय शिक्षा के निर्देशों के अनुरूप अभी तक स्वीकृत नहीं हो सके हैं। अतः ऐसे सभी प्रकरणों को प्राथमिकता से निस्तारित किए जाने की मांग की गई।

संघ ने यह भी कहा कि विद्यालय समय समाप्त होने के बाद शिक्षक बीआरसी कार्यालय अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु पहुंचते हैं, किंतु प्रार्थना पत्रों को लेने में टाल-मटोल की शिकायतें लगातार आ रही हैं। निरीक्षण के दौरान विषम परिस्थितियों में 10 मिनट की देरी पर शिक्षकों को अनुपस्थिति की श्रेणी में रखने पर संघ ने आपत्ति जताई। साथ ही कार्यालयीन स्टाफ द्वारा शिक्षकों के साथ शालीन व मर्यादित व्यवहार सुनिश्चित करने की मांग उठाई।

खंड शिक्षा अधिकारी को मांग पत्र सौंपते प्राथमिक शिक्षक संघ पदाधिकारी।

समिति का हुआ पुनर्गठन

बैठक में ब्लाक संघर्ष समिति का पुनः गठन किया गया। इसमें समिति अध्यक्ष सचिन अवस्थी, मंत्री अरविंद त्रिपाठी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष पुनीत मिश्रा, संयुक्त मंत्री नवनीत मिश्र, उपाध्यक्ष नागेंद्र राज पाठक एवं दिनेश आनंद को मनोनीत किया गया। सभी का फूलमाला पहनाकर स्वागत किया गया। बैठक में जिला प्रचार मंत्री विनायक मिश्रा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष उत्तम कुमार, संजय त्रिपाठी, डॉ विमलेश त्रिपाठी, डॉ मयंक भूषण पांडेय, कवित कुमार, शुभम शुक्ला, वारिस अली, अखिलेश कुमार, राजीव भारती, विश्वास त्रिपाठी, सुरेश कुमार, पुनीत दीक्षित, नरमन कुमार, विजय त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

जीडी गोयनका में आधुनिक स्पोर्ट्स क्लब का उद्घाटन

स्पोर्ट्स क्लब का उद्घाटन करते हुए एसपी राजेश द्विवेदी। ● अमृत विचार

- वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज में फ्रेशर्स फिएस्टा 2025 का भव्य आयोजन हुआ
- डीएमएलटी-डीएक्स-रे बैच 2025 ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से जीता दिल
- मिस्टर-मिस फ्रेशर का चयन कर किया गया सम्मानित

शाहजहांपुर, अमृत विचार: जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल में स्पोर्ट्स क्लब का उद्घाटन एसपी राजेश द्विवेदी ने फीता काटकर किया। इस अत्याधुनिक क्लब में पिकलबॉल कोर्ट, वॉलीबॉल कोर्ट, बास्केटबॉल कोर्ट, टर्फ ग्राउंड एवं बॉक्स क्रिकेट एरिया जैसी उत्कृष्ट सुविधाएं तैयार की गईं। इस दौरान स्कूल के चेयरमैन विनोद गुप्ता व सभी ट्रस्टीगण अभिषेक गुप्ता, अंकित गुप्ता, अभिनव गुप्ता, प्राचार्या कल्पना सिंह की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्राचार्या ने बताया कि स्पोर्ट्स क्लब में सभी के लिए पंजीकरण आज से प्रारंभ कर दिया गया है।

न्यूज ब्रीफ

औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में आज लगेगा रोजगार मेला

बदायूं, अमृत विचार : राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 21 नवंबर को सुबह 9 बजे रोजगार मेला का आयोजन किया जाएगा। जिसमें पंतनगर के वी गार्ड कन्जूमर प्रोडक्ट लिमिटेड व लूमाक्स इंडस्ट्रीज कंपनी और रुद्रपुर के टीवीएस श्रीचक्रार लिमिटेड के प्रतिनिधि आएंगे। रोजगार मेला में आईटीआई पास सभी व्यवसाय, 10वीं व 12वीं पास, कौशल विकास के 18 से 30 साल के अभ्यर्थी प्रतिभाग कर सकते हैं। अभ्यर्थी अपने रिज्यूम और सभी प्रमाण पत्र की मूल प्रति व फोटो स्टेट के साथ आएंगे। कंपनी की ओर से चयनित होने के बाद 12 से 17 हजार रुपये मानदेय दिया जाएगा।

गन्ना पेराई सत्र का किया आरंभ

बदायूं, अमृत विचार : बिसौली की यदु शुगर मिल ने गन्ना एकत्र कर देर रात मिल के गन्ना पेराई सत्र का आरंभ कर दिया। मिल प्रशासन ने पहले मिल परिसर में हवन पूजन किया इसके बाद गन्ना किसानों का गन्ना खरीदा गया। देर शाम तक गन्ना एकत्र किया गया। इसके बाद देर रात को मिल का पेराई सत्र शुरू कर दिया गया।

कछला हाल्ट के पास मिला युवक का शव

उझानी, अमृत विचार : कोतवाली उझानी क्षेत्र के कछला हाल्ट और कछला ब्रिज के बीच लगभग 40 साल के युवक का शव पड़ा मिला। सूचना मिलने पर कछला चौकी पुलिस पहुंची। पहचान का प्रयास किया लेकिन युवक के बारे में पता नहीं चल सका। शव को मोर्चरी में रखवाया गया है। ट्रेन से गिरने से मौत की आशंका जताई जा रही है।

चीनी मिल में मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर मजदूरों ने की हड़ताल

दिन भर नहीं किया काम, जीएम के समझाने पर छह घंटे बाद काम पर लौटे मजदूर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- मिल प्रशासन से 10 हजार 200 रुपये दिया जाता है मानदेय

अमृत विचार : शेखूपुर चीनी मिल में शुक्रवार को गन्ना पेराई सत्र आरंभ होने वाला है। पेराई सत्र शुरू होने से पहले ही दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों ने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर काम बंद कर दिया। हड़ताल पर बैठे मजदूरों ने कहा कि जब तक उनका मानदेय नहीं बढ़ाया जाएगा वह लोग काम पर नहीं लौटेंगे। हड़ताल शुरू होने से मिल प्रशासन के हाथ पैर फूल गए। मिल प्रशासन ने मजदूरों को किसी तरी समझा कर शांत किया उसके छह घंटे बाद मजदूर काम पर लौटे।

सहकारी चीनी मिल शेखूपुर में कर्मचारियों का अभाव है। मिल में दैनिक भोगी कर्मचारी काम कर रहे हैं। इन कर्मचारियों को मिल प्रशासन की ओर से 10 हजार 200 रुपये मानदेय दिया जाता है। करीब दो दशक से यह मजदूर इसी मानदेय पर काम कर रहे हैं। अब चीनी मिल का 21 नवम्बर से गन्ना पेराई सत्र शुरू होना है। मिल प्रशासन शुक्रवार को हवन पूजन कर पेराई सत्र शुरू करने की तैयारी कर रहा है। पेराई सत्र शुरू होने से एक दिन पहले ही दैनिक वेतनभोगी मजदूरों ने मानदेय बढ़ाने की मांग को लेकर सुबह 9 बजे काम बंद कर दिया।

मिल परिसर में नारेबाजी करते हुए हड़ताल पर बैठ गए। मजदूरों ने कहा कि वह लोग दो दशक से काम कर रहे हैं। उनका मानदेय नहीं बढ़ाया गया है। जिससे उनके परिवारों का भरण पोषण नहीं हो पा रहा है। मजदूरों ने मांग की कि उनके 11 हजार रुपये प्रतिमाह दे दिए जाएं जिससे उनके परिवारों की रोजी रोटी चल सके। मजदूरों ने हड़ताल कर नारेबाजी शुरू कर दी। जिससे मिल प्रशासन के हाथ पैर फूल गण। मिल प्रशासन की ओर से कुछ आश्वासन भी दिया गया मगर मजदूरों ने कोई बात नहीं सुनी। वह लोग हंगामा करते हुए मानदेय बढ़ाने की मांग पर अड़ गए।

मजदूरों की नारेबाजी के बाद मिल परिसर में खलबली मच गई। कुछ देर बाद महाप्रबंधक मनी अरोड़ा मौके पर पहुंच गईं। उन्होने मजदूरों को समझाया कि वह इस मामले में जिला प्रशासन से बात करेंगी। उनके हाथ में कुछ नहीं है। यदि ऊपर से कुछ आश्वासन मिलता है तो मानदेय बढ़ाया जा सकता है। लेकिन मजदूर नहीं माने। महाप्रबंधक ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वह लोग काम पर नहीं लौटेंगे तो उनके खिलाफ कार्रवई की जाएगी और नए मजदूर काम पर लगाए जाएंगे।

इसके बाद मजदूरों ने हड़ताल खत्म कर दी और छह घंटे के बाद मजदूर काम पर लौट गए। मजदूरों के काम शुरू करने के बाद मिल प्रशासन ने राहत की सांस ली।

चीनी मिल में पेराई सत्र का आरंभ आज

शेखूपुर चीनी मिल का गन्ना पेराई सत्र शुक्रवार से शुरू हो रहा है। सबसे पहले मिल परिसर में हवन पूजन किया जाएगा उसके बाद वायलर को चालू किया जाएगा और गन्ना पेराई शुरू हो जाएगी। मिल प्रशासन ने पेराई सत्र शुरू करने की सभी तैयारियां कर ली हैं। हवन पूजन में जिला प्रशासन के अधिकारी और गन्ना किसान मौजू रहेंगे। जनरल मैनेजर मनी अरोरा ने ने बताया कि इस बार मिल में गन्ना पेराई अनवरत की जाएगी। किसान गन्ना लेकर आ रहे हैं। पेराई सत्र के प्रथम दिन आने वाले किसानो को मिल प्रशासन की ओर से सम्मानित किया जाएगा।

अवैध मिट्टी खनन में डंपर और जेसीबी सीज

बदायूं, अमृत विचार : खान अधिकारी गुलशन कुमार ने अपनी टीम के साथ आसफपुर क्षेत्र में बुधवार को चेकिंग की थी। चेकिंग के दौरान खान अधिकारी ने मिट्टी खनन में लिप्त एक डंपर और जेसीबी पकड़ लिया। वाहनों को सीज करते फैजगंज थाने में खड़ा करा दिया। मिट्टी खनन में लिप्त एक और डंपर को उसका चालक भगा ले जाने में कामयाब रहा। बताया जा रहा है पकड़ा गया डंपर चंदौसी निवासी एक व्यक्ति और जेसीबी एक जिला पंचायत सदस्य की है। गुरुवार को जिला पंचायत सदस्य और डंपर का स्वामी खान अधिकारी के कार्यालय में जमे रहे। मिट्टी खनन में लिप्त यह लोग खान अधिकारी से वाहनों को छोड़ने का दबाव बनाते रहे। लेकिन खान अधिकारी ने वाहनों को छोड़ने से इंकार कर दिया। मिट्टी खनन करने वालों पर एक लाख से अधिक का जुर्माना लगाया है। खान अधिकारी गुलशन कुमार ने बताया कि वाहनों को सीज कर दिया है। जुर्माना वसूला जा रहा है।

दिव्यांगजनों ने मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

बदायूं, अमृत विचार : राष्ट्रीय विकलांग पार्टी की मासिक बैठक गुरुवार को मालवीय आवास गृह पर संपन्न हुई। इसमें दिव्यांगजनों ने विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट सुरेश पाल सिंह को सौंपा।

जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह का कहना था कि दिव्यांगजनों पर लगातार अत्याचार किया जा रहा है। सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं का लाभ दिव्यांगजनों को नहीं मिल पा रहा है। दिव्यांगजनों की समस्याओं का समाधान प्रशासन द्वारा नहीं किया जा रहा है। मांग करते हुए किा दिव्यांगजनों की पेंशन एक हजार से बढ़ाकर 6000 रुपये प्रतिमाह किया जाए। जिन दिव्यांगों के अंत्योदय राशन कार्ड नहीं बने हैं, उनका सर्वे कर कार्ड बनाए जाएं। बिजली कनेक्शन और बिजली बिल मुफ्त किए जाएं। इस मौके पर राजेश बागरे, अमित कुमार, सतपाल, श्याम पाल, रवि शर्मा, ललित कुमार, राम रतन आदि उपस्थित रहे।

19वीं राष्ट्रीय जंबूरी लखनऊ को 97 स्काउट-गाइड रवाना

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : भारत स्काउट और गाइड संस्था की ओर से लखनऊ के डिफेंस एक्सपो ग्राउंड वृंदावन में आयोजित होने वाली 19वीं राष्ट्रीय ग्रैंड डायमंड जुबली जंबूरी के लिए स्काउट-गाइड रवाना हो गए हैं। जंबूरी 23 से 29 नवंबर तक आयोजित होगी। इसमें 25 से ज्यादा विदेशी स्काउट-गाइड के साथ जिले स्काउट गाइड एडवेंचर, पीजेंड शो, वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोग्राम, प्रदर्शनी, फ्रूट प्लाजा के अलावा मार्च पास्ट और विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करेंगे।

स्काउट संस्था के प्रादेशिक वरिष्ठ उपाध्यक्ष व जिला मुख्यायुक्त अधिवक्ता महेश चंद्र सक्सेना ने हरी झंडी दिखाकर 97 स्काउट-गाइड को जंबूरी के लिए रवाना किया। उन्होंने बताया कि जंबूरी का आरंभ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और समापन राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू करेंगी। डीटीसी सत्यपाल गुप्ता के नेतृत्व में 83 स्काउट, 6 गाइड और यूनिट लीडर कुंवरसेन, उमेश चन्द्र, चन्द्र मोहन, कैलाश चंद्र, आशुतोष शर्मा, श्रेष्ठ जीत शाक्य, आशुतोष कुमार, जंबूरी के लिए रवाना हुए हैं।

जिला संगठन कमिश्नर मोहम्मद असरार, पूर्व जिला ट्रेनिंग कमिश्नर संजीव कुमार शर्मा, नंदराम शाक्य, मनोज कुमार सिंह, कंचन सक्सेना, अनिल कुमार यादव, प्रेमपाल सिंह, निखिल चौहान, सुषमा चौहान, नेत्रपाल आदि मौजूद रहे।

बस को झंडी दिखाते महेश चंद्र सक्सेना।

- लखनऊ में 23 से 29 नवंबर तक आयोजित की जाएगी जंबूरी

क्रय केंद्र पर भाकियू ने गन्ना खरीद का किया विरोध

धरने पर बैठे भाकियू असली अराजनैतिक के कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता, कुंवरगांव

- बिसौली शुगर मिल ने नहीं किया बकाया भुगतान
- भुगतान न करने पर किसानों ने आंदोलन करने की दी चेतावनी

अमृत विचार : बिसौली शुगर मिल द्वारा बकाया भुगतान न करने पर पर आक्रोशित गन्ना किसानों ने क्रय केंद्र पर गन्ना तौल का विरोध करते हुए भाकियू के नेतृत्व में प्रदर्शन किया। साथ ही पांच दिन में भुगतान न करने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है।

बिसौली चीनी मिल पर गन्ना किसानों का करोड़ों रुपया बकाया है। अब चीनी मिल पेराई सत्र शुरू करने जा रहा है। इसलिए भारतीय किसान यूनियन असली अराजनैतिक ने गुरुवार को कुनार गांव के गन्ना क्रय केंद्र पर धरना प्रदर्शन किया। जिला अध्यक्ष केपीएस राठौर ने कहा कि मिल द्वारा किसानों का भुगतान नहीं करने से किसान परेशान हैं।

बच्चों की पढ़ाई लिखाई, दवा आदि घरेलू खर्चों को लेकर किसान परेशान है। चीनी मिल करोड़ो रूपया दवए बैठी है। कहा कि यदि पांच दिन में भुगतान नहीं किया गया तो किसान उग्र आंदोलन करने को बाध्य होंगे। इस मौके पर हरवंश पटेल, आर्येंद्र पटेल, नरेंद्र सिंह आदि किसान मौजूद रहे।

एनाटॉमी विभाग को पीजी की तीन सीटें

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : राजकीय मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग को तीन पोस्ट ग्रेजुएट (पीजी) सीटें प्राप्त हुई हैं। गुरुवार को राजकीय मेडिकल कॉलेज परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि एनाटॉमी विभाग को पीजी सीटें मिलना न केवल कॉलेज के लिए सम्मान की बात है बल्कि यह साबित करता है कि जीएमसी की शैक्षणिक गुणवत्ता लगातार मजबूत हो रही है।

बताया कि कॉलेज प्रशासन ने बुनियादी ढांचे, फैकल्टी सशक्तिकरण, लैब सुविधाओं और अकादमिक मानकों को बेहतर बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं, जिसके सकारात्मक परिणाम अब सामने आ रहे हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. मुकत्याज हुसैन ने कहा कि यह सफलता मेडिकल कॉलेज परिवार के लिए गर्व का विषय है।

बताया कि पी.जी. सीटें मिलने से न केवल शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ेगी बल्कि विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय तकनीकी, प्रायोगिक और शोध आधारित प्रशिक्षण प्राप्त होगा। कॉलेज के संकाय सदस्यों और प्रशासन ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि पर खुशी व्यक्त करते हुए भविष्य में और अधिक विभागों के लिए पीजी सीटें प्राप्त करने का संकल्प लिया।

कैडवेर ओथ टेकिंग सेरेमनी का किया आयोजन

एनाटॉमी विभाग में कैडवेर सेरेमनी का आयोजन किया गया। यह समारोह मेडिकल शिक्षा में मानव शरीर रचना विज्ञान के अध्ययन के लिए महत्वपूर्ण योगदान देने वाले देहदान कविताओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने के उद्देश्य से आयोजित किया। संचालन डॉ. मुकत्याज हुसैन ने कैडवेर के प्रति सम्मान एवं उपयोगिता के बारे में विस्तार से बताया। प्राचार्य डॉ. अरूण कुमार ने देहदान के महत्व पर कहा कि कैडवेर के माध्यम से मेडिकल छात्र-छात्राओं को वास्तविक शरीर रचना का ज्ञान प्राप्त होता है, जो उन्हें बेहतर चिकित्सक बनने में सहायता करता है। विशेष अतिथि योग शिक्षक गिरीधारी सिंह राठौर ने छात्र-छात्राओं को देहदान के बारे में बताया कि वो राजकीय मेडिकल कालेज में अपनी बॉडी दान करने का संकल्प ले चुके हैं और उनके इस कार्य से प्रभावित होकर 12 अन्य व्यक्तियों ने राजकीय मेडिकल कालेज में देहदान करने का संकल्प पत्र भरा है।

- राजकीय मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग को मिली बड़ी उपलब्धि

पोषाहार न बांटने पर महिला समूह को हटाया

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : आंगनबाड़ी केंद्रों पर पंजीकृत गर्भवती महिलाओं में ड्राई राशन का वितरण नहीं हो रहा था। नामित महिला समूह की सदस्य वितरण नहीं कर रही थी। शिकायत सही पाए जाने पर बीडीओ ने ड्राई फूड वितरण काम नामित समूह की सदस्य से हटाकर दूसरे समूह की सदस्य महिला को सौंपा है।

सालारपुर ब्लॉक के गांव डाकिया में गर्भवती महिलाओं में ड्राई राशन फूड वितरण का काम संतोषी माता स्वयं सहायता समूह की सदस्य नीतू सिंह को मिला हुआ था। उसके द्वारा ड्राई राशन का वितरण न किए जाने की शिकायत पर बीडीओ नितिन कुमार जांच के लिए गांव में पहुंचे थे। जांच के लिए गांव में पहुंचे बीडीओ को गर्भवती महिलाओं से ड्राई राशन वितरण के बारे में जानकारी ली। महिलाओं ने बीडीओ को बताया कि उन्हें राशन प्राप्त नहीं होता है। इस पर खंड विकास अधिकारी ने संतोषी माता स्वयं सहायता समूह से ड्राई फूड राशन वितरण का काम हटाकर कृष्णा स्वयं सहायता समूह दे दी। साथ ही दो दिन के अंदर वितरण कराने के आदेश भी उनके द्वारा दिए गए। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी में ने बताया कि नामित समूह की सदस्य महिला द्वारा ड्राई फूड राशन का वितरण नहीं किया जा रहा था। उस महिला से ड्राई फूड राशन वितरण का काम हटा दिया है। दूसरे समूह को नामित किया है।

कानूनी सहायता लेने के लिए किया प्रेरित

बदायूं, अमृत विचार : राजकीय महिला महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ व आईक्यूएसी की ओर से मिशन शक्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि होप यूनिटी हेल्पिंग वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. कृष्णा सिंह ने महिलाओं पर हो रही हिंसा की शिकायत के लिए हेल्पलाइन नंबरों के बारे में बताते हुए कानूनी सहायता लेने को प्रेरित किया। महिला कल्याण विभाग की प्रीति चौहान, प्राचार्य डॉ. वंदना, सरिता गौतम, प्रभारी डॉ. भावना मौजूद रहीं।

एसआईआर प्रक्रिया पर किया विचार विमर्श

बदायूं, अमृत विचार : गुरुवार को कबूलपुरा स्थित कैंप कार्यालय पर ओमकार सिंह ने एसआईआर प्रक्रिया को लेकर विचार विमर्श किया गया।

इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को दिशा निर्देश देते हुए कहा कि आम जनों को एसआईआर फॉर्म भरें की जानकारी दें। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग बीजेपी और पीएम मोदी के लिए काम कर रहा है। चुनाव आयोग की नियत लोकतंत्र और विपक्षी दलों को खत्म करने की है। कहा कि कांग्रेस वास्तविक मतदाताओं को हटाने या फर्जी मतदाताओं को शामिल करने के हर प्रयास का पर्दाफाश करेगी। इस अवसर पर मुव्वासिर अली, श्याम सिंह, राजेन्द्र, रफत अली खान, चमन आदि कांग्रेस जन मौजूद रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी हाईस्कूल परीक्षा का प्रमाण पत्र सन् 2016 जिसका अनुक्रमांक 1010172 वास्तव में कहीं खो गया है। काफी तलाशने के बाद अभी तक नहीं मिला। **शिवम पुत्र प्रेमशंकर निवासी ग्राम रतनपुर परगना व तहसील बिसौली जिला बदायूं**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि दिनांक 19.11.2025 को घर से कचहरी फोटो स्टेट कराने जाते समय मेरी बी.कॉम की डिग्री रास्ते में कहीं गिर गई है जो तलाश करने के बाद भी नहीं मिली है। **शिल्पी गुप्ता पुत्री राजीव कुमार गुप्ता पत्नी श्री मयंक गुप्ता निवासी 5/116 सिविल लाइन्स, चौपुला, बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल
पता : सेक्टर-7, राम गंगा नगर योजना, डोहरा रोड, बरेली
द्वारा आयोजित
निःशुल्क भगन्दर, बवासीर/पाइल्स, नासूर, मस्से, PNS का चिकित्सा शिविर
धागा विधि (क्षारसूत्र) द्वारा भगन्दर, बवासीर/पाइल्स, नासूर, मस्से PNS आदि का सफल इलाज
परीक्षण, उपचार एवं ऑपरेशन अनुभवी चिकित्सकों द्वारा किया जाता है।
यदि आप निम्न लक्षणों से पीड़ित है तो एक बार अवश्य डोहरा रोड स्थित रोहिलखण्ड आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज एण्ड हॉस्पिटल में दिखायें।
● शौच के समय मल द्वार से खून आना (बवासीर/मस्से/Piles)
● गुदामार्ग के पास फोड़ा होना, मवाद (पस) आना (नासूर/भगन्दर)
● कब्ज़ की शिकायत रहना
● शौच के समय दर्द एवं जलन रहना
● बच्चों के मलद्वार से खून आना, दर्द होना, कब्ज़ की शिकायत होना
शिविर में आये हुये मरीजों की निःशुल्क शुगर की जाँच
निःशुल्क परामर्श
● धागा विधि (क्षारसूत्र) द्वारा भगन्दर, बवासीर, PNS का सफल इलाज
● आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित ऑपरेशन थियेटर
शिविर का स्थान
किरण हेल्थ केयर, सरकारी अस्पताल के गेट पर, नियम जगतपुर पुलिस चौकी, बरेली
दिनांक : 22-11-2025, शनिवार, समय प्रातः 10:00 बजे से दोपहर 01:00 बजे तक
शिविर का लाभ लेने के लिए निम्न नम्बर पर फोन करके रजिस्ट्रेशन करवायें
मो. 8077808309
नियमित सेवायें : क्षारसूत्र चिकित्सा की क्षारसूत्र विशेषज्ञों द्वारा चिकित्सा कमरा नं0 10

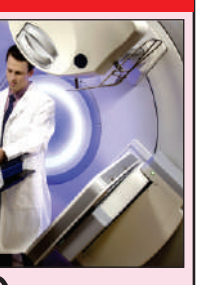

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड अस्पताल
N.H.-30, बंथरा, शाहजहाँपुर, उत्तर प्रदेश
Radiation Oncology Department
Cancer Facilities (कैंसर उपचार एवं सुविधाएं)
कैंसर की सटीक जाँच (Accurate Diagnosis)
नवीनतम तकनीक द्वारा कैंसर की प्रारंभिक एवं सटीक पहचान की सुविधा
● बायोप्सी
● रेडियो इमेजिंग (CT, MRI)
● ब्लड मार्कर जाँच
कीमोथेरेपी (Chemotherapy)
● सभी प्रकार के कैंसर की कीमीथेरेपी द्वारा उपचार की पूर्ण व्यवस्था
कैंसर की पूर्ण देखभाल (Comprehensive Cancer Care)
● कैंसर रोगियों के लिए पोषण, काउंसलिंग एवं पुर्नवास सहायता
● व्यक्तिगत (Individualised) उपचार योजना
रेडिएशन ऑन्कोलॉजिस्ट परामर्श उपलब्ध
● कैंसर के हर चरण के लिए सही मार्गदर्शन व उपचार योजना उपलब्ध।
(प्रतिदिन ओ.पी.डी. कमरा नं. 171 में प्रातः 9:00 से सायं 4:00 बजे तक)
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें :- 7521001988, 7521001989

वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
विशाल चिकित्सा शिविर
हड्डी रोग विभाग | स्त्री रोग विभाग | बाल रोग विभाग
शल्य रोग (सर्जरी) विभाग | मेडिसिन विभाग | चेस्ट एवं टी.बी. विभाग
नेत्र रोग विभाग | मानसिक रोग विभाग | चर्म रोग विभाग | नाक, कान, गला रोग विभाग
यह सुविधा 10 नवम्बर 2025 से प्रारंभ
समस्त रोगों के इलाज की उच्च स्तरीय सुविधाएं
रजिस्ट्रेशन शुल्क मात्र 50/- रुपये
डॉक्टर द्वारा परामर्श मुफ्त
भर्ती एवं पलंग मुफ्त
मुफ्त सामान्य ऑपरेशन (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
नार्मल व सिजेरियन डिलीवरी मुफ्त (दवाओं का खर्च अतिरिक्त)
भर्ती मरीजों का एक्स-रे मुफ्त
भर्ती मरीजों की सामान्य जांचें मुफ्त
भर्ती मरीजों का अल्ट्रासाउंड मुफ्त
भर्ती मरीजों का एमआरआई ब्रेन- रु. 2000/- एमआरआई स्पाईन- रु. 3000/- सीटी हेड- रु. 800/-
भर्ती मरीजों की दवाईयां भारी छूट पर
70 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों के लिए मुफ्त आयुष्मान कार्ड बनवाने एवं मुफ्त उपचार की सुविधा।
(आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों के लिए निःशुल्क कार्ड एवं निःशुल्क चिकित्सा की सुविधा उपलब्ध)
परिवार स्वास्थ्य कार्ड की सुविधा मात्र 200 रुपए में 1 वर्ष के लिए उपलब्ध।
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखंड अस्पताल
NH-30, बन्थरा, शाहजहाँपुर, उ.प्र.-242307
मो.नं : 05842-297260, 05842-297360, 7521001988, 7521001989

आध्यात्मिक व एकता की भूमि

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

बरेली: नाथ नगरी

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

नाथ कॉरिडोर से पर्यटन नक्शे पर बरेली को मिलेगी आध्यात्मिक नगरी की पहचान

जहां अलख निरंजन की गूंज आज भी सुनाई देती है

- बरेली का नाम लेते ही बहुतों के मन में सबसे पहले "नाथ नगरी" की छवि उभरती है। कहा जाता है कि इस नगर की आत्मा शिव में बसती है। यहाँ की हवा में भभूती की महक है, और गलियों में हरदम किसी योगी के कदमों की आहट सुनाई देती है। वैदिक काल से चली आ रही परपंरा अलखनाथ मंदिर इसकी गवाही दे रहा है। बरेली का अलखनाथ मंदिर केवल एक ऐतिहासिक धरोहर नहीं, बल्कि वैदिक युग की आस्था, योग-परंपरा और नागा साधुओं की साधना-भूमि का जीवंत प्रतीक है। मान्यता है कि यह 6500 वर्ष पुराना है। यदि इसे 6500 वर्ष पुराना माना जाए, तो यह काल लगभग 4475 ईसा पूर्व या विक्रम संवत 4532 के आसपास आता है। यह वही समय था जब प्रारंभिक वैदिक सभ्यता (सप्तसिंधु क्षेत्र) में यज्ञ, वेद पाठ और शिव-अग्नि-सूर्य उपासना का आरंभिक रूप प्रचलित था। उस युग में पूजा के केंद्र प्रकृति आधारित होते थे यानि बरगद, पीपल और यज्ञ कुंड के रूप में। अलखनाथ मंदिर का प्रमुख प्रतीक बड़ (बरगद) के नीचे स्थित शिवलिंग इसी वैदिक परंपरा की निरंतरता का संकेत देता है। इससे यह स्थल वैदिक युग की प्राकृतिक देव-उपासना परंपरा और आधुनिक मंदिर पूजा प्रणाली के बीच एक सेतु प्रतीत होता है।
- बरेली के पुराने हिस्से में जब आप अलखनाथ या त्रिवतीनाथ मंदिर की ओर बढ़ते हैं, तो लगता है मानो किसी सुरंग में प्रवेश कर रहे हैं जहाँ शोर नहीं, केवल अलख निरंजन की अनुगूंज है।
- अलखनाथ मंदिर — जिसे बरेली का आध्यात्मिक केंद्र कहा जाता है — नाथ संप्रदाय का सबसे प्रमुख स्थान है। इसका नाम ही बताता है कि यहाँ अलख निरंजन की उपासना होती है, यानी उस परम सत्ता की, जिसे देखा नहीं जा सकता पर महसूस किया जा सकता है।

अलखनाथ मंदिर का इतिहास: साधना की अनंत परंपरा

अलखनाथ मंदिर बरेली शहर के हृदय में स्थित है। मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही सबसे पहले विशाल नंदी की मूर्ति दिखाई देती है। चारों ओर साधुओं के छोटे-छोटे कुटीर हैं, जिनमें वर्षों से तप कर रहे नागा बाबा, सिद्ध योगी और गृहस्थ भक्त रहते हैं। मंदिर की दीवारों पर समय की परतें जमी हैं — जिनमें भक्ति, साधना और तप की कहानियाँ लिखी हैं। लोककथाओं के अनुसार, गुरु गोरखनाथ के शिष्य अलखनाथ ने यहाँ साधना की थी। उनके नाम पर ही यह स्थान प्रसिद्ध हुआ। हर वर्ष चैत्र मास में लगने वाला अलखनाथ मेला केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आस्था और लोकसंस्कृति का उत्सव बन चुका है। नागा साधु यहाँ अपने अखाड़ों के साथ पहुँचते हैं, भभूती रमाते हैं और अलख पुकारते हैं अलख निरंजन

- महंत कालू गिरी कहते हैं कि यह स्थान केवल शिवभक्तों का नहीं, बल्कि हर उस व्यक्ति का है जो सत्य की तलाश में है। यही कारण है कि यहाँ हिंदू, मुस्लिम, सिख, जैन — सभी श्रद्धालु बिना भेदभाव के दर्शन करने आते हैं। बताते हैं कि आनंद अखाड़े के अध्यक्ष गुरुदेव देवगिरी, धर्मगिरी, बालकगिरी की समाधि भी मंदिर में ही है।

अलखनाथ मंदिर की सज्जा

मंदिर की वास्तुकला मंदिर पारंपरिक और आधुनिक वास्तुकला शैलियों का मिश्रण दर्शाता है। इसमें जटिल नक्काशी, सुंदर कलाकृति और एक विशाल प्रांगण है। गर्भगृह में मुख्य देवता, भगवान शिव, एक शिवलिंग के रूप में स्थित हैं। मंदिर महत्वपूर्ण हिंदू त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में भक्तों को आकर्षित करता है। खासकर श्रावण महीने (जुलाई-अगस्त) के दौरान जब भक्त प्रार्थना करते हैं और विशेष अनुष्ठान करते हैं। महाशिवरात्रि, सावन सोमवार और कार्तिक पूर्णिमा कुछ प्रमुख अवसर हैं जिन्हें मंदिर में भक्ति और उत्साह के साथ मनाया जाता है।

तपेश्वर नाथ मंदिर

- तपेश्वरनाथ मंदिर के पुजारी बिशन महाराज बताते हैं कि यह मंदिर साधु संतो की तपस्थली रहा है। यहां पहले वन हुआ करता था। इसी के पास रामगंगा नदी बहती थी। वन में एक बाबा ने कठोर तपस्या की थी। इसके अलावा हिमालय से लौटते समय महर्षि के शिष्य ने यहां सैकड़ो वर्ष तप किया। उनकी तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव यहां स्वयं विराजमान हुए। तभी से इसका नाम तपेश्वर नाथ पड़ा। महाराज बताते हैं कि यह सिद्धपीठ मंदिर है।

मढ़ीनाथ

मढ़ीनाथ मंदिर शिवभक्तों के प्राचीन और अत्यंत आस्थावान धामों में गिना जाता है। यह स्थान अपनी शक्ति, सिद्धि और शांत आध्यात्मिक ऊर्जा के लिए प्रसिद्ध है। माना जाता है कि मढ़ीनाथ की भूमि सदियों से साधकों, संतों और श्रद्धालुओं की पूजा–साधना का केंद्र रही है।मढ़ीनाथ मंदिर को कई स्थानीय ग्रंथों और लोककथाओं में बहुत प्राचीन शिव-पर्वत स्थल बताया गया है।इसकी स्थापना का काल सटीक रूप से प्रमाणित नहीं है, लेकिन परंपरा के अनुसार यह स्थान कई सौ वर्षों से शिवभक्ति का प्रमुख केंद्र है। मढ़ीनाथ क्षेत्र में पहले तपस्वी साधु ध्यान और तपस्या करते थे। इन्हीं साधकों की साधना शक्ति से यहाँ शिव की चेतना प्रकट होने की मान्यता है। स्वयंभूत ऊर्जा का स्थानमढ़ीनाथ को "सिद्ध पीठ" भी कहा जाता है, क्योंकि यहाँ की ऊर्जा साधारण मंदिरों से अधिक प्रबल मानी जाती है। यहाँ रूद्राभिषेक और महामृत्युंजय जाप अत्यंत फलदायी माने जाते हैं।सावन, महाशिवरात्रि और सोमवार को यहाँ भक्तों की भारी भीड़ रहती है।

कई परिवारों में किसी भी नए काम की शुरुआत से पहले मढ़ीनाथ के दर्शन की परंपरा है।

मढ़ीनाथ से कई रोचक कथाए जुड़ी हैं—

- कहा जाता है किसी समय यहाँ एक संत ने कठिन तपस्या की थी। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव शक्ति ने यहाँ स्वयंभू स्वरूप में प्रकट होने का वरदान दिया।
- एक अन्य कथा में माना जाता है कि मढ़ीनाथ महादेव नजर दोष, संकट और खतरों को दूर करते हैं। इसी कारण कई लोग यहाँ विशेष पूजा कराते हैं।
- मढ़ीनाथ केवल पूजा का स्थान नहीं बल्कि स्थानीय समाज का सांस्कृतिक केंद्र भी है।
- मढ़ीनाथ मंदिर बरेली की आध्यात्मिक विरासत का महत्वपूर्ण अंग है।

पशुपति नाथ मंदिर

- यह सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण शिव मंदिरों में से एक है। इसकी स्थापना 2001 में पीलीभीत बाईपास के पास की गई थी और इसे नेपाल के प्रसिद्ध पशुपतिनाथ मंदिर की तर्ज पर बनाया गया है यह मंदिर व्यापारी जगमोहन सिंह के मन में आए विचार से अस्तित्व में आया, जो स्वयं नेपाल के पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए जाया करते थे। उन्होंने 2001 में बरेली में इस मंदिर की स्थापना कराई। मंदिर का नाम जगमोहन नाथ के नाम से भी जाना जाता है। यहां के प्रमुख शिवलिंग के चारों ओर 108 शिवलिंग स्थापित किए गए हैं, जो भगवान शिव के 108 नामों को समर्पित हैं। मंदिर की स्थापना में जगतगुरु शंकराचार्य स्वरूपानंद सरस्वती जी भी शामिल हुए थे धार्मिक महत्व यहां पंचमुखी शिवलिंग स्थापित किया गया है, जो नेपाल मंदिर की विशेषता भी है। मंदिर में 108 छोटे शिवलिंग भगवान शिव के विभिन्न नामों के प्रतीक हैं और इन पर जल अर्पित करने से भक्तों को मानसिक शांति प्राप्त होती है। सावन महीना विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं, जिसमें हजारों श्रद्धालु पूजा-अर्चना और दर्शन के लिए आते हैं। ऐसी मान्यता है कि यहां के सरोवर में मछलियों को भोजन देने वाले भक्तों की मनोकामनाएं पशुपतिनाथ जरूर पूरी करते हैं

विशेषताएं

- मंदिर का परिसर एक सुंदर सरोवर और पर्यटन स्थल के रूप में भी जाना जाता है, जिसमें मछलियां, बत्तख और रामेश्वरम के रामसेतु से लाए गए तैरते पत्थर आकर्षण के केन्द्र हैं । परिसर में कैलाश पर्वत की झांकी, भैरव मंदिर, रुद्राक्ष और चंदन के वृक्ष भी हैं
- परिसर में रोजाना भव्य शिव श्रृंगार और आरती होती है।यहां आने वाले भक्तों का विश्वास है कि सच्चे मन से भगवान शिव की पूजा करने पर उनकी हर मनोकामना पूरी होती है।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत बरेली शहर की चारों दिशाओं की मुख्य सड़कों पर कॉरिडोर को दर्शाते हुए भव्य द्वार बनाए गए हैं। कॉरिडोर बनने से बरेली शहर के नाथ मंदिरों के साथ ही हर बरेलियंस को नई पहचान मिलेगी। पर्यटकों की आवाजाही बढ़ने से होटल इंडस्ट्री से लेकर तमाम वर्गों को प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिलेगा। रोजगार के भी साधन बढ़ेंगे। इसके साथ नाथनगरी में सभ्यता की 5000 साल पुरानी गाथा भी शहर में गूंजेगी। शहर में बनाई जा रहीं 19 फोकस वॉल पर भित्ति कला प्रदर्शित होगी। इससे बरेली सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी भी बनेगी।

बरेली शहर के धोपेश्वरनाथ मंदिर, पशुपतिनाथ मंदिर, वनखंडीनाथ मंदिर, अलखनाथ मंदिर, तपेश्वरनाथ मंदिर, त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर ब्लॉक के अहिच्छत्र क्षेत्र में श्रद्धालुओं को हर वो सुविधाएं दी जाएं, जिनसे पर्यटक आकर्षित हों, इसको ध्यान में रखते हुए नाथ कॉरिडोर की रूपरेखा तैयार की गई। नाथ मंदिरों की भव्यता और पौराणिक इतिहास को दर्शाते हुए पर्यटकों को इस ओर आकर्षित करने के लिए पर्यटन विभाग ने कार्ययोजना तैयार की। नाथ कॉरिडोर को राज्य सरकार ने 2023 में मंजूरी दी थी। इसके बाद बीडीए से प्रपोजल मांगा गया। जून, 2023 में बीडीए ने 70 पेज की डीपीआर बनाकर शासन को भेजी। अब करीब 231 करोड़ रुपये से नाथ कॉरिडोर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8 .36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11 .50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9 .71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

भित्ति कला से बरेली बनेगी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक नगरी

बरेली : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की महत्वाकांक्षी परियोजना से नाथ नगरी बरेली अब सांस्कृतिक-आध्यात्मिक कला के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित होने जा रही है। शहर के प्रमुख चौराहों, मार्गों, धार्मिक स्थलों और सरकारी परिसरों में 19 भव्य फोकस वॉल का निर्माण होगा। भित्ति वॉल पर भारत की प्राचीन सभ्यता, नाथ परंपरा, महाभारतकालीन इतिहास और स्थानीय सांस्कृतिक और आध्यात्मिक धरोहरों का संगम का शानदार प्रदर्शन होगा। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार के अनुसार मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप युवाओं को भारत के गौरवशाली अतीत, प्राचीन और समृद्धशाली संस्कृति से परिचय करायेगी। युवाओं और पर्यटकों को बरेली के 5000 वर्ष पुराने इतिहास और आध्यात्मिक विरासत से जोड़ने का माध्यम बनेगी। फोकस वॉल का विचार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस परिकल्पना से प्रेरित है, जिसमें उत्तर प्रदेश की सभ्यता को ग्लोबल टूरिज्म मॉडल से जोड़कर रोजगार, पर्यटन और सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को बढ़ाना शामिल है। इन फोकस वॉल पर बनने वाले भित्ति-चित्र अजंता-एलोरा की शैली पर आधारित होंगे। इन चित्रों में भगवान शिव के त्रिशूल और डमरू, नाथ योगियों के प्रतीक, देवी-देवताओं की आकृतियां, बरेली की आध्यात्मिक पहचान, महाभारतकालीन नगर की विरासत और स्थानीय लोककला को जीवंत कलात्मक स्वरूप दिया जाएगा। पर्यटन विभाग ने सर्वे करने के बाद ऐसे स्थानों को चुना है। जहां से सबसे ज्यादा पर्यटक और राहगीर गुजरते हैं। इस परियोजना पर कुल 621.33 लाख रुपये (लगभग 6 करोड़ 21 लाख 33 हजार रुपये) खर्च किए जाएंगे। क्षेत्रीय पर्यटन अधिकारी रविंद्र कुमार ने कहा कि बरेली केवल झुमके तक ही सीमित नहीं है। यह योगियों, सिद्ध—नाथों, ऋषि-मुनियों और प्राचीन सभ्यता का नगर है। फोकस वॉल आने वाली पीढ़ियों को बरेली की असली आत्मा से परिचित कराएगी। यह न सिर्फ शहर के सौंदर्यीकरण की योजना है, बल्कि बरेली के सांस्कृतिक पुनरुद्धार और पर्यटन अर्थव्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है।

सातों नाथ मंदिरों का नाथ सर्किट बनाने का उद्देश्य

- एक नाथ मंदिर से दूसरे नाथ मंदिर तक यात्रा को आसान बनाने और पूरे सर्किट में सुरक्षित और उचित सुविधाएं प्रदान करने का प्रस्ताव नाथ सर्किट में शामिल किया हैं। इसमें कनेक्टिविटी और सुगमता में सुधार के लिए आईपीटी और अन्य सार्वजनिक परिवहन जोड़े गए हैं। मंदिरों तक पैदल आवागमन को सुगम बनाने के लिए चौड़ी सड़कों पर फुटओवर ब्रिज बनेंगे। आगंतुकों के लिए पार्किंग क्षेत्र होगा। पहचान में सुधार के लिए संकेतों और अन्य दृश्य चिह्नों का उपयोग होगा। नाथ नगरी सर्किट की पहचान सभी नाथ मंदिरों के जुड़ाव को ध्यान में रखकर की गई है।

प्रत्येक नाथ मंदिर में इतनी सुविधाएं होंगी - प्रवेश मार्ग, आंतरिक सड़क विकास, फुटपाथ, स्टॉल, स्ट्रीट लाइटिंग, साइनेज, कूड़ेदान, स्ट्रीट फर्नीचर, भूनिर्माण, भूमिगत संग्रहालय भवन, पार्किंग, पर्यटक सुविधाएं, खोया-पाया सुविधा, प्राथमिक चिकित्सा, पुलिस बूथ, पेयजल, सूचना कियोस्क।

6.21 करोड़ से शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनेगी

नाथ कॉरिडोर के तहत शहर में 19 स्थानों पर फोकस वाल बनाने की योजना है। 6 .21 करोड़ रुपये से कार्य कराए जाएंगे। फोकस वाल का आठ स्थानों पर निर्माण शुरू करा दिया गया है। इसमें पेंटिंग, डिजाइन और पौराणिक कलाकृतियों को दीवार पर उकेरा जाएगा। मनोहर भूषण इंटर कॉलेज ग्राउंड, एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय, सुरेश शर्मा नगर चौराहा, डीडी पुरम पार्क, नियर स्टेडियम, कुदेशिया अंडरपास, बीसलपुर चौराहा, विकास भवन चौराहा, आयुक्त कार्यालय, उद्योग विभाग कार्यालय, त्रिवटी नाथ मंदिर मैकेनियर रोड, 100 फुटा तिराहा आदिनाथ चौक, इन्वर्टिस तिराहा बड़ा बाइपास, रेलवे स्टेशन, मिनी बाइपास इज्जतनगर रेलवे स्टेशन, झुमका तिराहा, और पर्यटन कार्यालय रोहिला होटल वॉल।

नाथ कॉरिडोर के मंदिरों की दूरी

- धोपेश्वरनाथ से पशुपति नाथ मंदिर-8 .2 किमी
- पशुपतिनाथ मंदिर से बनखंडी नाथ-3 .0 किमी
- वनखंडीनाथ मंदिर से त्रिवटीनाथ मंदिर-7 .0 किलोमीटर
- त्रिवटीनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3 .2 किलोमीटर
- अलखनाथ मंदिर से मढ़ीनाथ मंदिर-3 .5 किलोमीटर
- मढ़ीनाथ मंदिर से तपेश्वरनाथ मंदिर-2 .5 किलोमीटर
- तपेश्वरनाथ मंदिर से धोपेश्वरनाथ मंदिर-5 .8 किलोमीटर

त्रिवटी नाथ मंदिर के पुजारी रवीन्द्र शर्मा बताते हैं 1476 विक्रम संवत में जंगल में चरवाह आया वह वट वृक्ष के नीचे सो रहा था। तब बाबा ने उसे जगाया और अपने यहां होने की बात कही। चरवाहे ने बाबा के प्रकट होने की बात आसपास के लोगों को बताई। इसके बाद तो यहां जनसैलाब उमड़ पड़ा। खुदाई के बाद यहां शिवलिंग प्रकट हुआ। जैसे जैसे सभ्यता और संस्कृति का प्रचार हुआ। उसका बढ़ना शुरु हुआ त्यों त्यों मंदिर का स्वरूप भी बढ़ता गया। इस समय मंदिर में पुरातन सिद्धहस्त शिवलिंग है ही साथ ही मंदिर के स्वरूप को भव्यता प्रदान करने वाले भोलेशंकर के तांबे की भव्य आकृतियां भी है। जो यहां आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का मन मोह लेती हैं। प्रदेश सरकार ने बरेली को नाथ नगरी के रूप में विकसित किया है। यह पुरातन मंदिर भी नाथनगरी कॉरीडोर का हिस्सा है और यहां कारीडोर के तहत निर्माण कार्य चल रहा है।

अलखनाथ मंदिर के महंत और आनंद अखाड़े के सचिव कालू गिरी बताते हैं कि यह मंदिर मुगलों के समय का है। मुगलों ने भी कई बार यहां हिन्दू मंदिरों के प्रति अपनी दुर्भावना का प्रदर्शन किया लेकिन सफल नहीं हो पाए। वे बताते हैं कि मुगलों के बाद राजा महाराजा आए। उनके समय भी यहां रहने वाले बाबा अलख जगाते थे। राजा महाराजा यह सेवा देखते आ रहे थे। तब बाबा ने राजाओं से जमीन देने को कहा तो राजा ने जमीन दान दी थी। वे बताते हैं कि सनातन तो मानता ही रहा है साथ ही नवाबों अंग्रेजों ने भी नागाओं के प्रभाव को माना है। नाथ संप्रदाय की जड़ें बरेली में बहुत गहरी हैं।

काशी और अयोध्या की तर्ज पर बरेली के सात नाथ मंदिरों को पर्यटन के नक्शे पर पहचान दिलाने के लिए नाथ कॉरिडोर का निर्माण तेजी से कराया जा रहा है। त्रिवटीनाथ मंदिर व मढ़ीनाथ मंदिर के साथ रामनगर के निर्माण कार्यों को कराया जा रहा है। कॉरिडोर के अंतर्गत सात नाथ मंदिरों को आने-जाने वाली सड़कों के निर्माण की जिम्मेदारी पीडब्ल्यूडी को मिली है। करीब 36 करोड़ से सड़कें बनेंगी। वहीं, बाबा वनखंडी नाथ मंदिर में करीब पांच करोड़ रुपये, तपेश्वरनाथ मंदिर में 8 .36 करोड़ रुपये, धोपेश्वरनाथ मंदिर में करीब 7 करोड़ रुपये, अलखनाथ मंदिर में करीब 11 .50 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। नाथ कॉरिडोर के अंतर्गत तुलसी मठ में करीब 9 .71 करोड़ रुपये से कार्य होंगे। मठ का प्रवेश द्वार बनेगा। स्टोर, भंडार गृह, धर्मशाला बनेगी। वैदिक लाइब्रेरी सहित अन्य कार्य होंगे।

सिख धर्म की सेवा और भक्ति

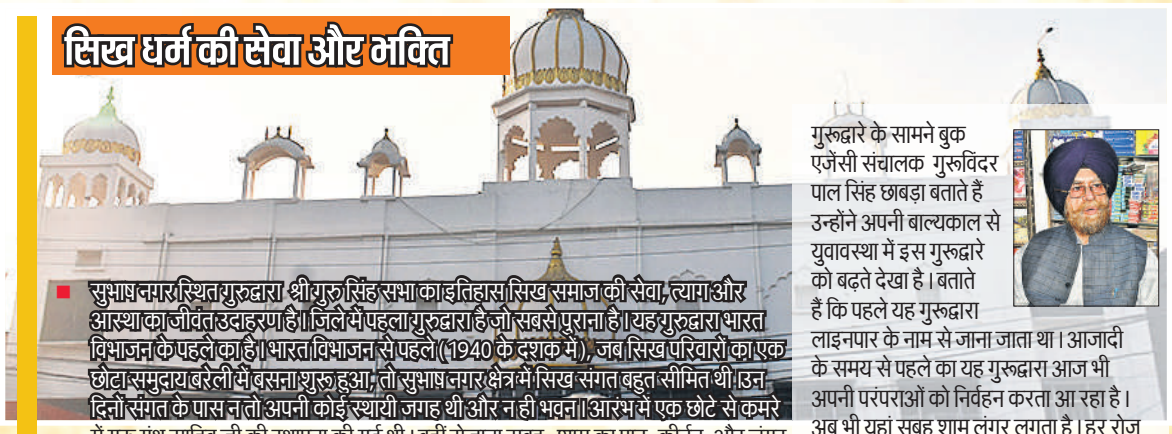

- सुभाष नगर स्थित गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा का इतिहास सिख समाज की सेवा, त्याग और आस्था का जीवंत उदाहरण है। जिले में पहला गुरुद्वारा है जो सबसे पुराना है। यह गुरुद्वारा भारत विभाजन के पहले का है। भारत विभाजन से पहले (1940 के दशक में), जब सिख परिवारों का एक छोटा समुदाय बरेली में बसना शुरू हुआ, तो सुभाष नगर क्षेत्र में सिख संगत बहुत सीमित थी।उन दिनों संगत के पास न तो अपनी कोई स्थायी जगह थी और न ही भवन। आरंभ में एक छोटे से कमरे में गुरु ग्रंथ साहिब जी की स्थापना की गई थी। वहीं रोज़ाना सुबह-शाम का पाठ, कीर्तन, और लंगर सेवा शुरू हुई। यह छोटा-सा कमरा ही गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह साहिब लाइन पार का बीज साबित हुआ। समय के साथ जब सिख परिवारों की संख्या बढ़ी, तो संगत ने मिलकर गुरुद्वारा का विस्तार करने का निश्चय किया।
- 1950—60 के दशक में स्थानीय संगत के सहयोग और चंदे से पक्का भवन बनाया गया। धीरे-धीरे इसमें दीवान हॉल, लंगर हॉल, और संगत के ठहरने हेतु कमरों का निर्माण हुआ। नवनिर्माण के साथ गुरुद्वारे में गुरु नानक जयंती, वैशाखी, और अन्य प्रमुख गुरपुरब बड़ी श्रद्धा से मनाए जाने लगे। अब सुभाष नगर का यह गुरुद्वारा एक बृहद परिसर में विकसित हो चुका है। इसमें शानदार दीवान हॉल, आधुनिक लंगर हॉल, सेवादार आवास, और सिख इतिहास पर आधारित चित्र सजावट शामिल हैं। प्रतिदिन सुबह-शाम दीवान, कीर्तन दरबार, और निशुल्क लंगर सेवा जारी रहती है।

गुरूद्वारे के सामने बुक एजेंसी संचालक गुरूविंदर पाल सिंह छाबड़ा बताते हैं उन्होंने अपनी बाल्यकाल से युवावस्था में इस गुरूद्वारे को बढ़ते देखा है। बताते हैं कि पहले यह गुरूद्वारा लाइनपार के नाम से जाना जाता था। आजादी के समय से पहले का यह गुरूद्वारा आज भी अपनी परंपराओं को निर्वहन करता आ रहा है। अब भी यहां सुबह शाम लंगर लगता है। हर रोज शाम को तमाम फकीर गुरूद्वारे के लंगर के ही भरोसे जीवन यापन कर रहे हैं। स्टेशन के पास होने के कारण यहां यात्री भी आकर ठहरते हैं। यह निशुल्क सेवा है। एक कमरे से गुरूद्वारे का सफर हुआ था। अब यहां दस कमरे हैं। बड़े हाल हैं। यहां गुरूनानक के जन्मदिन पर प्रकाशपर्व का नगर कीर्तन इसी गुरुद्वारे से निकलता आ रहा है। वे बताते हैं कि गुरूद्वारे में हर धर्म के लोग आते हैं। यहां कोई भेदभाव नहीं है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

शहर में नाथ योगियों से लेकर सूफी संतों तक को एक साथ स्थान दिया। यही वजह है कि इसे आज भी नाथ नगरी कहा जाता है, तो वहीं "आला हजरत की नगरी" के रूप में भी इसकी पहचान है। दो नाम, दो परंपराएँ पर एक ही आत्मा, जो इंसानियत और आस्था को जोड़ती है। यहाँ की गलियाँ धर्मों के इतिहास की जीवंत गवाही देती हैं। अलखनाथ मंदिर के आसपास की गलियों में आज भी नागा साधुओं के डेरों की गंध आती है। त्रिवतीनाथ मंदिर की घंटियाँ उसी श्रद्धा से बजती हैं, जैसे सैकड़ों साल पहले बजती थीं। वहीं, नौमहला की पत्थर जड़ी गलियों से होकर गुजरने वाला हर शख्स आला हजरत की दरगाह की तरफ सिर झुकाए निकलता है। उस गली के कोनों पर बैठा कोई दुकानदार अगर "जय भोले" कह दे तो सामने वाला "सलाम वालेकुम" के साथ मुस्कुरा देता है यही है बरेली की पहचान। इतिहास के पन्ने बताते हैं कि 1657 में मुगल शासन के दौरान बरेली को आधिकारिक रूप से बसाया गया। लेकिन इस नगर की आत्मा इससे भी पुरानी है। स्थानीय किंवदंतियाँ बताती हैं कि यह क्षेत्र "महा योगी गोरखनाथ" की तपोभूमि था, जहाँ से नाथ परंपरा का एक प्रमुख केंद्र विकसित हुआ। गोरखनाथ संप्रदाय के अनुयायी आज भी बरेली को "उत्तर भारत की योग नगरी" कहते हैं। मुगल काल में जब सूफी संत हज़रत शाह शरीफ और फिर इमाम अहमद रज़ा खान आला हजरत इस भूमि पर आए, तो इस शहर में आध्यात्मिकता का एक नया स्वर जुड़ गया। उनके अदब, इल्म और इंसानियत ने न सिर्फ मुसलमानों, बल्कि हर मजहब के लोगों के दिल में जगह बनाई। यही वह दौर था जब बरेली ने हिंदू-मुस्लिम एकता की ऐसी मिसाल पेश की, जो आज भी कायम है। बरेली के इतिहास की एक और खासियत है , यहाँ धर्म ने कभी राजनीति का रूप नहीं लिया। चाहे अंग्रेज़ों का दौर रहा हो या स्वतंत्रता संग्राम का समय, बरेली की धार्मिक संस्थाएँ हमेशा समाज के निर्माण में लगी रहीं। मंदिरों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा को आगे बढ़ाया, तो दरगाहों ने सामाजिक न्याय और बराबरी का संदेश दिया। यही कारण है कि यहाँ की मिट्टी हर इंसान को अपनाने का माद्दा रखती है।आज जब कोई यात्री बरेली जंक्शन पर उतरता है, तो उसके स्वागत में दो प्रतीक खड़े दिखाई देते हैं ।

शिव की त्रिविध ज्योति का प्रतीक

नाथ परंपरा की दूसरी प्रमुख कड़ी है — त्रिवतीनाथ मंदिर। यह मंदिर भी शिव के त्रिवेणी रूप का प्रतीक माना जाता है — ब्रह्मा, विष्णु और महेश की त्रिविध ज्योति यहाँ एक साथ विराजमान है। मंदिर का स्थापत्य अद्भुत है — ऊँचे शिखर पर लगा स्वर्ण कलश दूर से ही श्रद्धा जगाता है। सावन के महीने में जब कांवड़िए यहाँ गंगाजल चढ़ाने आते हैं, तो पूरा बरेली शहर भक्ति में डूब जाता है।

यहाँ कोई एक दिन भी ऐसा नहीं जाता जब 'हर हर महादेव' की आवाज़ न गूंजे। भक्त सुबह से ही शिवलिंग पर बेलपत्र, दूध और जल चढ़ाने आते हैं। यह मंदिर बरेली का आध्यात्मिक नाड़ी बिंदु है।" त्रिवतीनाथ मंदिर का परिसर केवल पूजा स्थल नहीं, बल्कि समाज सेवा का केंद्र भी है। मंदिर के ट्रस्ट द्वारा निशुल्क भोजन, चिकित्सा शिविर और गौसेवा के कार्य नियमित रूप से किए जाते हैं। मंदिर के बगल में स्थित सरोवर में हर अमावस्या को हजारों श्रद्धालु स्नान करते हैं। यह वही सरोवर है जहाँ कभी योगी अपने ध्यान की शुरुआत करते थे।

धोपेश्वरनाथ

- पांडवकालीन यह मंदिर सिद्धपीठ मंदिर है। यहां द्रोपदी के गुरु धूम्र ऋषि ने तपस्या की। उनके तप से प्रसन्न होकर शिव ने वरदान मांगने को कहा तो ऋषि ने जनता की मंगल कामना और कल्याण के लिए शिव से यहीं पर लिंग रूप में रहने का वरदान मांगा। वरदान स्वरूप शिव यहीं स्थापित हो गये। नाथ मंदिर में यह ऐसा मंदिर है जिसे अर्धनारीश्वर का रूप भी कहा जाता है। मंदिर के महंत घनश्याम जी बताते हैं ग्रामीण क्षेत्रों में धोपा मंदिर को अर्धनारीश्वर का रूप भी माना जाता है। इसका प्रमाण आज भी प्रचलित है। इसी मंदिर में भादों माह में आखिरी के दो गुरुवार को मेला आज भी लगता है। यह मेला धोपा मइया के नाम से प्रचलित है। जब आवागमन के साधन नहीं थे तो लोग एक दिन पहले आकर रुकते थे लेकिन अब लोग गुरुवार को आकर धोपा के सरोवर में स्नान करते हैं इससे चर्म रोग ठीक होते हैं। इसके बाद यहां स्थित रायसती मठिया में प्रसाद चढ़ाते हैं। नाथ मंदिरों में यह धोपेश्वर नाथ भी प्रसिद्ध और सिद्ध मंदिर है। यह इशान कोण में स्थित है।

वनखंडीनाथ मंदिर

बरेली की प्राचीन धरती में अनेक ऐतिहासिक, पौराणिक और आध्यात्मिक स्थल बसे हैं, उन्हीं में से एक अत्यंत प्रतिष्ठित शिवधाम है,वनखंडीनाथ मंदिर यह मंदिर बरेली के सबसे पुराने धार्मिक स्थलों में गिना जाता है । वनखंडी क्षेत्र के हृदय में स्थित यह मंदिर स्थानीय लोकपरंपरा, पुरातन आस्था और सदियों से प्रवाहित शिवभक्ति का अद्भुत केंद्र है। कहा जाता है कि जिस स्थान पर यह मंदिर स्थित है, वह क्षेत्र प्राचीन समय में घने वनों से आच्छादित था। तब यह स्थान निर्जन, शांत और वन्य क्षेत्र का हिस्सा था, इसलिए इस स्थान को नाम मिला—"वनखंडीनाथ", अर्थात् वनखंडों में विराजमान भगवान शिव ।वनखंडीनाथ जी का आध्यात्मिक महत्व वनखंडीनाथ मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि शिवभक्ति की जीवंत ऊर्जा का केंद्र है।

रामनगर जैन मंदिर

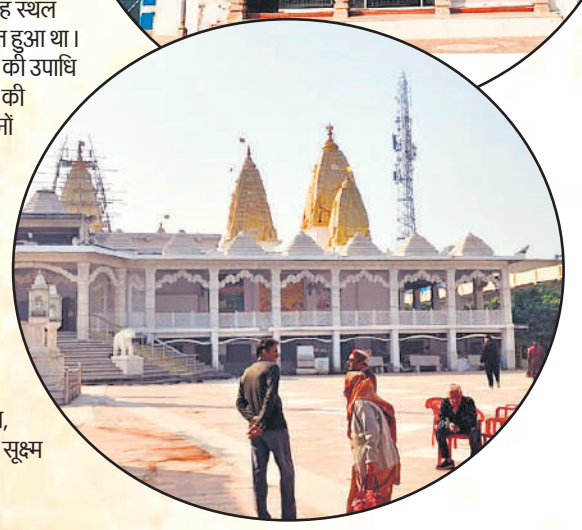

बरेली के आंवला में रामनगर में जैन मंदिर भी विश्व प्रसिद्ध है। रामनगर न केवल प्रदेश बल्कि देशभर के प्रसिद्ध जैन तीर्थों में से एक है। यह तीर्थ अपनी आध्यात्मिक, पौराणिक और ऐतिहासिक महत्ता के कारण देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों को आकर्षित करता है। भगवान पार्श्वनाथ की तपस्या स्थली रामनगर आंवला है। पार्श्वनाथ का जन्म वाराणसी में लेकिन उन्हें ज्ञान रामनगर में प्राप्त हुआ। यही वह स्थल है जहां पार्श्वनाथ को ज्ञान प्राप्त हुआ था। यही पर पार्श्वनाथ को भगवान की उपाधि मिली। यहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा हरित पन्ने की है। विद्वानों का मत है कि यह प्रतिमा देव द्वारा स्थापित की गई है। रामनगर जैन मंदिर की वास्तुकला अत्यंत भव्य और पारंपरिक है। मुख्य मंदिर में भगवान पार्श्वनाथ हरितपन्ने की प्रतिमा विराजमान है, जिसकी मुद्रा अत्यंत शांत और ध्यानमग्न है। मंदिर की दीवारों पर जैन पुराणों के दृश्य, तीर्थंकरों के जीवन प्रसंग और सूक्ष्म नक्काशी देखने योग्य हैं।

अल्लाह की याद और इंसानियत का पैग़ाम साथ

अगर कोई बरेली की आत्मा को महसूस करना चाहता है, तो उसे सिर्फ नाथ मंदिर ही नहीं, बल्कि नौमहला की गलियों तक भी जाना होगा। यह इलाका बरेली की तहज़ीब, आस्था और एकता का सबसे सुंदर प्रतीक है। यहाँ हर दीवार सूफ़ियों, मोहब्बत और इंसानियत की किसी कहानी को बयाँ करती है — बरेली में जैसे शिव के साधकों की परंपरा गहरी है, वैसे ही सूफ़ी संतों की रूहानियत भी हर पत्थर में बसती है। और इसी रूहानियत की सबसे ऊँची चोटी पर है — आला हजरत की दरगाह।

आला हजरत इमाम अहमद रज़ा खान (1856–1921) न केवल बरेली के, बल्कि पूरे इस्लामी जगत के एक महान विद्वान और सूफ़ी संत थे। उन्होंने अपने ज्ञान, तर्क और करुणा से दुनिया को यह दिखाया कि धर्म का असली उद्देश्य नफरत नहीं, बल्कि इंसान को इंसान से जोड़ना है। कहा जाता है कि आला हजरत ने बरेली की मिट्टी को अपनी कलम से अमर बना दिया। उन्होंने फतावा-ए-रज़विया जैसे ग्रंथों के माध्यम से इस्लामी दर्शन को एक नई दृष्टि दी। वे उस दौर में भी धार्मिक कट्टरता के विरोधी थे, जब समाज गुटों में बँट रहा था। अगर कोई व्यक्ति किसी दूसरे धर्म के उपासक को तकलीफ़ देता है, तो वह खुद इस्लाम की शिक्षा के विरुद्ध जाता है। इसी सोच ने बरेली की पहचान धर्म से पहले इंसानियत की बनाई ।

उर्स-ए-रज़वी — आध्यात्मिक मेला और इंसानियत का उत्सव

हर साल रबी-उल-अव्वल महीने में मनाया जाने वाला "उर्स-ए-रज़वी" बरेली का सबसे बड़ा धार्मिक आयोजन है। तीन दिनों तक दरगाह परिसर में आध्यात्मिक वातावरण रहता है। देश-विदेश से आए आलिम, मौलाना और सूफ़ी यहाँ तकरीरें (विचार भाषण) देते हैं।

- दरगाह परिसर के बाहर लगने वाला मेला, जिसमें किताबें, इत्र, तस्बीह और सूफ़ी संगीत की धुनें गूंजती हैं, वह श्रद्धालुओं के लिए किसी उत्सव से कम नहीं।
- हर साल लगभग दस लाख से अधिक लोग इस मौके पर बरेली पहुँचते हैं। रेलवे और नगर प्रशासन विशेष प्रबंध करते हैं। खास बात यह है कि इस दौरान न सिर्फ मुस्लिम, बल्कि हिंदू, सिख और ईसाई समुदाय के लोग भी सेवा में शामिल होते हैं। नगर निगम की टीम से लेकर पुलिस कर्मियों तक सभी इसे "धार्मिक नहीं, मानवीय पर्व" की तरह मानते हैं। सूफ़ी संगीत और रूहानी माहौल
- आला हजरत की दरगाह में शाम के वक्त जब कव्वाली शुरू होती है — "नज़र-ए-मदीना से मंज़र-ए-बरेली तक" तो लगता है जैसे आत्मा और संगीत एकाकार हो गए हों। सूफ़ी गायकों की तान और दुआ की लय वातावरण को भक्ति में डूबो देती है।
- कई प्रसिद्ध कव्वालों जैसे मो. अफज़ल साबरी और शहनवाज़ खान — ने अपनी शुरुआत इसी दरगाह के उर्स मंच से की थी। आज भी दरगाह का कव्वाली मंच नई पीढ़ी के कलाकारों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

आला हजरत का संदेश "इंसानियत सबसे ऊपर"

आला हजरत का दर्शन यह था कि धर्म किसी दीवार का नहीं, बल्कि एक पुल का नाम है। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं जितने सौ साल पहले थे। उन्होंने कहा था "जब तक किसी भूखे को खाना और किसी नंगे को कपड़ा नहीं मिलेगा, तब तक तुम्हारी नमाज़ें भी अधूरी हैं।" बरेली के लोग आज भी इस संदेश को जीते हैं। दरगाह के लंगर में रोज़ाना हज़ारों लोगों को बिना किसी भेदभाव के भोजन कराया जाता है । यहाँ कोई यह नहीं पूछता कि कौन हिंदू है, कौन मुसलमान। सब एक ही कतार में बैठकर खाना खाते हैं, और यही इस शहर की असली ताकत है।

दरगाह आला हजरत : श्रद्धा और शांति का संगम

- दरगाह आला हजरत केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि लाखों श्रद्धालुओं की भावनाओं का केंद्र है। हर साल उर्स-ए-रज़वी" के अवसर पर देश-विदेश से हजारों ज़ायरीन यहां आते हैं। पाकिस्तान, बांग्लादेश, ब्रिटेन और दक्षिण अफ्रीका तक से लोग चादर चढ़ाने आते हैं।
- दरगाह परिसर में प्रवेश करते ही जो सुकून महसूस होता है, वह शब्दों में नहीं बताया जा सकता। चारों ओर कुरआनी आयतें, गुलाब की खुशबू और या रज़ा की पुकार वातावरण को आध्यात्मिक बना देती है।
- यहाँ का मुख्य गुम्बद सफ़ेद संगमरमर का है, जिस पर सुनहरे अक्षरों में लिखा है —रज़ा का शहर बरेली, मुहब्बत की ज़मीन।
- आला हजरत की मज़ार के पास की जाने वाली "सलात-ओ-सलाम" (प्रार्थना) में जो विनम्रता दिखती है, वही इस दरगाह की आत्मा है।
- दरगाह के प्रमुख खादिम मौलाना फ़ैज़ान रज़ा बताते हैं —
- यहाँ हर आने वाला ज़ायरीन सबसे पहले 'सलाम' करता है और फिर दूसरों के लिए दुआ मांगता है। यही सूफ़ियत का असली मतलब है — अपने लिए नहीं, सबके लिए भलाई मांगना।"
- नौमहला — तहज़ीब और एकता की गवाही देने वाला इलाका आला हजरत की दरगाह के आसपास का इलाका "नौमहला कहलाता है। यह नाम मुगलकालीन स्थापत्य से आया है। यहाँ नौ मंज़िलों वाले पुराने महलों के अवशेष कभी मौजूद थे। आज यह इलाका धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से बरेली का हृदय बन चुका है।
- नौमहला की गलियाँ संकरी हैं, लेकिन दिल बहुत बड़े हैं। यहाँ दरगाह के ठीक सामने एक प्राचीन शिव मंदिर भी है, जिसके पुजारी हर साल उर्स के दौरान मुसलमानों को जल पिलाने का "सेवा स्टॉल लगाते हैं। वहीं, दरगाह की ओर से भी सावन में कांवड़ियों को पानी और नींबू-शरबत बाँटा जाता है। यह दृश्य बरेली की "गंगा-जमनी तहज़ीब" का जीवंत उदाहरण है।
- स्थानीय निवासी सलीम बताते हैं , हमारे यहाँ कोई दीवार नहीं जो बांट सके। उर्स में पंडितजी भी आते हैं, और सावन में मौलवी साहब भी कांवड़ियों को आशीर्वाद देते हैं।
- इसी सौहार्द की वजह से नौमहला सिर्फ धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि एक सामाजिक प्रतीक बन चुका है।

ईसाई धर्म की शांति — चर्च और उनके सामाजिक योगदान

बरेली का सीएनआई चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। 1838 में इटालियन डिजाइन से बना इस चर्च में अंग्रेज प्रार्थना करने आते थे। मुगल काल के समय जब रुहेलों और अंग्रेजों की लड़ाई हुई तब रुहेलों ने इसी चर्च पर आक्रमण कर इसे आग के हवाले कर कई अंग्रेजों को मौत के घाट उतारा था। उस समय लगभग 100 से ज्यादा अंग्रेज मारे गये थे। यहां के पुराने पादरियों की कब्र भी इसी चर्च के अंदर है। चर्च जलाने के बाद इसका फिर से पुनर्निर्माण किया गया। 1947 में देश आजाद हुआ तो अंग्रेजों ने कुछ चर्च संस्थाएं भारतीयों के हाथ में दी गई। तब छह ग्रुपों को मिलाकर चर्च आफ नार्थ इंडिया संगठन बनाया गया और उसी के अधीन चलता रहा। फिर विवाद सामने आए तो 1960 से यहां प्रार्थना आराधना बंद हो गई। फिर एक बैपिस्ट चर्च ने सीएनआई चर्च को किराये पर लिया और 1989 से यहां फिर से अराधना और प्रार्थना होने लगी। इस चर्च के पहले पास्टर डा. विलियम सैमुअल बने। मौजूदा समय ऐतिहासिक चर्च के पादरी मेल्विन चार्ल्स हैं।

डा. सैमुअल बताते हैं कि यह चर्च अंग्रेजों के समय का चर्च है। यह एतिहासिक है। इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जा सकता है। डा. विलियम ने बताया कि बरेली का जीरो प्वाइंट भी चर्च को ही माना गया है। कैंट में बिशप के पास स्टीफन चर्च है। बरेली का माइलेज यहीं से नापा जाता है। कुछ लोग कुतुबखाना को जीरो प्वाइंट मानते हैं लेकिन अंग्रेजों के समय का जीरो प्वाइंट सेंटस्टीफन चर्च है। शहर की ऐतिहासिक धरोहरों में एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। 19वीं शताब्दी के मध्य में ब्रिटिश शासन के दौरान निर्मित यह चर्च न केवल ईसाई समुदाय के धार्मिक जीवन का केंद्र रहा है, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विविधता का भी एक सुंदर प्रतीक है। अंग्रेजों द्वारा उत्तर भारत में मिशनरी गतिविधियों के विस्तार के साथ यह चर्च स्थापित हुआ।

इस चर्च की सबसे बड़ी विशेषता इसका वास्तुशिल्प है। गोथिक शैली में निर्मित यह भवन अपनी ऊँची मेहराबों, नुकीले आर्च, पत्थर की पारंपरिक दीवारों और रंगीन काँच की खिड़कियों के कारण दूर से ही पहचान में आ जाता है। चर्च के भीतर लगे स्टेन ग्लास पैनलों पर उत्कीर्ण बाइबिल की कथाएँ न केवल कलात्मक सौंदर्य का अद्भुत उदाहरण हैं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभूति भी कराती हैं।

धार्मिक दृष्टि से यह चर्च सदियों से ईसाई समाज का केंद्र रहा है, जहाँ क्रिसमस, गुड फ्राइडे और ईस्टर जैसे प्रमुख पर्व अत्यंत भव्यता और श्रद्धा से मनाए जाते हैं।

बरेली जैसे बहु-सांस्कृतिक और बहु-धार्मिक शहर में सीएनआई चर्च सौहार्द और सह-अस्तित्व की खूबसूरत मिसाल है। अलखनाथ मंदिर, आला हज़रत दरगाह, जैन तीर्थ, प्राचीन गुरुद्वारों और अन्य धार्मिक स्थलों के साथ यह चर्च बरेली की विविध आध्यात्मिक विरासत को और भी समृद्ध बनाता है। शहर के इतिहास, औपनिवेशिक वास्तुकला और धार्मिक सौहार्द का अध्ययन करने वाले पर्यटकों व शोधकर्ताओं के लिए यह चर्च विशेष आकर्षण का केंद्र है।

समय के साथ बरेली बदलता रहा, पर यह चर्च अपनी गरिमा, शांति और आध्यात्मिक महत्त्व के साथ आज भी उसी तरह खड़ा है। यह केवल ईसाई समुदाय का प्रतीक नहीं, बल्कि बरेली की सांस्कृतिक विरासत और ऐतिहासिक स्मृति का एक जीवंत अध्याय है।

अमृत विचार

शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

सभी जटिल चीजों में अराजकता अंतर्निहित है। दृढ़ता के साथ प्रयास करते रहो।

–महात्मा बुद्ध

सख्त संदेश के निहितार्थ

सुप्रीम कोर्ट का यह कहना कि मामूली फेरबदल करके सरकार हमारे आदेशों को निष्प्रभावी नहीं कर सकती, दरअसल अनुच्छेद 141 के तहत न्यायालय के आदेशों की बाध्यता और शक्ति को पुनः स्थापित करता है। यह निर्णय न केवल न्यायिक स्वतंत्रता बल्कि न्यायिक समीक्षा की संवैधानिक भूमिका को भी मजबूत करता है। सुप्रीम कोर्ट को यह कठोर टिप्पणी इसलिए करनी पड़ी, क्योंकि ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट-2021 में सरकार ने ठीक वही प्रावधान दोबारा शामिल कर दिए थे, जिन्हें शीर्ष अदालत पहले ही खारिज कर चुकी थी। अदालत के अनुसार यह कदम उसकी अधिकारिता को कमजोर करने जैसा था। इसी कारण उसने पुनः स्पष्ट किया कि संविधान के मूल ढांचे के तहत न्यायपालिका की स्वतंत्रता और न्यायिक आदेशों की बाध्यता पर संसद हस्तक्षेप नहीं कर सकती। फैसले में अदालत ने ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स एक्ट 2021 की कई प्रमुख धाराओं को असंवैधानिक घोषित किया। इनमें खासतौर पर ट्रिब्यूनल सदस्यों का कार्यकाल तय करना, न्यूनतम आयु नियत करना एवं सर्च-कम-सेलेक्शन कमेटी की सिफारिशों को बाध्यकारी न मानना था। अदालत को गंभीर आपत्ति इसलिए थी, क्योंकि इन धाराओं में बदलाव न्यायिक निकायों की आज़ादी को प्रभावित कर सकती थीं। कम अवधि का कार्यकाल सदस्यों को कार्यपालिका पर निर्भर बनाता है, न्यूनतम 50 वर्ष की आयु सीमा युवा और योग्य विशेषज्ञों को बाहर करती है और चयन समिति की भूमिका को कमजोर करने से नियुक्तियों में पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। सरकार ने वे प्रावधान पुनः जोड़ दिए थे, जिन्हें 2020 के फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने खारिज किए थे। अदालत द्वारा इसे 'प्रत्यक्ष अवज्ञा' मान कर रद्द कर देना उचित है।

इस फैसले में सकारात्मक पहलू यह है कि अदालत ने ट्रिब्यूनल प्रणाली की स्वतंत्रता और दक्षता को प्राथमिकता दी, यानी वह प्रशासनिक ट्रिब्यूनलों को सरकार के प्रभाव से मुक्त रखना चाहता है, ताकि वे निष्पक्ष न्याय देने में सक्षम रहें। इससे भविष्य में ट्रिब्यूनलों की विश्वसनीयता और कामकाज दोनों बेहतर होंगे। यह फैसला सरकार को स्पष्ट संदेश देता है कि न्यायिक आदेशों का पालन केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि संवैधानिक आवश्यकता है। इससे संसद और न्यायपालिका के बीच संस्थागत संवाद अधिक संतुलित होगा। निस्संदेह सरकार के लिए यह फैसला किसी झटके से कम नहीं, क्योंकि वह जिस संरचना को लागू करना चाहती थी, वह अब न्यायालय द्वारा पूरी तरह अस्वीकार कर दी गई है।

सरकार की प्रतिक्रिया शांत, संयत और संविधानसम्मत होनी चाहिए। उसे अदालत की टिप्पणियों को गंभीरता से लेते हुए ट्रिब्यूनलों के सुधार पर पुनर्विचार करना चाहिए। सरकार का अगला कदम यही होना चाहिए कि वह न्यायपालिका से संवाद कर एक व्यावहारिक, पारदर्शी और संविधान-सम्मत ढांचा तैयार करे। सहयोग और संवैधानिक मर्यादा के साथ ही ट्रिब्यूनल सुधारों का भविष्य सुरक्षित और प्रभावी बन सकता है, संसद और न्यायपालिका के बीच एक न्यायपूर्ण संबंध तथा संतुलन बनेगा।

प्रसंगवश

गौर करें, आपके आसपास कम हो रहे हैं पंछी

कभी मुंडेर पर कांव-कांव करने वाला कव्वा और आंगन में चीचीं करती नन्ही गौरैया कम हो रही है। पेस्टिसाइड और शहरीकरण ने हमारे आसपास के तमाम पंछियों को खत्म कर दिया है। आपको एक घटना बताती हूं। कुछ दिनों पहले मैंने अपने स्कूल में एक कौवा मरा पड़ा देखा। बहुत सामान्य सी बात है। मैंने भी इस बात पर बहुत ध्यान नहीं दिया। अगले दिन स्कूल में तीन कौवे मरे पड़े थे। थोड़ा अजीब लगा। बच्चे आपस में कुछ सुगबुगाहट कर रहे थे। मैंने पूछा, पर कुछ खास जवाब नहीं आया। तीन कौवे स्कूल में मरे पड़े हैं। अब यह बात थोड़ा ध्यान में रुक गई। अगले कुछ दिनों में मरे कौवो की संख्या बढ़ती ही गई।

मैंने कक्षा पांच के कुछ बच्चों से बात की। एक बच्चा प्रिंस बोला, ऐसी बात नहीं है मैडम! मेरे चाचा और पापा रात बात कर रहे थे। मैंने सुना वह लोग कह रहे थे खेतों में दवाई इस बार ज्यादा पड़ गई है। हम सब शांत हो गए। फिर मैंने प्रिंस से पूछा, कैसी दवाई? बच्चों की नादान बुद्धि के उत्तर आप भी सुनिए- खीरे को बड़ा करने की दवाई, कद्दू को जल्दी से फसल पर उतर लेने की दवाई, फसल में कीड़े लग जाने की दवाई। ऐसी बहुत सी दवाइयां मैडम हम डालते हैं। मैंने पूछा, तो कौवे क्यों मर रहे हैं? प्रिंस ने कहा, दवाई ज्यादा डल जाने से जान भी ले सकती है और कौवे मोर और चिड़िया यह सब खेत से सीधे अनाज, फल, सब्जी खाते हैं, तो दवाई से यह सब मर गए।

निवेदिता शर्मा

शिक्षिका

मैं सोच में पड़ गई कि बेजुबान जानवर इन दवाइयों का शिकार होकर मर रहे हैं और हम सबको खबर भी नहीं लग पा रही है। उससे भी बड़ी समस्या यह है कि लोग इस बड़ी समस्या को भी सामान्य मान रहे हैं। उनकी नजर में दवाई डालना एक बहुत ही सामान्य काम है। इस सामान्यीकरण से बच्चों के मानसिक और शारीरिक दोनों किस्म के विकास पर बहुत गहरा प्रभाव पड़ रहा है ।

फसलों को कीट-पतंग, कीड़ों से बचाने के लिए कीटनाशक का प्रयोग किया जाता है। यह कीटनाशक हमारे खाने के सहारे हमारे शरीर में धीरे-धीरे जमा हो जाते हैं और यह हमारे शरीर में जाकर सेंट्रल नर्वस सिस्टम को इफेक्ट करते हैं। डॉक्टरों का कहना है कि लंग कैंसर, ब्लड कैंसर का कारण मुख्य रूप से पेस्टिसाइड्स ही हैं। पेस्टिसाइड्स वे दवाइयां हैं, जिन्हें फसलों में, खेतों में, कीटों चूहों आदि से बचाने के लिए डाला जाता है। जानने की बात यह है कि इन्हें खाकर चूहा या कीट भागते नहीं है बल्कि मर जाते हैं।

जरा सोचिए जब यही दवाई हमारे शरीर में जाती है तो कुछ तो असर करती ही होगी न। पेस्टिसाइड्स का प्रयोग हरित क्रांति के समय हुआ। उपज को बढ़ाने और मुनाफा कमाने के लक्ष्य ने इसे बढ़ावा दिया। पेस्टिसाइड्स प्रयोग करने की मात्रा, समय, सभी कुछ अच्छे से निर्देशित होने के बावजूद लाभ कमाने के लालच, जागरूकता की कमी की वजह से किसानों ने ताबड़तोड़ मात्रा में कीटनाशक का प्रयोग किया है।

केरल के कासर कोड की घटना की तरफ सबका ध्यान जाना जरूरी है। एक पेस्टिसाइड का स्प्रिंग काजू की खेती पर 25 साल तक लगातार उपयोग किया गया। डॉ. मोहन कुमार, कासर कोड में डॉक्टर के रूप में आए। उन्होंने देखा कि अधिकतर घरों में बच्चे न्यूरो प्रॉब्लम्स कैंसर, क्रॉनिक प्रॉब्लम्स से संबंधित बीमारियों से लंबे समय से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपनी रिसर्च में पाया कि जो पेस्टिसाइड काजू की खेती पर छिड़का जा रहा था, वह धीरे-धीरे सबके शरीर में जमा होता चला गया और वह आने वाली पीढ़ी के लिए इतनी बड़ी समस्या का सबब बना।

डिजिटल अरेस्ट खौफ का दोहन करते अपराधी

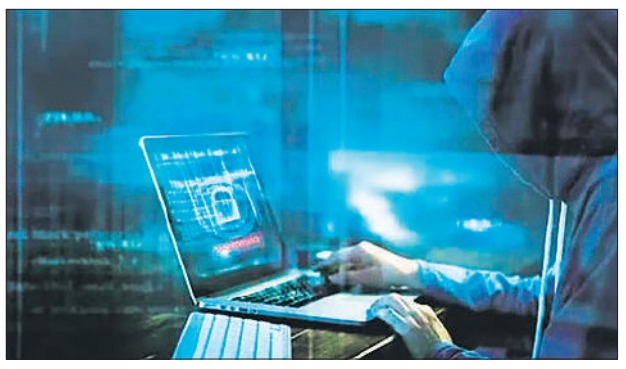

विवेक सक्सेना

अयोध्या

भारत में डिजिटल अरेस्ट एक खतरनाक साइबर अपराध के रूप में उभर रहा है। जो कि बेहद चिंताजनक है। साइबर अपराधी नए-नए तरीके से लोगों को अपना शिकार बना रहे हैं। साइबर ठग लोगों को डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फंसा कर उनको डराते-धमकाते हैं। उन पर मनी लॉन्ड्रिंग, ड्रग्स व अवैध गतिविधियों में शामिल होने का आरोप लगाते हैं। डिजिटल अरेस्ट स्कैम में फोन करने वाले कभी पुलिस, सीबीआई, नारकोटिक्स, आरबीआई और दिल्ली या मुंबई पुलिस अधिकारी बनकर आत्मविश्वास से बात करते हैं। वॉट्सएप या स्काइप कॉल पर जब कनेक्ट करते हैं, तो आपको फर्जी अधिकारी एकदम असली से लगते हैं। वे लोग पीड़ित को इमोशनली और मेंटली टॉर्चर करते हैं। साइबर फ्रॉड के शिकार होने वालों में छात्रों से लेकर बुजुर्ग, होम मेकर्स से लेकर काम कामकाजी महिलाएं, किसान से लेकर आईटी सेक्टर में काम करने वाले और बड़े-बड़े पदों पर आसीन पेशेवर भी शामिल हैं। फ्रॉड करने के लिए ऐसे जाल-बिछाते हैं कि पढ़े-लिखे और जागरूक लोग भी उनके चंगुल में फंसकर अपनी मेहनत की कमाई के लाखों-करोड़ों गंवा देते हैं।

देश में तेजी से बढ़ रहे इस खतरनाक क्राइम को लेकर उच्चतम न्यायालय ने भी आश्चर्य जताते हुए कहा कि ऐसे अपराधियों से सख्ती से निपटे जाने की जरूरत है। न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने कहा कि यह चौंकाने वाली बात है कि देशभर में वरिष्ठ नागरिकों समेत अन्य पीड़ितों से 3000 करोड़ रुपये से अधिक की उगाही की जा चुकी है।

2024 में डिजिटल अरेस्ट से 92,000 से अधिक लोग प्रभावित हुए, जिनसे 1,616 करोड़ से अधिक की ठगी हुई। सुप्रीम कोर्ट और सरकार ने इस बढ़ती प्रवृत्ति पर कड़ी चिंता जताई है। अदालत ने सख्त कदम उठाने के लिए कहा। अपराधियों की रणनीति वीडियो कॉल, व्हाट्सएप कॉल, स्पूफ कॉल, फर्जी वेबसाइट आदि ये मुख्य तरीके हैं, जिनसे स्कैम चलाया जाता है। वरिष्ठ नागरिक, अकेले रहने वाले युवा, डिजिटल साक्षरता से दूर लोग इस अपराध के आसानी से शिकार बन रहे हैं। जागरूकता की कमी के चलते पढ़े-लिखे लोग भी इन जालसाजियों का शिकार हो जाते हैं। तकनीकी विकास के साथ-साथ टेक साक्षरता, जागरूकता और कड़े कानून का अनुपालन बेहद जरूरी है, वरना आम नागरिक भय, जानकारी की कमी और व्यवस्था के कमजोर पहलुओं के चलते बार-बार शिकार बनेंगे।

हाल ही में साइबर अपराध यानी हैकिंग से जुड़ी एक ग्लोबल रिपोर्ट सामने आई है, जिसने भारत को चिंता में डाल दिया है। रिपोर्ट के अनुसार, हैकिंग के मामले में भारत, दुनिया के टॉप 10 देशों में शामिल हो गया है, जो कि डिजिटल सुरक्षा के लिहाज से एक गंभीर चेतावनी है। तीन वर्षों में महाराष्ट्र और उत्तर प्रदेश लगातार साइबर अपराध से सर्वाधिक प्रभावित शीर्ष दो राज्यों के रूप में स्थान पर रहे हैं। 2025 में, महाराष्ट्र साइबर अपराध के 1.6 लाख मामलों के साथ सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य होगा। इसके बाद उत्तर प्रदेश (1.4 लाख) और कर्नाटक (एक लाख) का स्थान होगा।

इसी साल अगस्त में लखनऊ के संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रुचिका टंडन को भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण का अधिकारी बता फोन करने वाले ने सात दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा और 2.81 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। वर्धमान ग्रुप के चेयरपर्सन और पद्मश्री एसपी ओसवाल को भी साइबर ठगों ने सीबीआई अधिकारी बनकर फोन किया और एक पुराने मामले में अरेस्ट वारंट का हवाला देकर डरा-धमकाकर सात करोड़ रुपये ठग लिए। इससे पहले मुंबई निवासी 75 वर्षीय रिटायर्ड शिप कैप्टन को शेयर मार्केट में हाई रिटर्न दिलाने का झांसा देकर अगस्त 2024 से लेकर नवंबर 2024 के बीच 11.16 करोड़ रुपये की ठगी की गई। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ में एक नाबालिग छात्र को भी साइबर ठगों ने कॉल कर अश्लील वीडियो देखने की धमकी देकर पैसों की मांग की। छात्र इतना डर गया कि उसने सुसाइड कर लिया। नोएडा सेक्टर 82 में रहने वाली एक महिला आईटी इंजीनियर को डिजिटल अरेस्टट कर 20 लाख रुपये की ठगी कर ली गई। हाल में ही राजधानी दिल्ली के रोहिणी में रहने वाले एक 72 वर्षीय रिटायर्ड इंजीनियर को साइबर ठगों ने आठ घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर 10 करोड़ रुपये से ज्यादा की ठगी कर ली।

ये मामले सिर्फ बानगी भर हैं। सच तो ये है कि देश में रोज इस तरह के अपराध हो रहे हैं और डिजिटल अरेस्ट जैसी साइबर ठगी भारत की डिजिटल प्रणाली के सामने गंभीर चुनौती बन चुकी है। अदालत और नीति-निर्माताओं को फौरन कड़े कदम उठाने चाहिए। साथ ही, आमजन को भी सतर्क रहना और डिजिटल शिक्षा अपनाना जरूरी है। साइबर अपराध नियंत्रण के लिए (Indian Cyber Crime Coordination Centre) केंद्रीय भूमिका निभा रहा है। भुक्तभोगियों को साइबर हेल्पलाइन 1930 पर तुरंत रिपोर्ट करने की सलाह दी जाती है।

डिजिटल अरेस्ट की पहचान करने और बचने के लिए सतर्कता जरूरी है। आपके पास अनजान नंबर से फोन या वॉट्सएप कॉल आती है तो सावधानी बरतें। ध्यान रखें कि पुलिस अधिकारी कभी खुद की पहचान बताने के लिए वीडियो कॉल नहीं करेंगे। किसी भी राज्य की पुलिस आपको कभी कोई भी ऐप डाउनलोड करने को नहीं कहेगी। पहचान पत्र, एफआईआर की कॉपी और अरेस्ट वारंट ऑनलाइन नहीं भेजा जाता है। पुलिस अधिकारी कभी भी वॉयस या वीडियो कॉल पर बयान दर्ज नहीं कराते। देश के कानून में डिजिटल अरेस्ट का कोई प्रावधान नहीं है।

पूरी दुनिया डर के धंधे पर टिकी हुई है। इसी खौफ का दोहन कुछ शातिर अपराधी कर रहे हैं। जीवन को बर्बाद होने के डर की बड़ी कीमत साइबर ठग डिजिटल अरेस्ट के नाम पर वसूल रहे हैं।

आमने

10,000 में क्या मिलता है? 10,000 में बिहार सरकार मिलती है। वे पैसे के बल पर जीते हैं। उन्होंने महिलाओं को खुलेआम पैसे दिए और महिलाओं ने उन्हें वोट दिया। अब सरकार को 'जीविका दीदी' को किए वादे को पूरा करना चाहिए।

–**मुकेश सहनी**, अध्यक्ष
विकासशील इंसान पार्टी

सामने

मैं समझती हूं कि इस प्रकार के अजीबोगरीब बयान नहीं देने चाहिए। इलेक्शन कमीशन देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था को बनाए रखने वाली सर्वप्रथम संस्था है। ऐसी संस्था के बारे में कहना राष्ट्रद्रोह जैसा है। उनको अपनी वाणी पर लगाम रखनी चाहिए।

–**अपर्णा यादव**, उपाध्यक्ष
उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग

होमवर्क में बदलाव से बढ़ेगी सीखने की भूख

रोहित माहेश्वरी

स्वतंत्र पत्रकार

पढ़ाई करते समय बच्चे अक्सर किसी टॉपिक को दोहरा कर सीखने की कोशिश करते हैं, जिसे कहते हैं कि रट-रट कर परीक्षा देने जाते हैं। जिसकी जितनी अच्छी रटने की शक्ति, उतना अच्छा वो उत्तर लिखता है और परिणाम के आधार पर बुद्धिमान बच्चा कहलाता है, पर गहराई से सोचें, क्या वह बच्चा वाकई में बुद्धिमान है? क्या सच में उसने कोई ऐसा ज्ञान अर्जित किया जो भविष्य में कभी उसके काम आएगा? जवाब है नहीं! ऐसे बच्चों की रटने की क्षमता तो बहुत अच्छी होती है, लेकिन वे जीवन के असल ज्ञान से वंचित रह जाते हैं और अपनी शिक्षा का उपयोग सही तरीके से नहीं कर पाते हैं।

शिक्षा का अर्थ है सीखना। स्कूल में पढ़ाई करने के पश्चात आपने ऐसा क्या सीखा जिसका उपयोग आप जीवन को सार्थक बनाने के लिए करते हैं! यही स्कूली शिक्षा का आधार है, इसलिए रटने से अच्छा है कि किसी बात को गहराई से समझें, जिससे वो बात आपके दिमाग में अच्छी तरह से बैठ जाए। पहले स्कूलों में होमवर्क का मतलब होता था, गणित के एक जैसे सवाल बार-बार हल करना या लंबा-लंबा निबंध लिखना, लेकिन अब यह बदल रहा है।

पूरे भारत की कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो 'होमवर्क' जैसे साधारण कार्य में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। यह अब बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है। शिक्षाविदों का कहना है कि 'होमवर्क', जो पहले रटने पर आधारित था, अब नीतिगत बदलावों, डिजिटल उपकरणों और नए शिक्षण तौर तरीकों से बदल रहा है। ये रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और छात्रों के कल्याण पर जोर देते हैं।

इसका मकसद छात्रों को सिर्फ पढ़ाई के लिए मजबूर करना नहीं, बल्कि सीखने की प्रक्रिया को मजेदार बनाना है। अब होमवर्क में सिर्फ याद करने के बजाय सोचने, समझने और नई चीजें बनाने पर जोर दिया जा रहा है। स्कूलों में बच्चों को प्रोजेक्ट बनाना, ग्रुप में काम करना और नयी जानकारी पर खोज करने जैसे काम दिए जा रहे हैं। इससे बच्चे अपने खुद के तरीके से सीखते हैं। इससे उनकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है।

इस संदर्भ में देखा जाए तो राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी), 2020 के जरिये स्कूली छात्रों के होमवर्क में आ रहा बदलाव स्वागतयोग्य है, जिसमें रटने के बजाय सीखने पर ज्यादा जोर है। इस नीति में छात्रों पर शैक्षणिक बोझ कम करने तथा गतिविधि आधारित शिक्षा को प्रोत्साहित करने की वकालत की गई है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) समेत कई राज्य बोर्डों ने शिक्षकों से ऐसे होमवर्क देने को कहा है, जिन्हें करने में बच्चों को खुशी हो और उनमें प्रयोग करने की गुंजाइश हो।

ऐसे में, स्कूलों की कोशिश है कि छात्रों को होमवर्क में ही व्यस्त न रखा जाए। ज्यादातर स्कूल आज प्रोजेक्ट आधारित काम देने लगे हैं और बच्चों को सामुदायिक जुड़ाव वाली गतिविधियों में शामिल करने लगे हैं। छात्रों के होमवर्क को आसान और दिलचस्प बनाया जा रहा है, ताकि वे केवल किताबी कीड़ा बनकर न रह जाएं। जोर इस पर दिया जा रहा है कि छात्र चीजों के बारे में खुद से सोचने, समझने और उन्हें बनाने की कोशिश करें। इससे बच्चों की रचनात्मकता जागती है और उनमें सोचने की क्षमता बढ़ती है। दरअसल, छात्रों को मिल रहे भारी-भरकम होमवर्क से उनकी रचनात्मकता खत्म होने लगी थी और इसे लेकर देशभर में चिंता जताई जा रही थी।

वर्ष 2018 की वार्षिक शिक्षा स्थिति पर रिपोर्ट में पाया गया था कि 74 प्रतिशत शहरी छात्रों को दैनिक होमवर्क मिलता है, जिसमें उनके तीन से चार घंटे का समय चला जाता है, जबकि सीखने के मोर्चे पर उसका कोई विशेष लाभ नहीं होता। पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने भी शिक्षकों को एक खास तरह का होमवर्क दिया था, जिसमें उन्हें छात्रों के साथ स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के अभियान से जोड़ा गया था, ताकि 'मेक इन इंडिया' और 'वोकल फॉर लोकल' को प्रेरणा मिल सके। यह बच्चों में देशभक्ति की भावना के साथ व्यावहारिक सोच बढ़ाने में भी मददगार साबित होगा।

अमेरिका में नेशनल पीटीए (राष्ट्रीय अभिभावक शिक्षक संघ) और नेशनल एजुकेशन एसोसिएशन द्वारा बनाया गया '10-मिनट नियम' यह बताता है कि बच्चों को हर रात अपनी कक्षा के हिसाब से लगभग 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए। इसका मतलब है कि पहली कक्षा के बच्चों को 10 मिनट 'होमवर्क' करना चाहिए, जबकि बारहवीं क्लास के बच्चों को 120 मिनट तक 'होमवर्क' करना चाहिए। भारत में 'होमवर्क' की अवधारणा भले ही बदल गई हो, लेकिन असल में कई भारतीय छात्र अक्सर रोजाना 3-4 घंटे 'होमवर्क' करने में बिताते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि 'होमवर्क' की अवधारणा में बदलाव का एक कारण राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 भी है, जो छात्रों पर पढ़ाई का बोझ कम करने और गतिविधियां आधारित सीखने को बढ़ावा देने पर जोर देती है। कई राज्य बोर्ड और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने इसके बाद परिपत्र जारी कर शिक्षकों से ऐसे काम देने को कहा है जो 'मनोरंजक, प्रायोगिक और व्यावहारिक हों।

कक्षाएं जब बदलते शिक्षण तौर-तरीकों के अनुसार खुद को ढाल रही हैं, तो होमवर्क में भी धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। अब यह बोझिल काम न रहकर, बल्कि खोज, सहयोग और रचनात्मकता के लिए उपयोगी उपकरण बन गया है।

सोशल फोरम

एक छोटे से आविष्कार ने बदल दी दुनिया

वह 37 साल की उम्र में मर गया- कंगाल। भुला दिया गया, लेकिन आज भी, हर दिन, आप उसी की बनाई चीज पहनते हैं।1880 में एक जोड़ी जूते की कीमत इतनी थी कि उसे खरीदने के लिए आम परिवार एक हफ्ते की कमाई भी खर्च नहीं कर पाते थे। न तो चमड़ा कम था, न मोची लालची थे। समस्या थी एक असंभव सी प्रक्रिया, जिसे दुनिया का कोई भी आविष्कारक मशीन से नहीं कर पाया था। इसे कहा जाता था 'लास्टिंग'। जूते के ऊपरी हिस्से को उसके तले से जोड़ना। यह काम इतनी बारीकी, इतना कौशल मांगता था कि सिर्फ माहिर कारीगर ही कर सकते थे।

प्रशांत पांडेय

ब्लॉगर

वो भी दिन भर की मेहनत के बाद लगभग 50 जोड़ी जूते बना पाते। दर्जनों आविष्कारकों ने इस काम को मशीन से करवाने की कोशिश की, लेकिन सब असफल।

फिर एक युवा अश्वेत आप्रवासी एक लड़का, जो अंग्रेजी तक ठीक से नहीं बोलता था, ने ठान लिया कि वह इस असंभव को हल करेगा। जान एर्न्स्ट मैटजेलिगर का जन्म 1852 में सूरीनाम में हुआ। 19 साल की उम्र में वह जहाजों पर काम करने निकल पड़े। 21 की उम्र में वो अमेरिका के लिन, मैसाचुसेट्स पहुंचे, जो उस समय जूता उद्योग की राजधानी था। वहीं फैक्ट्री में काम करते हुए उन्होंने उस bottleneck को देखा जो पूरी इंडस्ट्री को जकड़े हुए था। उन्होंने देखा कि कोई यह मानने को तैयार नहीं था कि एक अश्वेत मजदूर वह कर सकता है जो दुनिया के दिमाग नहीं कर पाए।

उन्होंने अनुमति नहीं मांगी। बस शुरू कर दिया। 10–10 घंटे फैक्ट्री में काम और फिर रात में अपने छोटे कमरे में वापस आना। अंग्रेजी सीखना, मशीन ड्रॉइंग सीखना, इंजीनियरिंग सीखना। सब कुछ खुद, मोमबत्ती की रोशनी में। और फिर- मॉडल पर मॉडल बनाना, टूटना, फिर बनाना, फिर टूटना। 6 साल तक लगातार असफलताएं। निवेशक हंसते थे। साथी मजदूरों को भरोसा नहीं था और नस्लभेद के चलते हर दरवाजा उनके लिए बंद ही रहा। 20 मार्च 1883 को, अमेरिकी पेटेंट ऑफिस ने पेटेंट नंबर 274,207 उन्हें जारी किया। उनकी Lasting Machine काम कर गई। और सिर्फ ठीक ही नहीं, बल्कि क्रांतिकारी थी। जहां एक माहिर कारीगर 50 जोड़ी जूते बनाता था, मैटजेलिगर की मशीन 150 से 700 जोड़ी तक बनाती थी। तेज, सटीक, और बिना थके। कुछ ही सालों में जूतों की कीमत आधी हो गई। **-फेसबुक वाल से**

सामयिकी

मुफ्त अनाज का वितरण और जनवादी डाटा

प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत मुफ्त अनाज दिसंबर के बाद भी एक साल तक मिलता रहेगा। कथित गरीबों के लिए एक और सुखद खबर है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत दो रुपये किलो गेहूं और तीन रुपये किलो चावल के तौर पर जो अनाज उपलब्ध कराया जा रहा था, सरकार के रिकॉर्ड में जो लोग 'गरीब' के तौर पर दर्ज हैं, उनकी बल्ले-बल्ले हो गई है। दरअसल भारत सरकार का यह सरोकार नहीं है कि मुफ्त अनाज के कितने लाभार्थी ऐसे गेहूं, चावल को बाजार में बेच देते हैं, क्योंकि उन्हें वह अनाज 'घटिया' लगता है। मोदी सरकार अपना डाटा 'जनवादी' बनाए रखना चाहती है कि वह 81.35 करोड़ गरीब नागरिकों को बिल्कुल मुफ्त अनाज मुहैया करा रही है।

आकाश सपेलकर

अधिवक्ता, सुप्रीम कोर्ट

बेशक अर्थव्यवस्था पर इसके व्यापक विपरीत प्रभाव न पड़ें और वित्तीय घाटा भी परिधियों के बाहर न हो, लेकिन कुछ सवाल लगातार पूछे जा रहे हैं कि कोरोना-काल के बाद आर्थिक गतिविधियां सामान्य होने के बावजूद मुफ्त अनाज बांटते रहना क्या और क्यों जरूरी है? यदि 81 करोड़ से अधिक लोगों को पांच किलो मुफ्त अनाज, प्रति व्यक्ति प्रति माह, मुहैया नहीं कराया जाएगा, तो क्या वे भूखे मर जाएंगे? क्या भारत में इतनी गरीबी और संभावित भुखमरी के हालात हैं?

तो फिर गरीबी उन्मूलन योजनाओं का क्या हो रहा है? निःशुल्क अनाज की अवधि बढ़ाने से देश के खजाने पर दो लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का जो अतिरिक्त बोझ पड़ेगा, उसके फलितार्थ क्या होंगे? बहरहाल इन दोनों योजनाओं को मिला दें, तो करीब 10 करोड़ टन अनाज मुफ्त बांटना पड़ेगा। यह भारत के कुल अनाज उत्पादन का एक-तिहाई होगा। बीती पहली दिसंबर तक केंद्रीय पूल में, गेहूं और चावल के मौजूदा भंडारण, करीब 5.54 करोड़ टन थे। यह एक साल पहले के भंडारण की तुलना में एक-तिहाई से भी कम अनाज है। भारतीय खाद्य निगम के भंडारण में इतना भी अनाज नहीं है, जितना कोरोना-काल के लॉकडाउन के बाद था। उस अनाज को लोगों में वितरित किया गया। यह सवाल स्वाभाविक है कि सरकार कब तक मुफ्त अनाज बांटती रहेगी? कमोबेश यह गरीबी और बेरोजगारी का वैकल्पिक समाधान नहीं है।

दरअसल यह मोदी सरकार का राजनीतिक तौर पर बेहद चतुर निर्णय है। बेशक भाजपा चुनाव प्रचार के दौरान मुफ्त अनाज मुहैया कराने का प्रचार करे या न करे, लेकिन प्रतीकात्मक तौर पर लोगों के मानस पर इसका प्रभाव रहता ही है। भाजपा कई चुनावों में इस फॉर्मूले को आजमा चुकी है। खासकर महिलाओं पर इस योजना का जबरदस्त सकारात्मक प्रभाव देखा गया है। नतीजतन महंगाई, बेरोजगारी, किसानी, असंतोष, सांप्रदायिकता आदि मुद्दों के बावजूद भाजपा को जनादेश मिलता रहा है।

राज्यों में चुनाव हैं और अधिकतर राज्यों में भाजपा-एनडीए की सरकारें हैं। राजनीतिक तौर पर भाजपा के लिए अग्नि-परीक्षा से कम दौर नहीं होगा, क्योंकि वहीं के जनादेश के आम चुनाव की पुख्ता जमीन तैयार हो सकती है। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून 2013 में तत्कालीन यूपीए सरकार ने पारित कराया था। उसके तहत तीन-चौथाई ग्रामीण और लगभग आधी शहरी आबादी को सबसिडी पर अनाज हासिल करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त हुआ था। मोदी सरकार ने इसे व्यापकता दी है। अब सबसिडी पर ही नहीं, बल्कि बिल्कुल मुफ्त अनाज हासिल किया जा सकता है। योजनाओं से कितनी 'काली भेड़ें' जुड़ी हैं, यह एक अलग सवाल है और इसका विश्लेषण किया जाना चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

यूरेका

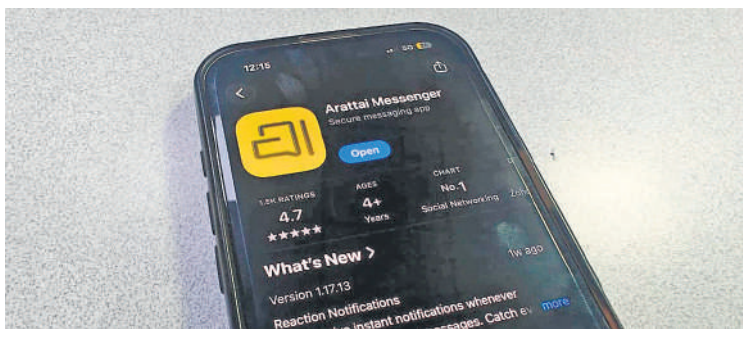

अरट्टई

डिजिटल संवाद का स्वदेशी अध्याय

भारत के डिजिटल परिदृश्य में इस समय एक नया नाम तेजी से सुर्खियों में है- Zoho का 'अरट्टई' (Arattai) ऐप। सितंबर-अक्टूबर 2025 के बीच इसके डाउनलोड्स में अचानक उछाल आया और यह कुछ ही हफ्तों में ऐप स्टोर्स की शीर्ष सूची में जगह बना गया। 'अरट्टई' तमिल भाषा का शब्द है, जिसे 'गपशप' अथवा 'आकस्मिक बातचीत' के संदर्भ में इस्तेमाल किया जा सकता है। जनवरी 2021 में लॉन्च हुआ यह ऐप चार साल तक लगभग गुमनाम रहा, लेकिन अब "आत्मनिर्भर भारत" की नई लहर के बीच यह भारतीय तकनीक का प्रतीक बनकर उभरा है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर, मथुरा

Zoho की साख और आत्मनिर्भर भारत की भावना

Zoho उन कुछ भारतीय कंपनियों में है, जो बिना विदेशी निवेश के वैश्विक पहचान बना चुकी है। संस्थापक और सीईओ श्रीधर वेम्बू के नेतृत्व में चेन्नई मुख्यालय वाली यह कंपनी बीते दो दशकों से विश्व स्तर पर सॉफ्टवेयर-एज-ए-सर्विस (SaaS) क्षेत्र में भारत की पहचान रही है। इसके 55 से अधिक प्रोडक्ट्स- जैसे Zoho Mail, Zoho CRM, Zoho Books, Zoho Workplace और Zoho Cliq दुनियाभर के तमाम देशों में उपयोग किए जाते हैं। हाल में Zoho एक बड़ी खबर यह भी आई कि केंद्र सरकार के कई विभागों और निकायों ने NIC से Zoho Mail पर डेटा माइग्रेशन शुरू किया है, ताकि देशी सर्वरों पर होस्टेड और अधिक सुरक्षित ईमेल व्यवस्था स्थापित की जा सके। इससे कंपनी की साख को और मजबूती दी और यह दिखाया कि भारत अब वैश्विक विकल्पों पर निर्भर रहने के बजाय अपनी तकनीकी क्षमता पर भरोसा करने लगा है। ऐसे में जब इसी कंपनी ने एक मैसेजिंग ऐप पेश किया, तो स्वाभाविक रूप से लोगों में उत्सुकता बढ़ी। अरट्टई को आज के डिजिटल भारत की नई कहानी बनाने और इस अप्रत्याशित उछाल के पीछे भारतीय तकनीकी कंपनियों पर भरोसा, विदेशी ऐप्स के प्रति सतर्कता, डेटा सुरक्षा को लेकर बढ़ती जागरूकता जैसे कारक तो हैं ही, लेकिन महत्वपूर्ण भूमिका वैश्विक अनिश्चितताओं, जैसे कि तकनीक की उपलब्धता अथवा टैरिफ संकट से भरे माहौल में 'आत्मनिर्भर भारत' और 'स्वदेशी' अपनाने की अपील ने निभाई है।

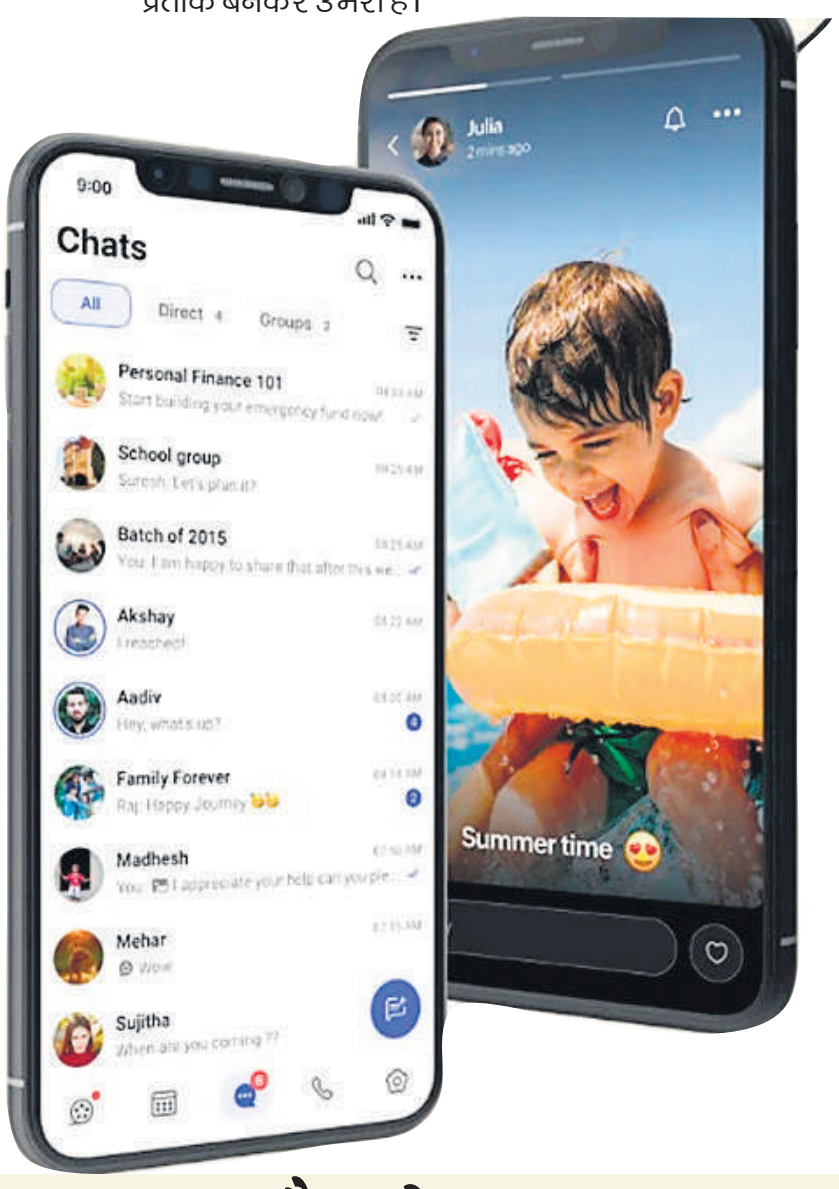

लोकप्रियता की रफ्तार और शुरुआती तकनीकी झटके

सितंबर 2025 में अरट्टई की लोकप्रियता इतनी तेजी से बढ़ी कि Zoho के सर्वरों को भी संभलने का मौका नहीं मिला। लाखों की तादाद में नए उपयोगकर्ता जुड़ने लगे और उसके साथ सामने आईं OTP में देरी, कॉल में लैग और सिंक की समस्याएं। यह दौर हर उभरते प्लेटफॉर्म के लिए सीख का होता है। तेजी से आगे बढ़ने के साथ स्थायित्व का संतुलन जरूरी है। Zoho ने भी सर्वर क्षमता बढ़ाकर स्थिति संभाली।

क्या बनाता है अरट्टई को अलग

Zoho ने अरट्टई को केवल चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि एक समग्र संचार मंच के रूप में विकसित किया है। इसके फीचर्स इस दिशा को स्पष्ट करते हैं-

- **पॉकेट- आपकी निजी डिजिटल तिजोरी-** इस फीचर में आप अपने नोट्स, फोटो, वीडियो और दस्तावेज सुरक्षित रख सकते हैं, जो लोग WhatsApp पर खुद को मैसेज भेजकर चीजें सहेजते हैं, उनके लिए यह सुविधा गेमचेंजर साबित हो सकती है।
- **मीटिंग्स टैब- वीडियो कॉल का नया रूप-** बिना Zoom या Google Meet जैसे अलग ऐप्स पर जाए, अरट्टई में ही सीधे वीडियो मीटिंग्स आयोजित की जा सकती है।
- **मेंशन्स टैब-** इस टैब में वे सभी चैट्स एक जगह मिलती हैं, जिनमें उपयोगकर्ता को टैग या उल्लेख किया गया है। यह व्यस्त पेशेवरों के लिए राहत का फीचर है।
- **Android TV पर उपलब्धता-** मोबाइल और लैपटॉप/डेस्कटॉप के साथ अरट्टई Android TV पर भी उपलब्ध है, अर्थात संवाद का दायरा घर के बड़े पर्दे तक पहुंच गया है।

डेटा सुरक्षा पर कंपनी का भरोसा

Zoho ने स्पष्ट किया है कि अरट्टई पर कोई विज्ञापन नहीं होगा, डेटा किसी को नहीं बेचा जाएगा और भारतीय उपयोगकर्ताओं का डेटा भारत के सर्वरों (मुंबई, दिल्ली, चेन्नई) में ही रखा जाएगा। हालांकि फिलहाल टेक्स्ट चैट्स के लिए पूर्ण एंड-टू-एंड एन्क्रिप्शन लागू नहीं हुआ है, लेकिन कंपनी का कहना है कि यह सुविधा जल्द ही जोड़ी जाएगी और इसके लिए एक सुरक्षा श्वेतपत्र जारी किया जाएगा। यह कदम डेटा पारदर्शिता की दिशा में एक मजबूत संकेत है, जो उपयोगकर्ताओं में विश्वास को और बढ़ाने में मदद कर सकता है।

भविष्य की दिशा: संवाद से भुगतान तक

खबरों के अनुसार Zoho अब 'Zoho Pay' नाम से UPI भुगतान सेवा भी लाने की तैयारी में है। यदि यह सेवा भविष्य में अरट्टई से जुड़ती है, तो ऐप चैट्स, मीटिंग्स और पेमेंट्स तीनों को एकीकृत अनुभव के रूप में पेश कर सकेगा। इससे अरट्टई सिर्फ चैटिंग ऐप नहीं, बल्कि भारत का पहला संपूर्ण डिजिटल कम्युनिकेशन प्लेटफॉर्म बन सकता है। हालांकि इसके साथ नई जिम्मेदारियां भी आएंगी- वित्तीय सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और नियामक पालन की।

Hike और Koo की यादें, पर एक नया सलीका

भारत ने इससे पहले भी स्वदेशी सोशल ऐप्स की लहर देखी है। Hike मैसेंजर और Koo जैसे प्लेटफॉर्म एक समय खासी चर्चा में रहे, पर समय के साथ वैश्विक प्रतिस्पर्धियों के सामने कमजोर पड़ते गए और अंततः बंद हो गए। उनका अनुभव सिखाता है कि भावनाओं का ज्वार शुरुआत करा सकता है, पर स्थायित्व के लिए उपभोक्ताओं का भरोसा, दीर्घकालिक टिकाऊ बिजनेस मॉडल और निरंतर सुधार बेहद जरूरी हैं। Zoho के पास अनुभव और संसाधन हैं और यही अरट्टई की सफलता में सबसे बड़ी ताकत साबित हो सकते हैं।

डिजिटल परिपक्वता की मिसाल

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई इस बात का प्रमाण है कि भारत अब केवल "डिजिटल आत्मनिर्भरता" की बातें नहीं कर रहा, बल्कि उसे जी रहा है। यह दिखाता है कि भारतीय कंपनियां न सिर्फ तकनीकी रूप से सक्षम हैं, बल्कि अब वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा करने को भी तैयार हैं। भरोसा, सुरक्षा और निरंतर सुधार यही वे तीन स्तंभ हैं, जिन पर कोई भी डिजिटल मंच स्थायी बन सकता है। यदि अरट्टई इन तीनों कसौटियों पर खरा उतरा, तो यह केवल एक ऐप नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल आत्मविश्वास की पहचान बनेगा।

भरोसे से बनेगा स्वदेशी नवाचार का भविष्य

तकनीक की दुनिया में ट्रेंड बदलते हैं, पर भरोसा और प्रदर्शन स्थायी रहते हैं। अरट्टई की सफलता यह साबित कर सकती है कि स्वदेशी नवाचार अब भावनात्मक नहीं, बल्कि व्यावहारिक और विश्वसनीय दिशा ले चुका है। यह ऐप भारत के डिजिटल भविष्य की उस कहानी का हिस्सा है, जहां आत्मनिर्भरता सिर्फ विचार नहीं, व्यवहार बन चुकी है।

रोचक किस्सा

पैरासेल्सस

पैरासेल्सस पुनर्जागरण काल के उन विलक्षण व्यक्तित्वों में गिने जाते हैं, जिन्होंने अपने समय की सीमाओं से आगे बढ़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में प्रयोग किए। 16 वीं शताब्दी के शुरुआती वर्षों में उन्होंने फेरारा विश्वविद्यालय से चिकित्सा में डॉक्टरेट की उपाधि हासिल की, जो उस दौर में एक बड़ी उपलब्धि मानी जाती थी। आज उन्हें आधुनिक विषविज्ञान का जनक कहा जाता है, परंतु उनका व्यक्तित्व इससे कहीं अधिक विस्तृत था। वे न सिर्फ एक प्रख्यात चिकित्सक थे, बल्कि वनस्पतिशास्त्र और गूढ़ विद्याओं के भी गंभीर अध्ययनकर्ता रहे। यही गूढ़ रुचियां, उन्हें कई ऐसे प्रयोगों की ओर ले गईं, जो आज हमें अविश्वसनीय प्रतीत होते हैं। उनके सबसे चर्चित विचारों में से एक था- होमुनकुलस की कल्पना। पैरासेल्सस का दावा था कि मनुष्य का वीर्य, यदि उसे उचित गर्मी प्रदान की जाए और मानव रक्त से पोषित किया जाए, तो उसमें एक सूक्ष्म मानव यानी होमुनकुलस विकसित किया जा सकता है। उन्होंने इस प्रक्रिया के कथित चरणों

को विस्तार से लिखा, ताकि कोई भी इच्छुक व्यक्ति इस "निर्माण" को आजमा सके। उनके अनुसार, लोककथाओं में वर्णित परियां, दैत्य और अन्य रहस्यमय जीव भी इसी प्रकार की प्राकृतिक प्रक्रियाओं से उत्पन्न हुए होंगे। हालांकि उस युग में विज्ञान अभी विकसित हो ही रहा था, फिर भी पैरासेल्सस की यह अवधारणा अत्यंत विचित्र मानी जाती थी। वैज्ञानिक समझ की सीमाओं और गूढ़ विश्वासों की मिश्रित दुनिया में जन्मे ये विचार आज हमें और भी असंगत एवं कल्पनाप्रधान लगते हैं। बावजूद इसके, पैरासेल्सस जैसे विचारकों ने इतिहास को यह सिखाया कि ज्ञान की खोज कभी रैखिक नहीं होती। कभी-कभी अजीब प्रयोग ही भविष्य की वैज्ञानिक सोच की नींव तैयार कर जाते हैं।

वैज्ञानिक फैक्ट

तारों की बदलती स्थितियां

पृथ्वी के अक्ष दोलन का अद्भुत प्रभाव

पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है। पृथ्वी के दोलन का काल 26 हजार वर्ष का है। पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है और इसका वर्तमान झुकाव 23.44 डिग्री है। दरअसल इन दिनों पृथ्वी के घूर्णन और दोलन में आए बदलाव के कारण माना जा रहा है कि हमारी राशियों में भी बदलाव आ चुका है। राशियों का विषय ज्योतिषियों का है और राशियों में बदलावों को लेकर दुनिया के कई देशों में इन दिनों जबरदस्त चर्चा चल रही है। बहरहाल इस आलेख का आधार ज्योतिष न होकर खगोलीय विज्ञान आधार है। पृथ्वी तथा अन्य खगोलीय पिंडों की गति के आधार पर तमाम कैलेंडर प्रचलित हैं, जिसमें प्राचीन भारत में शुरू 27 नक्षत्रों पर आधारित पंचांग भी है। इन सबसे परे खगोल विज्ञान वैज्ञानिक दृष्टि से तारों और नक्षत्रों की गणना व उनका अध्ययन करता है। नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव पृथ्वी के अक्ष के दोलन और उसके झुकाव के कारण होता है। पृथ्वी के अक्ष के दोलन में 72 वर्ष में आकाश में एक डिग्री का अंतर होता है अर्थात पूरे दोलन का काल 26 हजार वर्ष है।

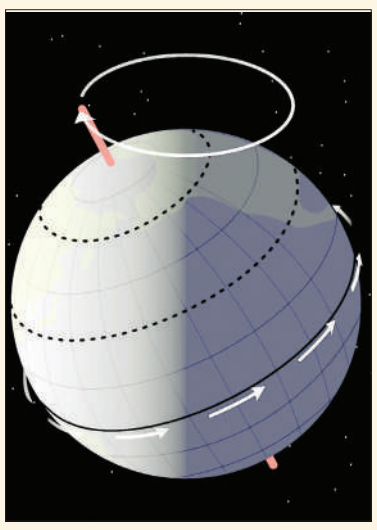

पिछले 2500 वर्षों में इसमें लगभग 34.6 डिग्री का अंतर आया है। इसका एक उदाहरण मकर संक्रांति की तारीख में 14 से 15 जनवरी का बदलाव है। वर्तमान में यह झुकाव 23.44 डिग्री है और यह झुकाव धीरे-धीरे बदलता जाएगा। नक्षत्रों की अपनी परस्पर स्थिति में परिवर्तन हजारों-लाखों वर्ष में आता है। वर्तमान में पृथ्वी का झुकाव 23.44 डिग्री है, जिसे हम सब बचपन से 23.5 डिग्री सुनते आए हैं। पृथ्वी का अक्षीय झुकाव स्थिर नहीं रहता है और लगभग 41 हजार वर्षों के लंबे चक्र में 22.1 और 24.5 डिग्री के बीच दोलन करता रहता है। पृथ्वी के झुकाव में परिवर्तन की दर लगभग 46.8 आर्क सेकंड प्रति शताब्दी है। 25 शताब्दियों की गणना के अनुसार 1170 आर्क सेकेंड का अंतर यानी 0.325 डिग्री का अंतर आया है। 2500 वर्षों की अवधि में प्राकृतिक चक्र के कारण होने वाला बदलाव बहुत छोटा है, एक अंश मात्र भर है।

बबलू चंद्रा
नैनीताल

ध्रुव तारा भी नहीं है स्थिर

नैनीताल स्थित आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के खगोल वैज्ञानिक डॉ. वीरेंद्र यादव कहते हैं कि ध्रुव तारे के एक स्थान पर स्थिर होने की कहानी हम सब जानते हैं, लेकिन पृथ्वी के झुकाव में बदलावों के कारण पृथ्वी के सापेक्ष वर्तमान में उत्तर में नजर आने वाला ध्रुव तारा भी स्थिर नहीं है। पृथ्वी के अक्षीय दोलन के कारण हजारों वर्ष पूर्व तथा भविष्य में कोई अन्य तारा पृथ्वी के उत्तरी ध्रुव के ऊपर होगा और ऐसा भी समय होगा, जब कोई ध्रुव तारा नहीं होगा। 14000 वर्ष पूर्व तथा 11700 वर्ष भविष्य में वेगा नामक एक चमकदार तारा ध्रुव तारे का स्थान लेगा।

जंगल की दुनिया

तकाहे

दक्षिण द्वीप का तकाहे पक्षी, जो केवल न्यूजीलैंड में पाया जाता है, दुनिया की सबसे बड़ी जीवित रेल प्रजाति है। कभी इसे पूरी तरह विलुप्त मान लिया गया था, लेकिन 1948 में मर्चिसन पर्वतों में इसकी चमत्कारिक पुनर्खोज ने सभी को अचंभित कर दिया। आज इनकी संख्या धीरे-धीरे बढ़कर 400 से थोड़ी अधिक हो गई है। यह उत्साहजनक वृद्धि एक विशेष और सुव्यवस्थित संरक्षण कार्यक्रम का परिणाम है, जो अभयारण्यों और प्राकृतिक आवास दोनों में इनकी आबादी को बढ़ाने में मदद कर रहा है।

हालांकि तकाहे का स्वरूप रेल परिवार की एक अन्य सामान्य प्रजाति पूकेको से मिलता-जुलता है, फिर भी नजदीक से देखने पर इनके बीच का अंतर स्पष्ट हो जाता है। पूकेको पतले होते हैं, उड़ सकते हैं और बहुत बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। इसके विपरीत, तकाहे अधिक भारी-भरकम होता है, उड़ानहीन होता है और इसके पंख गहरे, चमकीले नीले और हरे रंगों की इंद्रधनुषी आभा से भरपूर होते हैं, जो इसे देखने में बेहद आकर्षक बनाते हैं। इन सभी विशेषताओं के कारण तकाहे न केवल एक जैविक दुर्लभता है, बल्कि प्रकृति की दृढ़ता और पुनर्जीवन की अद्भुत क्षमता का जीवंत प्रतीक भी है।

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025

बदायूं

न्यूज ब्रीफ

इग्नू केंद्र पर विभिन्न पाठ्यक्रमों को शुरू करने की मिली अनुमति

बदायूं, अमृत विचार : आवास विकास स्थित राजकीय महाविद्यालय के इग्नू अध्ययन केंद्र पर एमए एजुकेशन के साथ ही अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल विषय से स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम और बीएससी जीव विज्ञान व बीएससी गणित, योगा डिग्री, जर्नलिज्म मास कम्यूनिकेशन की डिग्री के पाठ्यक्रम को संचालित करने के लिए विश्वविद्यालय से अनुमति मिल गई है। समन्वयक डॉ. संजीव राठौर ने बताया है कि नए शुरू होने वाले पाठ्यक्रम से संबंधित काउंसलर्स के रजिस्ट्रेशन ऑनलाइन किए जा रहे हैं। इसके अलावा उच्च शिक्षा में अध्यापन कार्य के लिए नेट, पीएचडी योग्यताधारी अभ्यर्थी इग्नू के वेबसाइट पर अपना आईडी पासवर्ड जनरेट करें। कम से कम दो साल के किसी उच्च शिक्षा संस्थान में पढ़ाने का शिक्षण अनुभव प्रमाण पत्र साथ में लगाते हुए सभी शैक्षिक प्रमाण पत्र अपलोड करके पंजीकरण की प्रक्रिया 24 नवंबर तक पूरी करें।

स्टाफ नर्स पर कार्रवाई को लेकर महिलाओं ने किया धरना-प्रदर्शन

बदायूं, अमृत विचार : कछला नगर स्थित जन आरोग्य मंदिर पर कार्यरत स्टाफ नर्स द्वारा अभद्र व्यवहार किए जाने को लेकर महिलाएं धरना प्रदर्शन कर रही हैं। गुरुवार को महिलाओं का विरोध प्रदर्शन जारी रहा। आक्रोशित महिलाओं का कहना था कि जब तक कार्रवाई नहीं हो जाती, तब तक उनका धरना प्रदर्शन जारी रहेगा। नगर पंचायत के वार्ड नंबर 5 निवासी महिला ममता चौहान को जन आरोग्य मंदिर पर तैनात स्टाफ नर्स द्वारा अभद्र व्यवहार किया गया। आरोप है कि उन्हे स्टाफ नर्स ने आरोग्य मंदिर से धक्का मारकर बाहर निकाल दिया। जिसकी शिकायत महिलाओं ने चिकित्सा अधीक्षक से की। लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। स्टाफ नर्स पर कार्रवाई न किए जाने के विरोध में महिलाएं प्रदर्शन कर रहीं हैं। महिलाओं का कहना है कि जब तक कार्रवाई नहीं हो जाती तब तक विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।

आज होगी क्विज प्रतियोगिता

बिल्सी, अमृत विचार : राष्ट्रीय आविष्कार योजना के तहत अंबियापुर बीआरसी पर जूनियर व कंपोजिट विद्यालयों के चयनित तीन-तीन छात्रों की क्विज प्रतियोगिता सुबह 9 बजे आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह जानकारी बीईओ गौतम प्रकाश ने दी है।

सैजनी में नए बिजलीघर का आरंभ 150 गांव के लोगों को होगा फायदा

विधायक राजीव कुमार सिंह ने बिजली घर का किया आरंभ, जोड़े जा रहे कनेक्शन

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : दातागंज क्षेत्र के सैजनी गांव में बनाए गए नए बिजली घर से करीब 150 गांवों को बिजली आपूर्ति की जाएगी। शासन के निर्देश पर विभाग ने बिजली आपूर्ति का शेड्यूल बना कर सप्लाई शुरू कर दी है। बिजली की सभी लाइनें को बिजली घर से जोड़ने का काम किया जा रहा है।

शासन के निर्देश पर जिले में चार स्थानों पर नए बिजली घर बनाए गए हैं जिसमें सैजनी का बिजली घर का आरंभ विधायक राजीव कुमार सिंह ने दिया। विधायक के प्रयास से ही सैजनी में बिजली घर बना है। अब बिजली घर से क्षेत्र के लोगों को बिजली दी जा रही है। विद्युत विभाग ने कहा कि इस बिजली घर से करीब 150 गांवों को बिजली दी जा रही है। इन गांवों की बिजली की लाइन बिजली घर से जोड़ी जा रही हैं। विभाग का कहना है कि क्षेत्र में नए विद्युत उपभोक्ताओं को जोड़ा जाएगा। इससे बिजली घर पर उपभोक्ताओं की संख्या बढ़ सके। विद्युत विभाग के अधिकारियों ने कहा कि शासन से निर्देश के बाद बिजली सप्लाई का शेड्यूल बना दिया गया है जिसके बाद अब उपभोक्ताओं को शेड्यूल के अनुसार बिजली दी जा रही है।

विधायक राजीव कुमार सिंह ने विभाग को निर्देशित किया है कि ट्यूबवेल कनेक्शन धारकों को अनवरत सप्लाई दी जाए जिससे किसानों को कोई परेशानी न हो। किसानों की मांग पर ही गांव में बिजली घर बनाया गया है।

खम्बे पर लाइन का तार टूटा हुआ।

- विद्युत विभाग ने शेड्यूल से बिजली आपूर्ति का बनया चार्ट

दिन भर गुल रही बिजली, 50 गांव के लोग रहे परेशान

अमृत विचार : गुरुवार को शेखूपुर फीडर की लाइन अचानक ब्रेकडाउन में चली गई जिससे करीब 50 गांव की आपूर्ति ठप हो गयी। बिजली की लाइन की मरम्मत पूरी होने के बाद शाम साढ़े पांच बजे सप्लाई शुरू हुई जिसके बाद उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली। गुरुवार को पूर्वान्ह 11 बजे शेखूपुर फीडर से बिजली सप्लाई बंद हो गयी। उपभोक्ताओं ने बिजली घर पर कर्मचारियों से फोन पर संपर्क किया लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया। पूरे इलाके में बिजली गुल होने से लोग परेशान हो गये। गांव कुलचौरा, रसूलपुर, सिमरिया, सूरजपुर, झंडपुर, पडौआ, इस्लामगंज, खरखोली, उपरैला, उदमई, कुतरई, सहित करीब पचास गांव में बिजली सप्लाई ठप हो गयी। शाम साढ़े पांच बजे के बाद सप्लाई शुरू की गयी तब कहीं उपभोक्ताओं ने राहत की सांस ली। इस इलाके के तमाम गांव एक ही फीडर से जुड़े हैं जिससे ब्रेकडाउन की स्थिति में सभी गांवों में बिजली गुल हो जाती है।

"सर शेखूपुर फीडर की लाइन अचानक ब्रेकडाउन में चली गई जिससे कुछ समय के लिए सप्लाई बाधित रही। लाइन की मरम्मत कर सप्लाई शुरू कर दी गई। अब क्षेत्र में बिजली दी जा रही है। इस तरह के फाल्ट लाइन में आते रहते हैं जिसे ठीक कर लिया जाता है।

– संजीव कुमार, अधीक्षण अभियंता

अचानक धंसी घर की जमीन, परिजन सुरक्षित

उसावां, अमृत विचार : उसावां थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर के एक घर में बुधवार आधी रात जमीन अचानक धंस गई। घर पर सो रहे परिजनों में अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच की। हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है।

गांव में गुड्डू पुत्र वीरशाय का घर है। रात लगभग ढाई बजे कमरे की जमीन अचानक धंस गई। गुड्डू की मां ओर पत्नी गड्ढे में गिरने लगे। गुड्डू ने हाथ खींचकर उन्हें बाहर निकाला लेकिन घर में रखा बक्सा गड्ढे में जा घुसा। परिजनों ने डायल 112 पुलिस को सूचना दी। ग्रामीण भी मौके पर पहुंचे। कुछ ही समय के बाद पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घर का सामान और पशुओं को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में जनहानि नहीं हुई है।

जमीन धंसने से गड्ढे में गिरा बक्सा।

समिति कार्यालय पर किसानों ने किया धरना- प्रदर्शन

समिति कार्यालय पर प्रदर्शन करते भाकियू भानु गुट के किसान। ● अमृत विचार

संवाददाता, उझानी

अमृत विचार : स्थानीय साधन सहकारी समिति पर किसानों को डीएपी खाद नहीं मिलने से किसान परेशान हैं। इसी समस्या को लेकर भारतीय किसान यूनियन भानु ने गुरुवार को केंद्र पर धरना प्रदर्शन किया। धरने पर पहुंचे किसानों ने जिला प्रशासन और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। इससे स्थिति तनावपूर्ण बन गई। किसानों के हंगामा करने पर समिति सचिव ने कहा कि किसानों को डीएपी खाद मुहैया कराई जाएगी जिसके बाद धरना समाप्त कर दिया गया।

समिति पर पहुंचे किसानों ने खाद की समस्या को लेकर हंगामा कर दिया जिसके बाद भाकियू भानु गुट ने समिति कार्यालय पर धरना दे दिया। संगठन मंत्री अनिल ठाकुर ने कहा कि किसान गेहूं की बुवाई कर रहे हैं। उन्हें डीएपी की जरूरत है लेकिन यहां पर खाद नहीं मिल रही है। जिला उपाध्यक्ष नवीन गोस्वामी, ब्लॉक उपाध्यक्ष हरनेश, इमरान, श्रीपाल यादव, अमर सिंह, राकेश आदि ने कहा कि जिला प्रशासन किसानों की समस्या को नजरअंदाज कर रहा है। किसान खाद को भटक रहे हैं। किसानों की नारेबाजी के बाद सेंटर सचिव मौके पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि आज सर्वर कनेक्टिविटी न आने के कारण डीएपी खाद वितरण नहीं हो सकी है। सचिव ने तत्काल टोकन वितरण की घोषणा कर दी, किसानों ने खाद मिलने का आश्वासन के बाद धरना खत्म किया।

जर्जर मकान ढहा मलबे में दबकर महिला घायल

बिल्सी, अमृत विचार : तहसील बिल्सी क्षेत्र के गांव नागर झूना में गुरुवार को एक जर्जर मकान भरभराकर अचानक गिर गया। मलबा की चपेट में आने से एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। गांव निवासी डोरीलाल गुरुवार सुबह मजदूरी करने के लिए घर से बाहर गए थे।

उनका 10 साल का बेटा चंद्रशेखर घर के बाहर खेल रहा था और पत्नी जयवंती घर के अंदर खाना बना रही थी। अचानक मकान की कमजोर दीवार और छत धंसकर नीचे गिर गई। इससे जयवंती मलबे में दबकर घायल हो गई। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर जुटे और महिला को बाहर निकाला। ग्रामीणों के अनुसार यह मकान काफी समय से जर्जर हालत में था। कई बार इस मकान के ढहने की आशंका जताई गई थी।

कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो युवक घायल

संवाददाता, कुंवरगांव

अमृत विचार : तेज रफ्तार कार ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

हादसा गुरुवार सुबह लगभग 11 बजे मुरादाबाद-फर्रुखाबाद राजमार्ग स्थित बल्लिया मोड़ पर हुआ। कुंवरगांव थाना क्षेत्र के गांव बल्लिया निवासी अमरपाल और कादरचौक क्षेत्र के गांव बाराचिर्रा निवासी चंद्रपाल बाइक से शहर की ओर आ रहे थे। राजमार्ग पर जाते ही वजीरगंज की ओर से तेज रफ्तार से आई कार ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। बाइक सवार दोनों युवक दूर जा गिरे और गंभीर रूप से घायल हो गए।

- गुरुवार सुबह राजमार्ग पर बल्लिया मोड़ पर हुआ सड़क हादसा

हादसे के बाद पड़ी बाइक।

टक्कर मारने वाली कार।

कार छोड़कर उसका चालक मौके से भाग निकला। सूचना पर डायल 112 पहुंची। घायलों को भर्ती कराया। पुलिस ने कार को पकड़ लिया है।

हाईवे पर सूअर से टकराई बाइक तीन लोग घायल

बिल्सी, अमृत विचार : बिजनौर-बदायूं हाईवे स्थित गांव सिद्धपुर चित्रसेन के पास एक कोल्ड स्टोरेज के सामने गुरुवार को हादसा हो गया। सड़क पर अचानक आए एक सूअर से बाइक की भिड़ंत हो गई। हादसे में बाइक सवार तीन कोतवाली बिल्सी क्षेत्र के गांव गढ़ौली निवासी सोहनपाल पुत्र धीरपाल सिंह, उनके भाई ब्रजमोहन और गांव रायपुर मजरा निवासी देवचंद्र पुत्र नवाब सिंह बाइक से नगर बिल्सी से वापस लौट रहे थे। रास्ते में सिद्धपुर चित्रसेन स्थित कोल्ड स्टोरेज के सामने उनकी बाइक के सामने सूअर आ गया। सूअर को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित हो गई। बाइक सवार तीनों लोग हाईवे पर गिरकर घायल हो गए। आसपास के लोगों ने पुलिस को फोन करके सूचित किया। पुलिस की मदद से तीनों को सीएचसी ले जाकर इलाज कराया गया।

युवक की मौत, हत्या का आरोप

संवाददाता, कादरचौक

अमृत विचार : थाना कादरचौक क्षेत्र में ट्रैक्टर-ट्रॉली पलटने से चालक की मौत हो गई। परिजनों में कोहराम मच गया। परिजनों ने गांव के दो लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाया। थाने के सामने काफी देर तक हंगामा किया। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया।

विजय सिंह।

कादरचौक क्षेत्र के गांव लभारी निवासी विजय सिंह (34) पुत्र ख्याली बुधवार को अपने दो साथियों के साथ रेत लेने के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली से कोतवाली उझानी क्षेत्र में गए थे। वापस लौटते समय रात लगभग 12 बजे ककोड़ा-गिरौलिया मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रॉली पलट गई। विजय सिंह ट्रॉली के नीचे दब गए। मौके पर ही उनकी मौत हो गई। उनके दोनों साथी मौके से फरार हो गए।

सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। मृतक के परिजनों को सूचना देकर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिसके बाद परिजनों ने थाने के गेट पर जाकर हंगामा किया। मृतक के साथियों पर हत्या करने का आरोप लगाया। मृतक की पत्नी राम मुखी ने वह दोनों युवक योजना बनाकर उनकी पति को साथ में ले गए थे। ट्रैक्टर-ट्रॉली उनके ऊपर चढ़ाकर हत्या कर दी। मृतक के साथियों की गिरफ्तारी की मांग की। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। मामले की जांच की जा रही है। थानाध्यक्ष विक्रम सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हंगामा के दौरान ग्रामीणों को समझाते पुलिसकर्मी। ● अमृत विचार

- बुधवार रात ककोड़ा-गिरौलिया मार्ग पर पलटी ट्रैक्टर-ट्रॉली

वेबसाइट पर अपलोड हो रहीं सूचनाएं

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

- तहसीलों में एसडीएम की अध्यक्षता में गठित टीमों ने किया था सत्यापन
- जिले के 307 स्कूलों ने पोर्टल पर अपलोड की थी आधारभूत सूचनाएं

अमृत विचार : यूपी बोर्ड हाईस्कूल इंटरमीडिएट की परीक्षा के लिए केंद्र निर्धारण की प्रक्रिया चल रही है। जिले में संचालित माध्यमिक विद्यालयों की ओर से अपलोड की गई आधारभूत सूचनाओं के बाद तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा सत्यापन किया गया। सत्यापन का कार्य पूरा हो चुका है। सभी समितियों की रिपोर्ट शिक्षा विभाग को प्राप्त हो गई है। अब उन सूचनाओं को बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड किया जा रहा है। इसके बाद केंद्र निर्धारण करते हुए अनंतिम सूची जारी की जाएगी।

जिले में 308 माध्यमिक विद्यालय संचालित हैं। इनमें से 307 विद्यालयों के द्वारा बोर्ड परीक्षा में केंद्र बनाने के लिए आधारभूत सूचनाओं को विभाग की वेबसाइट पर अपलोड किया था।

विद्यालयों के द्वारा यह सूचनाएं दस नंबर तक अपलोड की गई थीं। विद्यालयों में केंद्र के तय मानक का भौतिक सत्यापन करने के लिए डीएम के द्वारा तहसील स्तर पर एसडीएम की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय समिति गठित की गई थी। तहसील स्तर पर गठित समितियों के द्वारा परीक्षा केंद्रों का भौतिक सत्यापन किया। सत्यापन की प्रक्रिया 17 नवंबर तक पूरी की गई।

आधारभूत सुविधा न होने वाले स्कूल नहीं बनेंगे परीक्षा केंद्र

जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि निर्धारित समय तक तहसील स्तर पर गठित समिति के द्वारा विद्यालयों का सत्यापन किया गया था। समिति द्वारा विद्यालयों में बेहतर शौचालय, विद्युतीकरण, बाउंड्रीवाल, सीसीटीवी कैमरे, पेयजल, कक्ष संख्या, परीक्षा कक्ष, चहारदीवारी, पेपर स्ट्रांग रूम, गेट, खिड़की, डबल लॉकर वाली अलमारी, एक्टिवेशन, डीवीआर, सीसीटीवी, रिकॉर्डर, राउटर, मॉनीटर, हाई स्पीड इंटरनेट की व्यवस्था को देखा गया था। जिन स्कूलों में एक भी सुविधा कम होगी, वह केंद्र नहीं बन सकेंगे।

"विद्यालयों के सत्यापन की प्रक्रिया पूरी हो गई है। रिपोर्ट भी आ गई है। अब विद्यालयों भौतिक संसाधनों की रिपोर्ट बोर्ड की वेबसाइट पर अपलोड कराई जा रही है। इस प्रक्रिया के पूरी होने के बाद ऑनलाइन केंद्र निर्धारण किए जाएंगे। इसके बाद बोर्ड के ऑनलाइन निर्धारण के बाद आपत्तियां भी ली जाएंगी।

– लालजी यादव, डीआईओएस

टीचर बीएलओ की ड्यूटी पर, छात्र कैसे बनेंगे निपुण

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : परिषदीय स्कूलों में 4 दिसंबर से निपुण असेस्मेंट टेस्ट होना है। महानिदेशक स्कूली शिक्षा के आदेश पर स्कूलों में तैयारी चल रही है, लेकिन एक हजार से अधिक शिक्षकों की ड्यूटी बीएलओ में लगी हुई है। इसके चलते स्कूलों में पढ़ाई बाधित है। ऐसी स्थिति में असेस्मेंट टेस्ट में बच्चे 75 फीसदी सवालों का सही जवाब कैसे दे पाएंगे। इसी कारण शिक्षकों की चिंता बढ़ गई है।

जिले में 2158 परिषदीय स्कूल संचालित हैं। इन स्कूलों में करीब 3.09 लाख बच्चे अध्ययनरत हैं। इन स्कूलों में 28 नवंबर से छमाही परीक्षाएं शुरू होने वाली हैं। यह परीक्षाएं 3 दिसंबर तक होंगी। इसके अगले दिन चार दिसंबर को असेस्मेंट टेस्ट होना है। असेस्मेंट में बच्चों ओएमआर सीट पर टेस्ट देना है। जिसमें बच्चों को भाषा और गणित में 75 फीसदी सवालों का सही जवाब देने होंगे। 75 फीसद सही जवाब देने पर ही उन्हें निपुण माना जाएगा। लेकिन समस्या यह है कि जिले में कार्यरत 6500 शिक्षकों में से एक हजार शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं।

"छमाही परीक्षा और असेस्मेंट टेस्ट की तैयारी चल रही है। यह सही कि कुछ शिक्षक बीएलओ की ड्यूटी कर रहे हैं जिसके चलते उन्हें दिक्कत हो रही है, लेकिन दोनों ही कार्य शासन की प्राथमिकता वाले हैं। बीईओ को परीक्षा और टेस्ट पारदर्शी तरीके से कराने के आदेश दिए गए हैं।

– वीरेंद्र कुमार सिंह, बीएसए

बदायूं डायरी

विद्यार्थी परिषद ने मनाई रानी लक्ष्मीबाई की जयंती

बदायूं, अमृत विचार : झांसी की रानी वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई की जयंती पर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जिला सहसवान की नगर इकाई सैदपुर की संगोष्ठी का आयोजन किया गया। प्रधानाचार्य वीरेंद्र सिंह और परिषद के जिला सह संयोजक आशीष देव मिश्रा ने रानी लक्ष्मीबाई की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित किए। जिला सह संयोजक ने कहा कि 1857 की क्रांति में रानी लक्ष्मीबाई ने महिलाओं को संगठित कर सेना तैयार की। जो अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी। संगठन इस दिन को नारी शक्ति के रूप में मनाती है। उनका नाम इतिहास के पन्नों में अमर रहेगा। उनकी देश प्रेम की भावना, कुशल नेतृत्व उन्हें सबसे अलग बनाती है। रानी लक्ष्मीबाई को शक्ति स्वरूप मां दुर्गा के रूप में भी देखा जा सकता है। जिला एसएफसी संयोजक शशांक शर्मा, जिला अग्रोविजन संयोजक विक्की मौर्य, तहसील संयोजक निशांत शर्मा आदि उपस्थित रहे।

पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में लगा कैरियर मेला

बदायूं, अमृत विचार : पीएम श्री राजकीय कन्या इंटर कॉलेज में कैरियर गाइडेंस कार्यक्रम के अंतर्गत कैरियर मेला का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने अपने रुचि के अनुसार चार्ट, पोस्टर, रंगोली की गतिविधियों के अलावा नाटक, कविता, भाषण, गीत, लोकनृत्य आदि का आयोजन किया गया। कैरियर काउंसलिंग कार्नर बनाया। बच्चों को कैरियर के बारे में बताया गया। इससे पहले मुख्य अतिथि प्रभारी जिला विद्यालय निरीक्षक गुलनबाज आलम, विशिष्ट अतिथि जिला सेवायोजन कार्यालय के परवेज अली खान, माध्यमिक के समग्र शिक्षा के जिला समन्वयक चंद्रभान यादव, प्रधानाचार्य अल्पना कुमार ने दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का आरंभ किया।

निबंध प्रतियोगिता में निधि प्रथम

बिल्सी, अमृत विचार : नगर के नन्नू मल जैन इंटर कॉलेज में गुरुवार को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की ओर से नशा मुक्ति अभियान के अंतर्गत धूम्रपान निषेध विषय पर निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया। निर्णायक मंडल द्वारा प्रतिभागियों के निबंधों का मूल्यांकन करने के बाद कक्षा 10 की छात्रा निधि माहेश्वरी को प्रथम स्थान पाया। प्रधानाचार्य डॉ. राजकमल गुप्ता, सचिन उपाध्याय, राजनाथ सिंह, लव कुमार सिंह, रूपेंद्र सिंह, चंद्रकला, कविता, प्रभा, अक्षय सक्सेना आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में नशा मुक्ति का आह्वान

ओरछी, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल शीर्ष पदाधिकारियों के निर्देश पर नगर पंचायत फैजगंज बेहटा में त्रिशूल दीक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम हुए। इसके बाद नगर में पथ संचलन किया गया। मुख्य अतिथि बजरंग दल के राष्ट्रीय संयोजक नीरज दोनोरिया ने आरंभ किया। सैकड़ों युवाओं को संबोधित करते हुए नशा मुक्त देश बनाने का आह्वान किया। विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, संगठन मंत्री तेजपाल, जिला सह संयोजक अर्पित गुप्ता, जिला सहमंत्री शुभम पाराशरी, जिला समरता प्रमुख लोकेश, प्रखंड संयोजक अंकित आदि उपस्थित रहे।

लिखा पत्र

आयुर्वेद के चारों अस्पतालों का रुका निर्माण कार्य, जल्द भेजी जाए स्वीकृत धनराशि

नहीं मिली किस्त, अधर में लटका निर्माण कार्य

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : आयुर्वेदिक पैथी के जनपद में चार अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है। अस्पताल निर्माण के लिए शासन से दूसरी किस्त न मिलने पर निर्माण कार्य अधर में लटका है। चारों अस्पताल का निर्माण कार्य बंद कर दिया गया है जिसके बाद आयुर्वेद विभाग ने शासन को पत्र लिख कर स्वीकृत शेष धनराशि अवमुक्त करने की मांग की है।

आयुर्वेद विभाग के जिले मे चार अस्पतालों का निर्माण किया जा रहा है। अस्पताल निर्माण के लिए शासन से पहली किस्त भी जारी कर दी गयी थी जिससे करीब 40 प्रतिशत निर्माण करा दिया गया है, जबकि अभी 60 प्रतिशत निर्माण कार्य शेष है जो धन के अभाव में बंद कर दिया गया है। आयुर्वेदिक पैथी के अस्पतालों में कुंवर गांव, सतेती, बोंदरी और जरीफनगर में बनाए जा रहे हैं। इनमें सबसे बड़ा अस्पताल जरीफनगर में बनाया जा रहा है। इन अस्पतालों के निर्माण को शासन से पहली किस्त जारी कर दी गई। इससे करीब 40 प्रतिशत निर्माण कार्य कर दिया गया, जबकि दूसरी किस्त नहीं मिलने से अब आगे का काम बंद कर दिया गया है। आयुर्वेदिक एवं यूनानी के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. योगेन्द्र सिंह ने मंगलवार को बताया कि शासन से दूसरी किस्त नहीं मिलने के कारण काम बंद कर दिया गया है। कार्यदायी संस्था ने साफ कहा है कि अब दूसरी किस्त मिलने पर ही अस्पतालों का निर्माण शुरू किया जाएगा। बताया कि जरीफनगर के अस्पताल की बिल्डिंग लगभग तैयार है। इस बिल्डिंग को दूसरी संस्था बना रही है। लेकिन अब अन्य कार्य बंद है। बोंदरी और कुंवरगांव, सतेती में केवल कुछ काम ही हुआ है। स्वीकृत धन की शेष राशि की मांग की गयी है। इसके लिए शासन को पत्र भी लिखा गया है।

बोंदरी में बनता आयुर्वेदिक अस्पताल।

क्लीनिक पर मिली गंदगी, थमाया नोटिस

कस्बा उझानी में आयुर्वेदिक डॉ. विकास प्रजापति काफी समय से आयुर्वेदिक दवाएं मरीजों को देते हैं। आयुर्वेदिक विभाग से उनका रजिस्ट्रेशन भी है। डॉ. विकास प्रजापति शुक्रवार को अपनी दुकान पर बैठे थे तभी एसीएमओ क्लीनिक पर पहुंच गए। उन्होंने क्लीनिक का रजिस्ट्रेशन मांगा जिस पर डॉ. विकास प्रजापति ने उन्हें रजिस्ट्रेशन दिखा दिया फिर भी एसीएमओ क्लीनिक पर गंदगी को लेकर नोटिस थमा दिया और सात दिन में जवाब देने को कहा। डॉ. विकास प्रजापति ने आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ. योगेंद्र सिंह को अवगत कराया। डॉ. योगेंद्र सिंह ने कहा कि एसीएमओ आयुर्वेद की दुकानों पर चेकिंग नहीं कर सकते। उन्हें यह अधिकार नहीं है। उन्होंने स्वयं मामले को देखने की बात कही है।

स्वयंसेवकों ने गृह संपर्क कर पहुंचाया संघ का संदेश

बिल्सी, अमृत विचार : राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में नगर में संघ का गृह संपर्क अभियान जोर पकड़ रहा है। गुरुवार को नगर संघचालक डॉ. उमेन्द्र कुमार गुप्ता के नेतृत्व में स्वयंसेवकों की टीम ने मोहल्लों में भ्रमण कर लोगों से संवाद स्थापित किया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने घर-घर जाकर साहित्य एवं भारत माता का चित्र भेंट करते हुए संघ के 100 वर्षों की यात्रा, उद्देश्यों और गतिविधियों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। गृह संपर्क अभियान में मुकेश कुमार, राजीव कुमार, सतीश चंद्र, नगर कार्यवाह अखिल मालपाणी, नमन कुमार, सुबोध कुमार, अशोक मिश्रा, आयुष, रजत सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक शामिल रहे।

न्यूज ब्रीफ

पुलिस से अभद्रता में वैन चालक पर रिपोर्ट

बबराला, अमृत विचार : बबराला में इंदिरा चौक पर ड्यूटी के दौरान ट्रैफिक पुलिस कर्मी से अभद्रता, धमकी देने और धक्का-मुक्की किए जाने के मामले में ईको गाड़ी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। यातायात प्रभारी दुष्यन्त कुमार बालियान की ओर से दी गई तहरीर के अनुसार, 19 नवंबर की शाम करीब 4 :30 बजे टीएसआई प्रमोद कुमार मान, मुख्य आरक्षी विकास यादव, होमगार्ड लालता प्रसाद और पीआरडी जवान रामपाल इंदिरा चौक पर यातायात चेकिंग ड्यूटी पर तैनात थे। इस दौरान एक ईको गाड़ी तेज रफ्तार और लापरवाही से चलते हुए चेकिंग बिंदु पर पहुंची। विकास यादव द्वारा रोकने का इशारा करने पर चालक ने अभद्र भाषा का प्रयोग किया। ईको की गति धीमी हुई तो विकास ने चालक से नीचे उतरने को कहा। इस पर चालक ने जान से मारने की धमकी दे धक्का-मुक्की की। हेड कांस्टेबल विकास यादव के पैर में चोट आई। आरोपी की पहचान भुवनेश शर्मा पुत्र राजेन्द्र शर्मा निवासी धनीपुर थाना जुनावई के रूप में हुई है। जांच के दौरान ई-चालान एप पर वाहन की जानकारी प्राप्त करने पर पाया गया कि उक्त ईको गाड़ी के विरुद्ध पहले से ही 27 चालान लंबित हैं, जिनकी कुल रकम लगभग 1 लाख 23 हजार 250 है।

सीओ ने किया थाना मूसाझाग का निरीक्षण

बदायूं, अमृत विचार : सीओ उझानी डॉ. देवेंद्र कुमार ने थाना मूसाझाग का त्रैमासिक निरीक्षण किया। उन्होंने थाने का मालखाना, हवालात, मैस, कार्यालय, महिला व साइबर हेल्प डेस्क, सीसीटीएनएस कार्यालय के अलावा अभिलेखों का रखरखाव देखा। आईजीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण को निर्देशित किया। सीओ ने क्षेत्र में गश्त करने, 10 साल में अपराधों में संलिप्त रहे अभियुक्तों के सत्यापन, अपराध में सक्रिय पाए जाने पर कार्रवाई करने को कहा।

सहसवान के सीओ बने अशोक कुमार सिंह

बदायूं, अमृत विचार : एसएसपी डॉ. बृजेश कुमार सिंह ने यातायात और सहसवान सीओ के कार्यक्षेत्रों में बदलाव किया है। यातायात के सीओ अशोक कुमार सिंह को सहसवान का सीओ बनाया गया है। उनके क्षेत्र में सहसवान, मुजरिया, जरीफनगर थाना रहेंगे। उनके अलावा सहसवान के सीओ कर्मवीर सिंह का यातायात का सीओ बनाया गया है।

तीन लोगों पर युवक को पीटने का आरोप

उझानी, अमृत विचार : उझानी नगर के मोहल्ला बाजार कला निवासी टिंकू गौतम ने वरी वाले बाईपास पर दुकान चलाने वाले तीन लोगों पर उसके साथ मारपीट करने का आरोप लगाया है। उन्होंने तहरीर देकर बताया कि वह एक काम से वरी वाले बाईपास गए थे। जहां दुकानदारों ने बिना किसी बात के उन्हें जमीन पर गिराकर 15 मिनट तक पीटा। जान से मारने की धमकी देते हुए भाग गए।

बिल्सी के मंदिर में की तोड़फोड़, शिकायत

बदायूं, अमृत विचार : अराजक तत्वों ने बिल्सी के शिव शक्ति कॉलोनी स्थित ब्रह्मदेव बाबा मंदिर में तोड़फोड़ की। मौके पर तनाव पैदा हो गया। मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर भाजपा कार्यकर्ता और पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों ने कहा कि सोची समझी साजिश करके धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का काम किया गया है। पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज चेक की है।

डार्क जोन के ब्लॉकों में डेढ़ करोड़ से बनेंगे पांच तालाब

तालाब निर्माण के लिए शासन ने दी मंजूरी, जारी की प्रथम किस्त

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : जिले में भूमिगत जल की स्थिति बेहद खराब है। चार ब्लॉक दशकों से डार्क जोन हैं, जो अभी तक उभरे नहीं हैं। इन ब्लॉकों को डार्क जोन से बाहर निकालने के लिए प्रशासन स्तर से तमाम प्रयास किए जा रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के बीच पानी का संचयन करने के लिए 1.50 करोड़ की लागत से तालाबों का निर्माण कराया जाएगा। इसकी शासन ने मंजूरी प्रदान करते हुए प्रथम किस्त जारी की है। बजट मिल पर विभाग स्तर से तालाब निर्माण कराने के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है।

जिले में चार ब्लॉक डार्क जोन में शामिल हैं। इन स्थिति बेहद क्रिटिकल है। डार्क जोन में शामिल अंबियापुर, इस्लामनगर, आसफपुर और बिसौली में भूमिगत जल दो से ढाई फुट नीचे चला गया है। यह चारों ब्लॉक बीते चार दशक से डार्क जोन में ही हैं। हालांकि साल 2016 के दौरान बिसौली ब्लॉक को डार्क से निकालकर सेमी क्रिटिकल में शामिल गया था, लेकिन भूमिगत जल का अत्याधिक दोहन होने की वजह से दो साल बाद फिर से क्रिटिकल में शामिल कर दिया गया। इन ब्लॉकों को डार्क जोन से बाहर निकालने के लिए प्रशासन की ओर से लगातार प्रयास हो रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के बीच इन ब्लॉकों में 1.50 करोड़ की लागत से पांच बड़े तालाबों का निर्माण कराया जाएगा। तालाबों के निर्माण के लिए लघु सिंचाई विभाग की ओर से जुलाई माह के दौरान प्रस्ताव भेजा गया था। इसकी स्वीकृति शासन स्तर से मिल गई है। साथ ही करीब 60 लाख धनराशि भी जारी कर दी है। शासन से स्वीकृति मिलने के बाद विभागीय अधिकारियों की ओर से तालाब निर्माण करने की प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है।

- **30 लाख से होगा एक तालाब का निर्माण, विभाग ने शुरू की तैयारी**

> डार्क जोन में शामिल पांच ब्लॉकों में पांच तालाबों का निर्माण होना है। तालाब निर्माण में 1.50 करोड़ की लागत आएगी। शासन से स्वीकृति मिल गई है। तालाब निर्माण की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।
>
> **- बीएन सुमन**, सहायक अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई

तालाब के किनारे लगाए जाएंगे पौधे

डार्क जोन में शामिल ब्लॉकों में पांच तालाबों का निर्माण होना है। जिसकी स्वीकृति शासन स्तर से मिल गई है। एक तालाब के निर्माण पर तीस लाख रुपये खर्च होंगे। जिससे बरसात का पानी संचय हो सके। तालाब के किनारों पर छायादार पौधे लगाने के साथ ही लोगों के टहलने के लिए पथ भी बनाया जाएगा। लघु सिंचाई विभाग की ओर से डार्क जोन शामिल ब्लॉकों के पांच गांवों में तालाब का निर्माण होना है। अंबियापुर ब्लॉक के गांव रोहान और जरावन में तालाब का निर्माण होगा। इसके अलावा बिसौली के गांव आलमपुर, आसफपुर ब्लॉक के गांव सीकरी और इस्लामनगर ब्लॉक के गांव चिचैटा में तालाब का निर्माण होगा। जिसकी तैयारी विभाग स्तर पर चल रही है।

सैनिक के बंद मकान का ताला तोड़कर हजारों की चोरी

ओरछी, अमृत विचार : चोरों ने एक बंद मकान को निशाना बनाया। ताला तोड़कर नगदी समेत हजारों के जेवर चोरी करके ले गए। फैजगंज बेहटा क्षेत्र के गांव जैतपुर निवासी धर्मवीर सिंह सैनिक हैं। वह देहरादून में तैनात हैं। पत्नी और बच्चे बरेली रहते हैं। परिवार कभी कभार ही गांव आता है। चोर मकान का ताला तोड़कर भीतर दाखिल हुए। संदूक से पीतल के बर्तन, सोने के एक जोड़ी कुंडल, पांच सौ रुपये चोरी कर लिए। छुट्टी पर आए धर्मवीर सिंह ने बुधवार को पुलिस को तहरीर दी। थानाध्यक्ष राजकुमार सिंह ने बताया कि तहरीर प्राप्त हुई है। मामले की जांच की जा रही है।

सैनिक के घर में खुले पड़े बक्से।

पांच प्रतिशत बढ़े दमा के मरीज

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सर्दी शुरू होते ही दमा के मरीजों की संख्या बढ़ने लगी है जिससे क्षय रोग सेंटर पर सैकड़ों मरीज पहुंच रहे हैं। डॉक्टर का कहना है कि सर्दी के मौसम में हर साल श्वास रोगी बढ़ते हैं। इनकी जांच करने के बाद ही दवा दी जाती है।

गुरुवार को जिला अस्पताल स्थित क्षय रोग केंद्र पर करीब दो सौ मरीज पहुंचे। इनमें 75 नए मरीज थे जबकि अन्य पुराने मरीज थे। मरीजों की भीड़ दोपहर तक लगी रही। क्षय रोग चिकित्सक डा. विनेश कुमार ने बताया कि आज अन्य दिनों की अपेक्षा अधिक मरीज आए हैं। कहा कि अब सर्दी का मौसम शुरू हो चुका है इसलिए दवा के मरीजों की मुश्किलें बढ़ने लगे हैं। नए मरीजों के बलगम की जांच कराई जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही दवा दी जाएगी। जबकि पुराने क्षय रोगियों को दवा दी गयी। चिकित्सक ने बताया कि इस समय पिछले दिनो की अपेक्षा पांच प्रतिशत मरीज बढ़े हैं। यदि ठंड और तेज होगी तो मरीजों की संख्या भी बढ़ेगी। उन्होने कहा कि दवा के मरीजों को ऐसे में मौसम में घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। दिन में दो से तीन बार गर्म पानी लेना चाहिए जिससे उनके अंदर कुछ गर्मी बनी रहे।

दमा रोगियों को देखते डॉ. विनेश कुमार।

डीएपी न मिलने पर किया हंगामा

संवाददाता, विजय नगला

अमृत विचार : इफको किसान सेवा केंद्र पर अलख सुबह पहुंचे सैकड़ों किसानों को घंटों तक लाइन में लगने के बाद भी खाद नहीं मिली तो किसानों ने भारी हंगामा किया। बाद में परेशान होकर खाली हाथ घर लौट गए।

इस संबंध में इसको एरिया मैनेजर जितेंद्र गंगवार ने बताया उक्त केंद्र पर डीएपी खाद आई है। वितरण भी हो रहा है लेकिन नेट सिस्टम में खराबी आने के कारण विलंब हो गया । जिस कारण परेशानी हो गई। जिले की समितियों द्वारा इफको के लिए पैसा जमा नहीं किया गया है इसलिए समितियों पर डीएपी और यरिया खाद नहीं भेजा गया है गोदाम में खाद का भंडार है समिता पैसा विलंब से भेज रही हैं। जिला कृषि अधिकारी मनोज कुमार रावत ने बताया हजारों मीट्रिक टन खाद आ रहा है समितियां का पैसा देर से जमा होने के कारण समितियों पर खाद नहीं पहुंच सकी है। जल्द ही पर्याप्त मात्रा में खाद पहुंच रही है। इफको केंद्र पर ग्राम कुलचौरा, इकलहरी, रसूलपुर, पडौआ, नरऊं खुर्द, लखनपुर ,नगला शर्की समेत दो दर्जन से अधिक गांवों के किसानों ने हंगामा किया। इस मौके पर दीनदयाल, राधेश्याम, ब्रिज गोपाल, रामदास, हरपाल, जसवंत, सियाराम आदि किसान मौजूद रहे।

खाद लेने को लाइन में लगे ग्रामीण और महिलाएं। • अमृत विचार

गाय चोरी के शक में दो युवकों को पीटा

बदायूं, अमृत विचार : गाय चोरी के शक में कुछ लोगों ने दो युवकों की पिटाई लगा दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों को लोगों से छुड़ाया। दोनों को थाने ले जाया गया है। घटना शहर के लाबेला चौक की है। गद्दी चौक निवासी आदिल पशु पालकर दूध का व्यापार करते हैं। गुरुवार शाम दूध निकालने के बाद उन्होंने गाय को छोड़ दिया था। दो युवक पहुंचे और गाय को ले जाने लगे।

फंदे से लटका मिला शव

कार्यालय संवाददाता, संभल

अमृत विचार: रायसत्ती थाना क्षेत्र में चावल से भरे ट्रक के केबिन में चालक का फंदे से लटका मिला। परिजनों ने युवक की हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है।

गुरुवार सुबह करीब 7 बजे संभल जोया मार्ग पर रायसत्ती बस अड्डे से मात्र सौ मीटर दूर खड़े चावल से लदे ट्रक में ड्राइवर का शव फंदे से लटका देखा गया। ट्रक में शव की जानकारी पर बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। पुलिस के प्रयास से करीब एक घंटे बाद मृतक की पहचान 20 वर्षीय आसिफ पुत्र शाहिद निवासी टंकी के पास, मोहल्ला डेरा सराय, थाना रायसत्ती के रूप में हुई। बताया गया कि आसिफ ट्रक चालक था और बिहार से चावल व अन्य सामान लेकर संभल आता-जाता था। यह भी बताया गया कि जिस ट्रक में आसिफ का शव मिला वह उसी ट्रक को चलाता था। लोगों के अनुसार देर रात 12 से 1 बजे के बीच आसिफ को ट्रक के आसपास घूमते हुए देखा गया था। पुलिस ने शव का पंचनामा भरते हुए पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आसिफ की मौत की खबर पर परिजन भी मौके पर पहुंच गये। परिजनों ने आसिफ की हत्या कर शव लटका देने का आरोप लगाया। मां अमजदी सहित सभी परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। थानाध्यक्ष बोबिंद्र कुमार ने बताया कि ट्रक ड्राइवर का शव फंदे से लटका मिला है। परिजनों की ओर से अभी कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

मृतक के परिजनों से बात करते थाना प्रभारी।

दूध से निर्मित खाद्य वस्तुएं हुई महंगी

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

अमृत विचार : सहालग सीजन में महंगाई आसमान छू रही है। सब्जियों के साथ दूध से निर्मित खाद्य वस्तुओं के दाम भी बढ़ गए हैं। दूध पांच रुपये और पनीर 30 रुपये महंगा हो गया है। वहीं दही के दामों में भी 20 रुपये का इजाफा हो गया है। ऐसे में शादी समारोह के आयोजकों को महंगाई की मार झेलनी पड़ रही है।

सहालग शुरू होने से पूर्व अक्टूबर माह के दौरान दूध 60 रुपये लीटर बिक रहा था। वहीं पनीर 350 रुपए किलो बिक रहा था। देव एकादशी के बाद मांगलिक कार्यक्रमों की शुरूआत होने के बाद एकाएक खाद्य वस्तुओं के दामों में इजाफा होने लगा। सब्जियों के दाम 10 से बीस फीसद अधिक हो गए। टमाटर अक्टूबर माह में बीस से 25 रुपये बिक रहा था। अब वह 60 से 70 रुपये किलो बिक रहा है। खीरा भी 50 से 60 रुपये बिक रहा है। वहीं दूध और दूध से बने खाद्य पदार्थ भी महंगे हो गए हैं। 60 रुपए किलो बिकने वाला दूध 65 रुपये किलो और पनीर 380 रुपये किलो बिक रहा है। पनीर के दाम अक्टूबर माह के दौरान 350 रुपए और दूध 60 रुपये किलो बिक रहा था। खोया भी 350 रुपये बिक रहा है। जबकि 15 से 20 दिन पूर्व तक खोया 280 से 300 रुपये तक बिक रहा था। ऐसी स्थिति में दूध की उपलब्धता को लेकर प्रतिष्ठानों पर बुकिंग व्यवस्था अपनाई जा रही है। वहीं, पशुपालकों से दूध कलेक्शन को लेकर गांव-गांव संपर्क चल रहा है। बाजार में अधोमानक पनीर खुलेआम बिक रहा है। घटिया पनीर की मंडी कहे जाने वाले बिनावर क्षेत्र में रात दिन भट्ठियां धधक रहीं हैं। इस क्षेत्र से रोजाना एक टन से अधिक घटिया पनीर की सप्लाई बरेली, दिल्ली, मुरादाबाद, शाहजहांपुर सहित अन्य स्थानों पर हो रही है। जिसकी जानकारी खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारियों को भी है।

- **बाजार में दूध 65 रुपये और पनीर 380 रुपये बिक रहा**

दूध के दाम पर हो रही पानी की बिक्री

सहालग सीजन में दूध और दूध से बने खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ी है। उत्पादन कम और मांग अधिक होने की वजह से दूध का कारोबार करने वाले उसमें मिलावट कर रहे हैं। जानकार बताते हैं कि दूध का कारोबार करने वाले 40 प्रतिशत में 60 प्रतिशत पानी मिलाकर बेच रहे हैं। बताते हैं कि पानी मिले दूध की सप्लाई पूरे शहर में हो रही है। जिसकी जानकारी भी खाद्य सुरक्षा विभाग को हैं। लेकिन खाद्य सुरक्षा विभाग के अधिकारी दूध में पानी मिलाकर बेचने वालों पर कार्रवाई करने के स्थान पर उसे नजर अंदाज किए हैं।

> खाद्य सुरक्षा विभाग को दूध और उससे बनी खाद्य वस्तुओं में मिलावट रोकने लिए कार्रवाई करने को कहा गया है। बाजार में मिलावटी खाद्य पदार्थों की बिक्री न होने पाए इसके लिए नियमित निरीक्षण करने को कहा गया है। अगर खाद्य विभाग द्वारा कार्य सैंपलिंग नहीं की जा रही है तो जानकारी की जाएगी। साथ ही रोजाना सैंपलिंग किए जाने को कहा जाएगा।
>
> **- अरुण कुमार**, एडीएम प्रशासन

पूर्वोत्तर रेलवे

ई-प्रापण निविदा सं0 उपमु0इं0-निर्माण-एलजेएन-10-2025

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदाएं आमंत्रित करते है। **क्र0 सं0 :** (1) **खुली निविदा संख्याः उपमु0इं0-नि0-एलजेएन-10-2025 दिनांक 19.11.2025 कार्य का नामः** पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल में बुढ़वल-बाराबंकी तीसरी लाईन परियोजना के अन्तर्गत बुढ़वल यार्ड में फार्मेशन कार्य, प्लेटफार्म कार्य भवन निर्माण कार्य, पी0वे0 कार्य एवं अन्य कार्य के साथ-साथ बिन्दौरा यार्ड में भवन, पहुँच मार्ग और अन्य विविध कार्यों का निष्पदान। **अनुमानित निविदा मूल्य :** 39,90,19,087.36 **बयाना राशि (रु) :** 21,45,100.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य (रु0) :** निल। **कार्य पूर्ण करने की अवधि :** 18 (अठारह) माह। ● **क्रम सं0-1 :** ई-टेण्डर डालने की अंतिम तिथि 12.12.2025 समय 15.00 बजे तक है तथा उसी दिन 15.30 बजे मुख्य प्रशासनिक अधिकारी/निर्माण/पूर्वोत्तर रेलवे/गोरखपुर के कार्यालय मे खोली जायेगी। ● निविदा सूचना योग्यता मापदण्ड, नियम एवं भातें बेवसाइट **http://ireps.gov.in.** अथवा बेवसाइट **www.ner.indianrailways.gov.in.** पर भी देखा जा सकता है। ● निविदा सूचना मे यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों मे कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण-II लखनऊ

मुजाधि/डब्लू-339

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा

निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा भारत के राष्ट्रपति की ओर से वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (सा.)/इज्जतनगर द्वारा आमंत्रित की जाती हैः- **क्र. सं. 01. खुली ई-निविदा सूचना सं.: इज्जत/इलै./ओ.टी/28/2025 दि. 18.11.2025 कार्य का नामः** नैनीताल होली डे होम में NV सीरीज सूटों के उपर 07 सूटों के निर्माण से सम्बन्धित विद्युत कार्य और मण्डल चिकित्सालय, इज्जतनगर में ICCU वार्ड, अधिकारी केबिन, दंत चिकित्सा कक्ष, पोस्ट ऑपरेटिव वार्ड, पैथेलॉजी और OT, ICCU अधिकारी केबिन आदि की छत उपचार में सुधार और भोजीपुरा टी.आर.डी. डिपो में बारवेड वायर बाउंड्री वाल, दो स्टोर रूम, दो जीप ट्रक शेड और मॉडल OHE की व्यवस्था तथा काठगोदाम और लालकुआं में पुराने/जीर्ण-शीर्ण 28 नग टाइप-II आवासो के बदलाव से सम्बन्धित विद्युतीय कार्य। **विवरण अनुमानित लागत (रु. में) :** 76,29,856.65 **धरोहर राशि रु. में :** 1,52,600.00 **निविदा प्रपत्र का मूल्य रु. में :** शून्य **निविदा का प्रकार :** खुली निविदा। **ई-निविदा जमा करने की अंतिम तिथि व समय :** 11.12.2025 15.00 बजे तक। **स्वीकृति पत्र जारी करने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधिः** आठ माह। ● इस निविदा के लिए किसी भी तरह के मैनुअल प्रस्तावों की अनुमति नहीं है और किसी भी तरह के प्राप्त मैनुअल प्रस्ताव को नजरअंदाज कर दिया जाएगा। ● पूर्ण विवरण वेबसाइट, **http://www.ireps.gov.in.** पर अपलोड कर दिया गया है। ● निविदादाता के पास क्लास-III डिजीटल हस्ताक्षर प्रमाण पत्र होना आवश्यक है और IREPS_पोर्टल पर रजिस्टर होना चाहिए। ● सभी आवश्यक दस्तावेज ई-निविदा में भाग लेने के समय में अपलोड किये जाने चाहिए। ● निविदादाता को सलाह दी जाती है कि वे समय-समय पर ऑन लाइन जारी किए गए शुद्धिपत्र की जॉच करे, यदि कोई हो। समाचार पत्र में अलग से कोई प्रकाशन जारी नही किया जाएगा।

सहायक मंडल विद्युत इंजी/कोचिंग/इज्जतनगर

मुजाधि/विद्युत-190

ट्रेनों में बीड़ी/सिगरेट न पियें

कार्यालय उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मीरगंज, बरेली

1. रामलाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली **बनाम** 1. महीपाल पुत्र मुन्नालाल निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 2. सोमवती पत्नी मुन्नालाल निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 3. देवेन्द्र स्वरूप पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना तहसील मीरगंज जिला बरेली 4. झांजन लाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली 5. भगवान दास पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली

अन्तर्गत धारा-116 राजस्व संहिता- 2006 आराजी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली

चूंकि रामलाल पुत्र टीकाराम निवासी ग्राम ढकिया परगना कांवर तहसील मीरगंज जिला बरेली ने धारा-116 राजस्व संहिता-2006 वाद दायर किया है। लिहाजा आपको हुक्म दिया जाता है। कि आप तारीख 21.11.2025 को असालतन या मार्फत किसी वकील के जो मुकदमा हाजा से बखूबी वाकिफ हो और जो मुकदमा माहाजा को जवाब दे होकर मय कागजात मुकदमा के हाजिर हो वरना गैरहाजरी में मुकदमा हाजा फैसला कर दिया जायेगा। आज तारीख 14.11.2025 मेरे हस्ताक्षर एवं मुहर अदालत से जारी किया गया।

उप जिलाधिकारी (न्यायिक) मीरगंज, बरेली

कार्यालय नगर पंचायत अल्हागंज जनपद-शाहजहांपुर

पत्रांक: 193/न.पं.अ./अति.अ.निविदा/2025-2026 दिनांक: 20.11.2025

सूचना

नगर पंचायत अल्हागंज में शीतलहर में अलाव लगवाने हेतु सूखी लकड़ी जलानी प्रति कुन्तल, लकड़ी/मूंगफली का छिलका प्रति कुन्तल, लकड़ी का बुरादा प्रति कुन्तल, जूट / बोरा कतरन प्रति कुन्तल, धान भूषी प्रति कुन्तल, गोबर के कन्ड़े प्रति सैकड़ा की आवश्यकता है। इच्छुक फर्मो/आपूर्तिकर्ताओं/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत अल्हागंज में उक्त सामग्री दरें दिनांक 26.11.2025 तक कार्यालय समयावधि में आमंत्रित की जाती है। जो तद्दिनांक को सायं 03 बजे खोली जायेगी।

अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत अल्हागंज शाहजहांपुर | **अध्यक्ष नगर पंचायत अल्हागंज शाहजहांपुर**

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक 122, सिविल लाइन्स, बरेली।

सर्व साधारण को सूचना

परिषद की राजेन्द्र नगर यो०सं०-2, बरेली में स्थित एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 श्री बदन सिंह भदौरिया पुत्र स्व० श्री जगमोहन सिंह को आवंटित किया गया। श्री बदन सिंह भदौरिया पुत्र स्व० श्री जगमोहन सिंह द्वारा अपना मुख्यारेआम श्री रंजीत सिंह भदौरिया पुत्र श्री बदन सिंह भदौरिया को नियुक्त कर दिया गया। श्री रंजीत सिंह भदौरिया पुत्र श्री बदन सिंह भदौरिया द्वारा मुख्त्यारेआम के आधार पर अपने पक्ष में डीड निष्पादित कराने के उपरान्त भवन का विक्रय श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली को कर दिया गया। अब श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली द्वारा अवगत कराया गया है कि मेरे द्वारा काफी तलाशने के उपरान्त भी विक्रेता का कोई अता-पता नहीं चल पा रहा है जिस कारण मैं उनके कोई भी प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत नहीं कर पा रहा हूं। इस हेतु परिषद नियमानुसार जो भी कार्यवाही हो मैं करने को तैयार हूं तथा उक्त भवन को अपने पक्ष में अन्तरण कराने हेतु ऑन लाईन प्रार्थना पत्र के माध्यम से परिषद नियमानुसार प्रपत्र कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं। अतः एतद्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है राजेन्द्र नगर यो०सं०-2 बरेली में स्थित एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 का अन्तरण श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली के पक्ष में किया जाना है। एस०एफ०एस० भवन सं०-सी-28 के अन्तरण में किसी प्रकार की यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर कार्यालय में साक्ष्य सहित आपत्ति दाखिल कर सकते हैं। समय सीमा व्यतीत हो जाने के उपरान्त किसी भी आपत्ति पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा तथा तदनुसार सम्पत्ति का अन्तरण श्री वीरेन्द्र कुमार खण्डेलवाल पुत्र स्व० श्री कृष्ण मुरारी डायरेक्टर नील कमल साडीज प्राइवेट लिमिटेट बरेली के पक्ष में करने की कार्यवाही अमल में लायी जायेगी।

आज्ञा से सम्पत्ति प्रबन्धक

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर

पत्रांक 6032/352सी/ई-टेण्डर-सी0खी0/2025-26 दिनांक 07.11.2025

-ई-प्रोक्योरमेण्ट निविदा सूचना-

महामहिम राज्यपाल महोदय उ0प्र0 की ओर से लोक निर्माण विभाग उ0प्र0 में *"मार्ग निर्माण कार्य"* हेतु पंजीकृत निविदादाताओं से ई-टेण्डरिंग के माध्यम से नीचे दर्शाये गये कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है।

कृषि विपणन सुविधाओं के अन्तर्गत नव निर्माण के कार्य

क्र0 सं0	जनपद/खण्ड का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (रू0 लाख में)	अनुरक्षण लागत (रू0 लाख में)	कुल लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य समस्त कर सहित (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सहित)	ठेकेदार की पंजीयन की श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1-	खीरी/प्रा0खं0	विकास खण्ड मितौली में ककरहापुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	73.40	5.40	78.80	5.94	2715.00	06 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	A, B,
2-	खीरी/प्रा0खं0	विकास खण्ड मितौली में रमपुरवा सम्पर्क मार्ग का निर्माण कार्य	84.70	6.30	91.00	6.55	2715.00	06 माह कार्य की अवधि एवं 05 वर्ष अनुरक्षण के साथ	A, B,

बिड डाक्यूमेन्ट वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर दिनांक 25.11.2025 से 05.12.2025 तक उपलब्ध है जो कि दिनांक 05.12.2025 को समय अपराह्न 12:00 बजे तक अपलोड किये जा सकते है। इसकी तकनीकी बिड दिनांक 05.12.2025 को अपराह्न 12:30 बजे खोली जायेगी।

(तरूणेन्दु त्रिपाठी) अधिशासी अभियन्ता प्रान्तीय खण्ड, लो0नि0वि0, लखीमपुर खीरी | (सतीश कुमार) अधीक्षण अभियन्ता सीतापुर/खीरी वृत्त, लो0नि0वि0, सीतापुर।

UP-240738 दिनांक 18.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बदायूँ/पीलीभीत वृत्त, लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक 8158/533सी0(ई-टेण्डर)-08/2025-26 दिनांक 06.11.2025

ई0-निविदा आमंत्रण सूचना

1. महामहिम राज्यपाल महोदय, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बदायूँ/पीलीभीत वृत, लो0नि0वि0, बरेली के द्वारा निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, पीलीभीत के क्षेत्र के अन्तर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ई0-निविदा प्रतिषत दरों पर आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र बेवसाइट/पोर्टल पर दिनांक 25.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की मध्यान्ह 12:00 बजे तक उपलब्ध रहेगें एवं तकनीकी विड दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी।
2.

क्र0 सं0	कार्य का नाम	लागत (लाख रू0 में) अनुमानित लागत	05 वर्षीय अनुरक्षण की लागत	कुल अनुमानित लागत	विड सिक्यूरिटी (रू0 लाख में)	बिड डाक्यूमेन्ट का मूल्य (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने का समय	फर्म/ठेकेदारों की आवष्यक पंजीकरण श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	7	7
1	तेजनगर से कुकरीखेड़ा रोड से होते हुए ग्राम पंचायत सरौरा तक मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	132.00	8.50	140.50	9.03	2714.00	12 माह	A & B
2	मुडिया कुंडरी सम्पर्क मार्ग पर गांव जगीपुर जैतपुर से गांव कोकिला तक सम्पर्क मार्ग का नवनिर्माण कार्य।	64.50	3.80	68.30	5.42	2714.00	06 माह	A, B & C

2. निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तो हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(एस.के. जैन) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1, लोनिवि, पीलीभीत | (के0के0 सिंह) अधीक्षण अभियंता बदायूँ/पीलीभीत वृत, लोनिवि, बरेली

UP-240831 दिनांक 18.11.2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
बरेली वृत लो0नि0वि0, बरेली

पत्रांक : 11286/142सी0(ई0टेण्डर)-3/25 दिनांक: 14.11.2025

ऑन-लाइन अल्पकालीन निविदा आमंत्रण सूचना

1- महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधीक्षण अभियन्ता, बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली के अंतर्गत निम्न तालिका में अंकित विवरण के अनुसार ऑन-लाइन ई-निविदा दिनांक 22.11.2025 से दिनांक 05.12.2025 की अपरान्ह 12:00 बजे तक आमंत्रित कर दिनांक 05.12.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे खोला जाना प्रस्तावित किया गया है:-

क्र0 सं0.	कार्य का नाम	खण्ड का नाम	लागत: सिविल कार्य की लागत (रू0 लाख में)	05 वर्ष अनुरक्षण की लागत (रू० लाख में)	कुल लागत (4+5) (रू० लाख में)	धरोहर धनराशि (रू0 लाख में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (निविदा शुल्क+ स्टेशनरी+ जी0एस0टी0) (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ठेकेदारो की पात्रता श्रेणी
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
1	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत परोतन सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।	निर्माण खण्ड-1 लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर	76.00	5.70	81.70	6.10	2725.00	6 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
2	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत सुखनईया से झकरेली पश्चिम लगेवा नगला सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।		86.60	6.50	93.10	6.66	2725.00	6 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
3	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत मुस्तफानगर से रहीमादासपुर सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।		99.00	7.40	106.40	7.32	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)
4	जनपद शाहजहाँपुर में वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत डींगुरपुर सहजापुर मार्ग से चकवाजिद सम्पर्क मार्ग का नव निर्माण कार्य।		126.00	7.00	133.00	8.65	2725.00	12 माह	'ए' 'बी' (मार्ग कार्य)

2- निविदा दस्तावेज एवं निविदा हेतु आमंत्रण के विस्तृत नियम एवं शर्तों हेतु वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर लॉग ऑन किया जा सकता है।

(रथिन सिन्हा) अधिशासी अभियन्ता निर्माण खण्ड-1, लो0नि0वि0, शाहजहाँपुर | (प्रकाश चन्द्र) अधीक्षण अभियन्ता बरेली वृत, लो0नि0वि0, बरेली

UP - 240883 **दिनांक:** 19/11/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	85,632.68	26,192.15
बढ़त	446.21	139.50
प्रतिशत में	0.52	0.54

सोना 1,26,700
प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,58,000
प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, शुक्रवार, 21 नवंबर 2025
www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2550, राज श्री 1790, फ़ॉर्चून कि. 2225, रविन्द्रा 2455, फॉर्चुन 13 किग्रा 1955, जय जवान 1975, सचिन 2020, सूरज 1975, अवसर 1890, उजाला 1920, गृहणी 13 किग्रा 1885, क्लासिक (किग्रा) 2130, मोर 2170, चक्र टिन 2315, ब्लू 2115, आशीर्वाद मस्टर्ड 2360, स्वास्तिक 2505

किराना : निजामाबाद 17000, जीरा 24500, लाल मिर्च 14000-18000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 6000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 31000, (प्रतिकि0) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 840, किसमिस पीली 300-400, मखाना 800-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9700, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 5050, शर्बती स्टीम 5200, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7400, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350,लाडली 4000

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12000-13400, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छँटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 10000-11600, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 9900, उड़द धोवा इंदौर 11800, उड़द धोवा 9800-10400,चना काला 7050, दाल चना 7450, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8000, चना अकोला 6800, डबरा 6900-8800, सच्चा हीरा 8500, मोटा हीरा 10400, अरहर गोला मोटा 7800, अरहर पटका मोटा 8300, अरहर कोरा मोटा 8700, अरहर पटका छोटा 10000-10600, अरहर कोरी छोटी 11000

चीनी : पीलीभीत 4320, द्वारकेश 4300,

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 4300, मसूरी- 1100, बासमती- 8000, परमल- 2200

दाल दलहन : काला चना- 5000, साबुत चना दाल- 5100, मूंग साबुत- 7100, राजमा- 10000-12100, दाल उड़द- 7100, साबुत मसूर दाल- 5600, मसूर दाल- 4100, उड़द साबुत- 7000, काबुली चना- 10200, अरहर दाल- 10200, लोबिया/करमानी- 4200

केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का अच्छा भंडार

आरबीआई गवर्नर मल्होत्रा बोले- रुपये के लिए किसी भी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाया, डॉलर की मांग से गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने गुरुवार को कहा कि केंद्रीय बैंक ने रुपये के लिए किसी भी स्तर का लक्ष्य नहीं बनाया है और घरेलू मुद्रा में हाल में आई गिरावट की वजह डॉलर की मांग में तेजी है।

गवर्नर ने कहा कि केंद्रीय बैंक के पास विदेशी मुद्रा का काफी अच्छा भंडार है और बाह्य क्षेत्र को लेकर चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकॉनमिक्स में वीकेआरवी राव स्मृति व्याख्यान में मल्होत्रा ने कहा कि आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रणाली में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है और केंद्रीय बैंक जहां तक संभव हो, आवश्यक सुरक्षा उपायों एवं सुरक्षा-व्यवस्था को बनाए रखते हुए विनियमनों को सरल बनाने का प्रयास कर रहा है।

● मल्होत्रा बोले- आरबीआई की सर्वोच्च प्राथमिकता में वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करना है

डॉलर के मुकाबले रुपये के अवमूल्यन से जुड़े सवाल पर उन्होंने विश्वास जताया कि भारत, अमेरिका के साथ एक अच्छा व्यापार समझौता करेगा और इससे देश के चालू खाता शेष पर दबाव कम होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय रुपये का हालिया अवमूल्यन व्यापारिक गतिविधियों और अमेरिकी शुल्क मुद्दों के कारण है। मल्होत्रा ने कहा कि हम किसी स्तर को लक्ष्य नहीं बनाते। रुपये में गिरावट क्यों आ रही है? ऐसा मांग के कारण है...यह एक वित्तीय साधन है। डॉलर की मांग है और यदि डॉलर की मांग बढ़ती है तो रुपये में गिरावट आती है। यदि रुपये की मांग बढ़ती है तो डॉलर में गिरावट आती है और रुपया मजबूत होता है। अमेरिकी मुद्रा में व्यापक मजबूती एवं अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की कम होती संभावनाओं के बीच रुपया गुरुवार को 23 पैसे टूटकर 88.71 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व की बैठक से जुड़े ब्योरे में दिसंबर में नीतिगत दर में कटौती न करने का संकेत मिलने के बाद डॉलर में तेजी आई है और यह 100 के स्तर के पार पहुंच गया। इससे घरेलू मुद्रा पर दबाव बढ़ा है। बैंकिंग क्षेत्र से जुड़े एक अन्य सवाल के जवाब में गवर्नर ने कहा कि जिस तरह से भारतीय बैंक प्रदर्शन कर रहे हैं, बहुत जल्द उनमें से कुछ शीर्ष 100 वैश्विक ऋणदाताओं में शामिल होंगे।

दुनिया की शीर्ष 100 बैंकों की सूची में जल्दी होंगे भारतीय बैंक

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बृहस्पतिवार को कहा कि आर्थिक विस्तार और बैंकिंग प्रणाली में वृद्धि की गति को देखते हुए, भारत के और भी घरेलू बैंक जल्द ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों की सूची में शामिल होंगे। मल्होत्रा ने छात्रों को बताया कि कहा कि आरबीआई भारत के कई बड़े बैंकों को वैश्विक सूची में शामिल नहीं कर सकता। जबकि इसमें उन्हें शामिल होना चाहिए। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और निजी क्षेत्र में कई बैंक हैं। जिस गति से वे बढ़ रहे हैं, मुझे लगता है कि यह केवल समय की बात है कि दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में हमारे कई बैंक शामिल होंगे। वर्तमान में, केवल भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक ही दुनिया के शीर्ष 100 बैंकों में शामिल हैं। ये दोनों बैंक क्रमशः 43वें और 73वें स्थान पर हैं। इस महीने की शुरुआत में, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी कहा था कि देश को बड़े और वैश्विक स्तर के बैंकों की जरूरत है और इस संबंध में रिजर्व बैंक और वित्तीय संस्थानों के साथ बातचीत जारी है। उन्होंने कहा था कि यह मौजूदा बैंकों से नए बैंक बनाने से नहीं हो सकता... विलय भी एक रास्ता हो सकता है। सही मायने में आपको एक ऐसे परिवेश की जरूरत है जिसमें ज्यादा बैंक काम कर सकें और आगे बढ़ सकें। भारत में यह माहौल पहले से ही अच्छी तरह से स्थापित है, लेकिन मुझे और ज्यादा गतिशील होने की जरूरत है...।

भारत में इजरायली कंपनियों के लिए निवेश के बड़े अवसर : गोयल

तेल अवीव, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत में इजराइली कंपनियों के लिए निवेश के काफी अवसर हैं और दोनों देशों के उद्योग बुनियादी ढांचे के विकास, विनिर्माण और कृत्रिम मेधा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा सकते हैं।

गोयल ने कहा कि दोनों देशों के बीच सहयोग के अन्य क्षेत्रों में वित्तीय प्रौद्योगिकी, कृषि प्रौद्योगिकी, मशीन लर्निंग, क्वांटम कंप्यूटिंग, औषधि, अंतरिक्ष और रक्षा शामिल हैं। उन्होंने इजराइल के आर्थिक मामलों के मंत्री नीर बरकत के साथ भारत-इजराइल व्यापार शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच असीमित संभावनाएं और क्षमताएं हैं। यह पहली बार है जब कोई भारतीय वाणिज्य मंत्री इजराइल की यात्रा कर रहा है। गोयल इजराइल में 60 सदस्यीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। वह द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को बढ़ावा देने के तरीकों पर चर्चा करने के लिए नेताओं और कंपनी प्रमुखों से मिलेंगे। मंत्री ने कहा कि कई ऐसी चीजें हैं जो भारत को एक आकर्षक निवेश गंतव्य बनाते हैं। इनमें लोकतंत्र, जनसंख्या संबंधी लाभांश, डिजिटलीकरण, तेज गति विकास और निर्णायक नेतृत्व हैं।

अक्टूबर में स्थिर रहा आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन

नई दिल्ली, एजेंसी

● वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने जारी किए आंकड़े

रिफाइनरी उत्पादों तथा इस्पात के उत्पादन में वृद्धि तथा बिजली और कोयला उत्पादन में गिरावट के मिश्रित प्रभाव से अक्टूबर में आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन इस साल अक्टूबर में सालाना आधार पर स्थिर रहा।

अगस्त 2024 के बाद पहली बार आठ प्रमुख उद्योगों का उत्पादन शून्य या उससे कम रहा है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा गुरुवार को जारी आंकड़ों में बताया कि अक्टूबर 2024 की तुलना में इस साल रिफाइनरी उत्पादों, उर्वरकों, इस्पात और सीमेंट का उत्पादन बढ़ा है जबकि कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस और बिजली के उत्पादन में गिरावट दर्ज की गयी है। रिफाइनरी का उत्पादन 4.6%, इस्पात का 6.7, सीमेंट का 5.3 और उर्वरकों का 7.4% बढ़ा है। वहीं, बिजली उत्पादन में 7.6 और कोयला उत्पादन में 8.5% की गिरावट आई। प्राकृतिक गैस का उत्पादन 5 और कच्चे तेल का 1.2% घट गया। इससे पहले, सितंबर 2025 में 8 प्रमुख उद्योगों के उत्पादन में 3.3 और पिछले साल अक्टूबर में 3.8% की गिरावट रही थी। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल से अक्टूबर की अवधि के लिए सालाना उत्पादन में 2.5% की वृद्धि हुई। इस्पात उत्पादन 10.3 प्रतिशत, सीमेंट उत्पादन 7.3, रिफाइनरी उत्पादों का उत्पादन 0.4 और उर्वरक उत्पादन 0.7% बढ़ा है। वहीं, कोयला उत्पादन में 2, कच्चा तेल में 1.1, प्राकृतिक गैस 3.1 और बिजली में 0.1% की गिरावट रही।

कृषि क्षेत्र 10 साल में 4% की वृद्धि बनाए रख सकता है : नीति सदस्य

नई दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद ने गुरुवार को कहा कि भारत का कृषि क्षेत्र 10 साल में आसानी से 4% की वृद्धि दर बनाए रख सकता है। उन्होंने साथ ही देश की गोदाम अवसंरचना को बेहतर बनाने की जरूरत पर जोर दिया।

उद्योग निकाय पीएचडीसीसीआई के कार्यक्रम में चंद ने कहा कि कृषि उत्पादों की मांग 2.5% की दर से बढ़ेगी। इसलिए, मुझे लगता है कि हम 10 साल में कृषि क्षेत्र में इस 4% की वृद्धि को आसानी से बनाए रख सकते हैं। भारत के कृषि क्षेत्र ने 2025-26 की पहली तिमाही के दौरान 3.7% की वृद्धि दर्ज की। चंद ने कहा, हमारे कृषि उत्पादों की मांग उस दर से नहीं बढ़ रही है। इन उत्पादों का इस्तेमाल उद्योग के लिए करें, या निर्यात बाजार के लिए करें।

व्यय के रिकॉर्ड को समान वर्गीकरण व्यवस्था अपनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

● केंद्र और राज्यों से लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाने की कैग ने दी सलाह

नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) ने केंद्र और सभी राज्यों से सरकारी खर्चों को दर्ज करने के लिए मानक श्रेणियों का उपयोग शुरू करने को कहा है। इसका मकसद वित्त वर्ष 2027-28 तक पूरे देश में लेखांकन और लेखा परीक्षा में एकरूपता लाना है। कैग का यह कदम व्यय मदों को अलग-अलग दिखाने को लेकर राज्यों के बीच व्यापक अंतर को दूर करने का प्रयास है।

उप नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सरकारी लेखा) और चेयरपर्सन (जीएएसएबी) जयंत सिन्हा ने कहा कि यह मामला कई पक्षों का ध्यान आकर्षित कर रहा था। साथ ही विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ-साथ केंद्र सरकार के साथ तुलना को भी प्रभावित कर रहा था। कैग ने अलग-अलग स्तर पर व्यय मदों की एक सामान्य सूची अधिसूचित की है। इसे सामान्य तौर पर विभिन्न श्रेणियों में व्यय कहा जाता है। आर्थिक प्रकृति के व्यय को अलग दिखाने में व्यापक विभिन्न अवधियों और राज्यों के साथ केंद्र सरकार के साथ तुलनाओं को भी प्रभावित करती है। अतः, केंद्र और राज्य सरकारों के व्यय के वर्गीकरण के मानकीकरण की जरूरत महसूस की गई है।

कैग कार्यालय द्वारा शुरू की गई इस प्रक्रिया के तहत, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक, कुछ राज्य सरकारों, लेखा महानियंत्रक और रक्षा लेखा महानियंत्रक के अधिकारियों को लेकर एक कार्यसमूह का गठन किया गया। कैग के कार्यालय ज्ञापन में कहा गया है, कार्यसमूह की सिफारिशों और इस मुद्दे पर वित्त मंत्रालय, व्यय विभाग, भारत सरकार के साथ बातचीत के आधार पर, यह निर्णय लिया गया है कि केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारों पर लागू एक समान व्यय मदों की संरचना लागू की जा सकती है। इसमें कहा गया कि केंद्र सरकार और राज्य सरकारों द्वारा लागू की जाने वाली सामान्य मदों की संशोधित सूची को तैयारियों के स्तर को ध्यान में रखते हुए अपनाया जा सकता है। तरजीही रूप से वित्त वर्ष 2027-28 से प्रभावी होना चाहिए।

सिन्हा ने कहा कि व्यय के वस्तु मदों को सुसंगत बनाने वाली कैग की अधिसूचना राज्यों के बजट और लेखा ढांचे को प्रभावित करने वाले दशकों पुराने मुद्दे का समाधान करेगी और राष्ट्रीय सार्वजनिक व्यय क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण सुधार होगा। विशेष रूप से राज्यों में सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन को मजबूत करना कैग की रणनीतिक योजना का एक प्रमुख हिस्सा है। उच्च गुणवत्ता वाले लेखा परीक्षण और लेखांकन के माध्यम से जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन को बढ़ावा देने और सभी हितधारकों को स्वतंत्र आश्वासन प्रदान करने के कैग के मिशन का अभिन्न अंग है।

राष्ट्रीय

बुद्धिजीवी आतंकवादी बन रहे जो अधिक खतरनाक होते हैं

पुलिस ने टिप्पणी करते हुए आरोपियों की जमानत का किया विरोध

दिल्ली दंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली पुलिस ने गुरुवार को फरवरी 2020 के दंगों के मामले में कार्यकर्ता उमर खालिद, शरजील इमाम और अन्य की जमानत याचिकाओं का विरोध करते हुए सुप्रीम कोर्ट में कहा कि जब बुद्धिजीवी आतंकवादी बन जाते हैं तो वे जमीनी स्तर पर गतिविधियां संचालित कर रहे आतंकवादियों से अधिक खतरनाक होते हैं। पुलिस ने कहा कि डॉक्टरों और इंजीनियरों का देश विरोधी कामों में शामिल होना अब एक चलन बन गया है।

दिल्ली पुलिस की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और एनवी अंजारिया की पीठ को बताया कि सुनवाई में देरी आरोपियों की वजह से हुई है और वे इसका फ़ायदा नहीं उठा सकते। राजू ने नागरिकता संशोधन कानून के ख़िलाफ़ इमाम के भड़काऊ भाषणों के वीडियो शीर्ष अदालत में दिखाए। वीडियो में इमाम को फरवरी 2020 में दिल्ली में हुए दंगों से पहले 2019 और 2020 में चाखंड, जामिया, अलीगढ़ और आसनसोल में भाषण देते हुए देखा गया। इमाम इंजीनियरिंग स्नातक है। राजू ने कहा कि यह कोई साधारण नहीं है। ये हिंसक प्रदर्शन हैं। वे नाकेबंदी की बात कर रहे हैं।

न्यायमूर्ति कुमार ने पूछा कि क्या भाषण आरोपपत्र का हिस्सा थे, जिसका राजू ने 'हां' में जवाब दिया। एएसजी ने कहा कि सीएए विरोधी प्रदर्शन को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप की भारत यात्रा के दौरान जानबूझकर किया गया था ताकि अंतर्राष्ट्रीय मीडिया का ध्यान आकर्षित किया जा सके। असल मकसद सत्ता परिवर्तन और अर्थव्यवस्था का गला घोंटना और देश में अराजकता पैदा करना था। खालिद, इमाम, गुलफिशा फातिमा, मीरान हैदर और रहमान पर गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम (यूएपीए) और पूर्ववर्ती भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के प्रावधानों के तहत 2020 के दंगों के मास्टरमाइंड होने के आरोप में मामला दर्ज किया गया था। दंगों में 53 लोग मारे गए थे और 700 से ज्यादा घायल हो गए थे। यह हिंसा नागरिकता संशोधन कानून (सीएए) और राष्ट्रीय नागरिक पंजी (एनआरसी) के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन के दौरान भड़की थी।

अब 61 वर्ष में सेवानिवृत्ति होंगे न्यायिक अधिकारी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को मध्य प्रदेश के न्यायिक अधिकारियों की सेवानिवृत्ति की उम्र 60 से बढ़ाकर 61 वर्ष कर दी। प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बीआर गवई, न्यायमूर्ति प्रसन्ना बी वराले और के. विनोद चंद्रन की पीठ ने एक अंतरिम आदेश में तेलंगाना हाईकोर्ट द्वारा लिए गए इसी तरह के एक फैसले का हवाला दिया। पीठ ने पूछा कि जब राज्य सरकार ऐसा करने को तैयार है तो न्यायिक अधिकारियों को राहत देने से क्यों इन्कार किया जाए। पीठ ने कहा कि यह कहने की जरुरत नहीं है कि न्यायिक अधिकारियों के साथ राज्य सरकार के अन्य कर्मचारी भी उसी सरकारी खजाने से वेतन प्राप्त करते हैं। पीठ ने कहा कि राज्य सरकार के अन्य कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति आयु 62 वर्ष है। न्यायालय ने कहा कि किसी भी मामले में हाईकोर्ट के न्यायाधीशों और जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु में एक वर्ष का अंतर होता है। हाईकोर्ट के न्यायाधीश 62 वर्ष की आयु में सेवानिवृत्त होते हैं और अब मध्य प्रदेश में जिला न्यायालय के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति आयु 61 वर्ष होगी।

राहुल के खिलाफ अधीनस्थ अदालत की कार्यवाही पर रोक की बढ़ी अवधि

सेना पर की टिप्पणी का मामला

सुप्रीम कोर्ट ने 2022 की भारत जोड़ो यात्रा के दौरान भारतीय सेना के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी से संबंधित एक मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कार्यवाही पर रोक लगाने के अपने अंतरिम आदेश की अवधि को बृहस्पतिवार को चार दिसंबर तक बढ़ा दिया। न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले की सुनवाई स्थगित करते हुए कहा कि स्थगन के लिए एक पत्र दिया गया है। यह पीठ गांधी की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी जिसमें उन्होंने इस मामले में अधीनस्थ अदालत के समन आदेश को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करने के इलाहाबाद हाईकोर्ट के 29 मई के आदेश को चुनौती दी है। शीर्ष अदालत ने चार अगस्त को लखनऊ की एक अदालत में लंबित मामले में आगे की कार्यवाही पर सुनवाई की अगली तारीख तक रोक लगा दी थी। पीठ ने गांधी से उनकी कथित टिप्पणी को लेकर पहले कहा था, आपको कैसे पता चला कि 2,000 वर्ग किलोमीटर जमीन पर चीनियों ने कब्जा कर लिया है? क्या आप वहां थे? क्या आपके पास कोई विश्वसनीय जानकारी है? उसने कहा, बिना किसी सबूत के आप ये बयान क्यों दे रहे हैं? अगर आप सच्चे भारतीय हैं, तो आप ऐसी बात नहीं कहेंगे।

दो विधायकों का मंत्री बनना पिता के सपने का सच होना : चिराग

पटना, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा)-रामविलास के प्रमुख चिराग पासवान ने बृहस्पतिवार को कहा कि बिहार की नई सरकार में उनकी पार्टी के दो विधायकों को जगह मिलना एक बड़ी जीत है, जिसका सपना उनके दिवंगत पिता राम विलास पासवान ने देखा था।

चिराग ने कहा कि चुनावी जनादेश ने पार्टी पर विकसित बिहार की दिशा में काम करने की बड़ी जिम्मेदारियां भी सौंपी हैं। आज का दिन राम विलास पासवान जी को याद करने का है और बिहार को विकसित बनाने के लिए काम करने का है। यह बड़ा दिन है और इस दिन मैं सबसे पहले अपने नेता व पिता माननीय राम विलास पासवान जी को याद करता हूं। लोजपा (रामविलास) ने विधानसभा चुनाव में 19 सीट पर जीत हासिल की, जिनमें से संजय कुमार और संजय कुमार सिंह ने गुरुवार को मंत्री पद की शपथ ली। चिराग ने कहा कि मुझे पता है कि आज वह (राम विलास पासवान) सबसे ज्यादा खुश होते, जिस ऊंचाई पर वह हमारी पार्टी को देखना चाहते थे, आज पार्टी वहां पहुंची है। आज हमारी पार्टी के दो मंत्रियों ने शपथ ली। परिणाम बताते हैं कि पार्टी ने निश्चित रूप से बड़ी जीत हासिल की है। और मेरा मानना है कि बड़ी जीत के साथ बड़ी जिम्मेदारियां भी आती हैं। मैं उन जिम्मेदारियों से पूरी तरह अवगत हूं।

उन्होंने कहा कि पार्टी अब अपने विजन को पूरा करने के लिए युद्धस्तर पर काम शुरू करेगी। चिराग ने कहा कि आज से ही विकसित बिहार बनाने, बिहार को प्रथम और बिहारी को प्रथम बनाने की दिशा में हम तुरंत कार्य शुरू करेंगे। राजग सरकार में भाजपा के 89, जदयू के 85, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के 19, हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (सेक्युलर) के पांच और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमा) के चार विधायक शामिल हैं।

नीतीश मंत्रिपरिषद में हुई जातीय संतुलन साधने की कोशिश

पटना। जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के प्रमुख नीतीश कुमार ने दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली और नई मंत्रिपरिषद में जातीय आधार पर संतुलन साधने की पूरी कोशिश की गई है। मंत्रिपरिषद में भाजपा से जहां 14 मंत्री हैं, वहीं जदयू को आठ मंत्री पद मिले हैं। लोजपा (रामविलास) को दो तथा राष्ट्रीय लोक मोर्चा (रालोमो) और हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (हम) को एक-एक मंत्री पद मिला है। मंत्रिपरिषद में ब्राह्मण समुदाय की हिस्सेदारी में काफी कमी देखने को मिली है। पिछली मंत्रिपरिषद में भाजपा ने मंगल पांडे और नीतीश मिश्रा को शामिल किया था, लेकिन इस बार भाजपा और जदयू ने ब्राह्मण प्रतिनिधित्व को आधे से भी कम कर दिया है। भाजपा की ओर से केवल मंगल पांडे को जगह मिली है। राजपूत समुदाय को इस बार सर्वाधिक प्रतिनिधित्व मिला है। भाजपा ने संजय सिंह टाइगर, श्रेयसी सिंह, लेसी सिंह और संजय सिंह जैसे चार नेताओं को शामिल कर अपने पारंपरिक समर्थन आधार को मजबूत करने का संकेत दिया है। भूमिहार समुदाय के दो प्रमुख चेहरों में विजय कुमार सिन्हा और विजय चौधरी के माध्यम से गठबंधन ने संतुलन बरकरार रखा है। इससे यह संदेश गया है कि यह समुदाय अब भी सत्ता समीकरण में महत्वपूर्ण है। कायस्थ समुदाय का प्रतिनिधित्व शहरी राजनीति के संदर्भ में महत्वपूर्ण माना जाता है। भाजपा ने नितिन नवीन को मंत्री बनाकर राजधानी पटना तथा शिक्षित मध्यमवर्गीय मतदाताओं के बीच अपनी पकड़ मजबूत करने का प्रयास किया है।

बिहार की नई सरकार विकसित भारत में देगी योगदान: जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को रिकॉर्ड 10वीं बार शपथ लेने पर बधाई दी और कहा कि उन्हें भरोसा है कि राज्य में नई राजग सरकार राज्य की तरक्की को तेज़ करेगी और देश को विकसित भारत बनाने में मदद करेगी। विदेश मंत्री ने एक्स पर पोस्ट किया कि नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर पुनः शपथ लेने पर दिल से बधाई। उप मुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी, विजय कुमार सिन्हा और आज पद संभालने वाले सभी मंत्रियों को शुभकामनाएं। मुझे विश्वास है कि नयी राजग सरकार बिहार की तरक्की को तेज़ करेगी और विकसित भारत की हमारी यात्रा में योगदान देगी।

नई सरकार लोगों की अपेक्षाओं पर खरा उतररक वादों को करे पूरा : तेजस्वी

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के लिए बधाई दी और कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी। नीतीश कुमार के शपथ ग्रहण कार्यक्रम में विपक्षी दलों का कोई प्रमुख नेता शामिल नहीं हुआ। तेजस्वी ने एक्स पर नीतीश कुमार को बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर हार्दिक बधाई। राजद नेता ने कहा, नई सरकार जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए वादों और घोषणाओं को पूरा करेगी तथा लोगों के जीवन में सकारात्मक और गुणात्मक परिवर्तन लाएगी।

हिंसा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ रहे नक्सली : मुर्मू

अंबिकापुर, एजेंसी

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुरुवार को कहा कि नक्सली हिंसा का रास्ता छोड़कर मुख्यधारा में शामिल हो रहे हैं तथा केंद्र और राज्य सरकारों के प्रयासों से वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव होगा। छत्तीसगढ़ के सरगुजा जिले के मुख्यालय अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह में मुर्मू ने कहा कि आदिवासी समाज को दूसरे अन्य समाजों के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ सहित पूरे देश में वामपंथी उग्रवाद का रास्ता छोड़कर लोग विकास की मुख्यधारा से जुड़ रहे हैं। केंद्र और राज्य सरकारों के सुविचारित और सुसंगठित प्रयासों से निकट भविष्य में ही वामपंथी उग्रवाद का उन्मूलन संभव हो जाएगा। यह एक बहुत ही संतोषजनक बदलाव है। राष्ट्रपति ने कहा कि 1.65 लाख से अधिक प्रतिभागियों ने हाल ही में आयोजित बस्तर ओलंपिक में हिस्सा लिया। यह बहुत खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि मुझे विश्वास है जनजातीय महानायकों के आदर्शों पर चलते हुए, छत्तीसगढ़ के निवासी सशक्त, आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में अमूल्य योगदान देंगे। मुर्मू ने कहा कि महिलाएं समाज की धरोहर हैं और जब महिलाएं आगे बढ़ती हैं तो समाज आगे बढ़ता है।

● छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस समारोह को राष्ट्रपति ने किया संबोधित

मुर्मू ने राष्ट्रपति भवन में भारतीय महिला विश्व कप जीतने वाली क्रिकेट टीम के साथ हाल ही में हुई मुलाकात को याद करते हुए आदिवासी महिला क्रिकेटर क्रांति गौड़ की तारीफ की। मातृ-शक्ति या महिला-शक्ति के स्मरण से मुझे विश्व विजेता भारतीय महिला क्रिकेट टीम की याद आई। उन सभी बेटियों से मैं हाल ही में राष्ट्रपति भवन में मिली थी। जनजातीय समाज की बेटी क्रांति गौड़ ने उस टीम में अपना विशेष स्थान बनाया है।

दिल्ली में एक्यूआई बेहद खराब

नई दिल्ली, एजेंसी

राष्ट्रीय राजधानी में हवा की गुणवत्ता सातवें दिन भी बेहद खराब रही। गुरुवार को वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 398 रहा। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के समीर एप के अनुसार, 40 में से 21 केंद्रों पर एक्यूआई गंभीर श्रेणी में दर्ज किया गया। डीटीयू, बुराड़ी, चांदनी चौक, आनंद विहार, मुंडका, ओखला, बवाना और वजीरपुर उन केंद्रों में थे जहां एक्यूआई 400 से ऊपर रहा। गुरुवार को न्यूनतम तापमान 11.4 डिग्री रहा, अधिकतम 27 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने की संभावना है।

वर्ल्ड ब्रीफ

ट्रंप ने किए एपस्टीन की फाइलें जारी करने के विधेयक पर हस्ताक्षर

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को उस विधेयक पर हस्ताक्षर कर दिए, जो उनके प्रशासन को यौन अपराधी जेफरी एपस्टीन से संबंधित फाइल सार्वजनिक करने के लिए बाध्य करता है। ट्रंप ने लंबे समय तक इसका विरोध किया था लेकिन अंततः अपनी ही पार्टी के राजनीतिक दबाव के आगे झुक गए। उन्होंने सोशल मीडिया पर इस विधेयक पर हस्ताक्षर करने की घोषणा करते हुए लिखा, डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता एपस्टीन मुद्दे का इस्तेमाल कर रहे हैं ताकि हमारी अद्भुत सफलताओं से ध्यान भटकाया जा सके। अब इस विधेयक के तहत न्याय विभाग को एपस्टीन से जुड़ी सभी फाइल, संचार और 2019 में एक संघीय जेल में उसकी मौत की जांच से संबंधित जानकारी 30 दिन के भीतर जारी करनी होगी।

भारत-पाकिस्तान की नौसेना के जहाज कोलंबो बंदरगाह पहुंचे

कोलंबो। श्रीलंकाई नौसेना ने बृहस्पतिवार को एक बयान में बताया कि भारतीय नौसेना का जहाज आईएनएस सुकन्या 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' के लिए कोलंबो बंदरगाह पहुंच चुका है। 'ऑपरेशनल टर्नअराउंड' का अर्थ उस प्रक्रिया से है जिसमें किसी जहाज को अभियानगत कार्यों को पूरा करने के बाद फिर तैयार किया जाता है, ताकि वह आगे की यात्रा या मिशन के लिए पुनः उपयोग में लाया जा सके। आईएनएस सुकन्या मंगलवार को कोलंबो पहुंचा, जहां श्रीलंका की नौसेना ने परंपराओं के मुताबिक उसका स्वागत किया। आईएनएस सुकन्या कमांडर संतोष कुमार वर्मा की कमान में कोलंबो पहुंचा। इस जहाज की लंबाई 101 मीटर है। इस बीच, उसी दिन ईंधन भरवाने के लिए श्रीलंका पहुंचा पाकिस्तानी नौसेना का जहाज सैफ बुधवार को रवाना हो गया।

दक्षिण कोरिया में 267 यात्रियों को ले जा रहा जहाज समुद्र में फंसा

सोल। दक्षिण कोरिया के पश्चिमी समुद्री क्षेत्र में बुधवार को 267 यात्रियों को ले जा रहा एक यात्री जहाज फंस गया। समाचार एजेंसी योनहास के मुताबिक स्थानीय समयानुसार कल रात 8:17 बजे (1117 जीएमटी) तट रक्षक बल को सूचना मिली कि 246 यात्रियों और 21 चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रहा जहाज राजधानी सोल से लगभग 310 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में सिनान काउंटी के एक द्वीप के पास फंस गया है। यह जहाज दक्षिणी रिसॉर्ट द्वीप जेजू से रवाना होकर दक्षिण-पश्चिमी बंदरगाह शहर मोकपो की ओर जा रहा था।

प्रतिबंध लागू होने से पहले अपना डेटा सुरक्षित कर लें सभी किशोर

- ऑस्ट्रेलिया में 10 दिसंबर से शुरू होगा सोशल मीडिया पर प्रतिबंध

मेलबर्न। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी मेटा ने बृहस्पतिवार को ऑस्ट्रेलिया के हजारों किशोर उपयोगकर्ताओं को दो हफ्तों में अपनी डिजिटल 'हिस्ट्री' डाउनलोड करने तथा फेसबुक, इंस्टाग्राम और थ्रेड्स से अपना खाता हटाने की चेतावनी भेजनी शुरू कर दी है। यह कदम दुनिया में पहली बार लागू होने वाले उस सोशल मीडिया प्रतिबंध से पहले उठाया गया है, जिसके तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों के खाते बंद किए जाएंगे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दो सप्ताह पहले घोषणा की थी कि मेटा के तीनों मंचों फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स के साथ ही स्नैपचैट, टिकटॉक, एक्स और यूट्यूब को भी 10 दिसंबर से 16 वर्ष से कम उम्र के ऑस्ट्रेलियाई खाता धारकों को हटाने के लिए कदम उठाने होंगे।कैलिफोर्निया स्थित मेटा ने बृहस्पतिवार को किशोर खाता धारकों को एसएमएस और ईमेल भेजकर चेतावनी दी कि चार दिसंबर से संदिग्ध नाबालिग उपयोगकर्ताओं की इन मंचों तक पहुंच रोक दी जाएगी। मेटा ने एक बयान में कहा, 'हम आज से प्रभावित किशोरों को सूचित करना शुरू कर रहे हैं ताकि वे अपने संपर्कों और यादों को सुरक्षित कर सकें।' मेटा ने यह भी कहा कि इस अवधि में किशोर उपयोगकर्ता अपनी संपर्क जानकारी अपडेट कर सकते हैं ताकि 16 वर्ष के होने पर वे अपना खाता पुनः सक्रिय करा सकें।

सेहत के लिए सबसे बड़ा खतरा

दुनिया की प्रमुख चिकित्सा पत्रिका लैंसेट में प्रकाशित एक ताजा रिसर्च में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते खतरों के प्रति आगाह किया गया है। दुनिया के जाने-माने चिकित्सा विशेषज्ञों की रिसर्च पर आधारित इस रिपोर्ट के मुताबिक अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के बढ़ते उपयोग की वजह से दुनिया भर में मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद और अन्य गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। युवावस्था में हृदय की बीमारियां और हार्ट अटैक के पीछे भी अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की प्रमुख भूमिका है। लैंसेट में प्रकाशित रिपोर्ट में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के लगातार बढ़ते खतरों पर सरकारों की गैरजिम्मेदारी का भी प्रमुखता से उल्लेख है जो खतरों की जानकारी होने के बावजूद निहित स्वार्थों की वजह से अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड पर कोई भी पाबंदी लगाने या नीति बनाने में गंभीरता नहीं दिखातीं।

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड

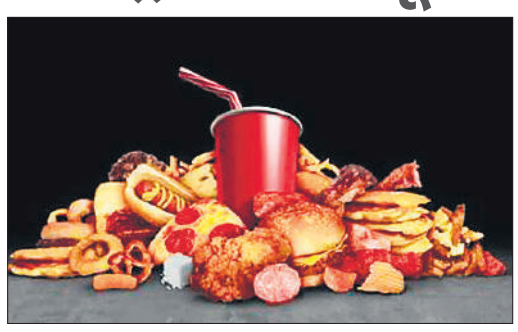

भारत में कितना बड़ा खतरा

- मोटापे, मधुमेह, हृदय रोग, अवसाद जैसी तमाम गंभीर बीमारियों के मामले तेजी से बढ़े हैं। समय से पहले मृत्यु का भी जोखिम काफी बढ़ा है।
- पुरुषों में मोटापे का प्रतिशत 12% से 23% और महिलाओं में 15% से 24% तक बढ़ा है। मोटापे की वजह से भी बीमारियां शिकार बना रही हैं।
- शरीर में सूजन को बढ़ाते हैं, जिससे कैंसर, टाइप-2 डायबिटीज और किडनी से संबंधित गंभीर बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।
- दुनिया में भारत जैसे देश इन उत्पादों के लिए बड़े बाजार बन गए हैं, और ये देश वैश्विक व्यापार समझौते भी प्रतिबंधों को मुश्किल बनाते हैं।

चिकित्सा विशेषज्ञों के सरकार को सुझाव

अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड के सेवन को कम करने और लोगों की पारंपरिक, कम प्रोसेस्ड खाद्य पदार्थों की ओर वापसी को बढ़ावा देने के लिए सरकारों को कड़े स्वास्थ्य नीतिगत कदम उठाने चाहिए। रिपोर्ट में स्वास्थ्य और पोषण नीति निर्धारकों को हालात बेकाबू होने की भी चेतावनी दी गई है।

बच्चों के लिए ज्यादा गंभीर

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में एक्स्ट्रा नमक, चीनी, खराब तेल, आर्टिफिशियल रंग, फ्लेवर, प्रिजर्वेटिव्स तथा एडिटिव्स शामिल होते हैं।
- लैंसेट की रिपोर्ट में विशेषज्ञों ने कहा है कि ये घटक बच्चों की शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास को प्रभावित करते हैं।
- लगातार सेवन से कुपोषण, माइक्रोन्यूट्रिएंट की कमी, मोटापा, आंतों के असंतुलन, नींद की समस्या, डिप्रेशन जैसे जोखिम बढ़ते है।

सरकारें क्यों बेपरवाह

- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड बनाने वाली कंपनियां बड़ा आर्थिक योगदान करती हैं जिसकी वजह से सरकारें प्रतिबंध लगाने से हिचकिचाती हैं।
- बड़ी खाद्य कंपनियां अपनी पहुंच और आर्थिक शक्ति का उपयोग लॉबिंग के लिए करती हैं, जिससे सरकारी नीतियां प्रभावित होती हैं।

बढ़ता कारोबार

- भारत में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड की सेल 2006 से 2019 तक लगभग 40 गुना बढ़ गई है और इन वर्षों में 0.9 बिलियन डॉलर से बढ़कर 38 बिलियन डॉलर हो गई है।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड में बहुत अधिक स्वाद और कृत्रिम रंगों का उपयोग किया जाता है, जो बच्चों को खासतौर पर लुभाते हैं।
- अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड उत्पाद सुविधाजनक हैं, क्योंकि इन्हें बनाना नहीं पड़ता और ये आसानी से हर जगह उपलब्ध होते हैं।
- भारत जैसे देशों में अल्ट्रा प्रोसेस्ड फूड ताजे और स्वस्थ भोजन की तुलना में सस्ते होते हैं। लोग इस कारण भी इन्हें खरीदते हैं।
- आकर्षक और रंगीन पैकेजिंग के साथ भ्रामक दावों के साथ उत्पादों की मार्केटिंग की जाती है। लोग इनके पीछे छिपे स्वास्थ्य खतरों को नहीं समझ पाते।

जेसीएम न्यायसंगत जलवायु कार्रवाई के लिए बना सबसे महत्वपूर्ण साधन

सीओपी 30 में भारत ने रखा पक्ष, कहा- उत्सर्जन न्यूनीकरण में ये ढांचा सफल

बेलेम (ब्राजील), एजेंसी

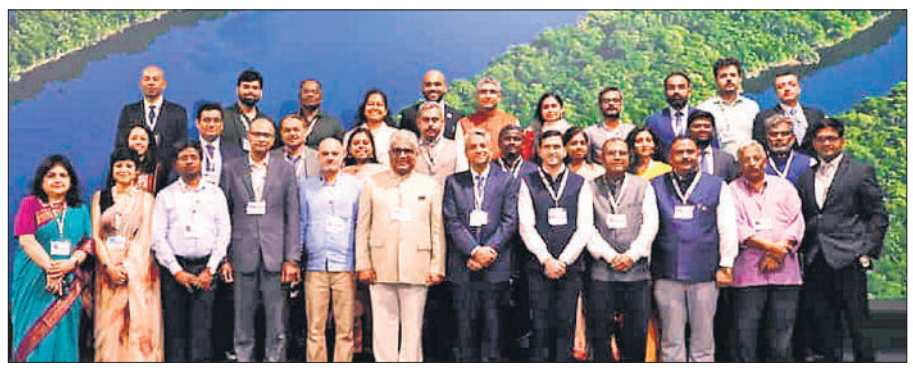

ब्राजील के बेलेम में आयोजित सीओपी 30 सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव की अगुवाई में पहुंचा भारतीय दल।

भारत ने कहा कि संयुक्त क्रेडिटिंग तंत्र (जेसीएम) वैश्विक स्तर पर न्यायसंगत एवं व्यापक जलवायु कार्रवाई को आगे बढ़ाने का एक महत्वपूर्ण साधन बनकर उभरा है। यह उन्नत निम्न कार्बन प्रौद्योगिकियों को तेजी से अपनाने की क्षमता रखता है और भारत के उत्सर्जन लक्ष्यों को समर्थन दे सकता है।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने बुधवार को कहा कि यहां सीओपी 30 के इतर 11वें जेसीएम साझेदार देशों की बैठक में कहा, जेसीएम जैसे तंत्र जलवायु कार्रवाई को मजबूत करने के साथ-साथ राष्ट्रीय प्राथमिकताओं विशेषकर विकासशील देशों के हितों को भी समर्थन देते हैं। जेसीएम जैसे सहयोगी ढांचे भारत की तरह देशों की विकास प्राथमिकताओं के अनुरूप वैश्विक उत्सर्जन न्यूनीकरण प्रयासों को मजबूत करते हैं।

पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने कहा कि जेसीएम अनुच्छेद 6 के सहयोगात्मक ढांचे के अनुरूप है और सरकारों तथा निजी क्षेत्र को संयुक्त रूप से उत्सर्जन-न्यूनन परियोजनाएं विकसित करने, वित्त जुटाने, उन्नत तकनीक लागू करने और उत्सर्जन कटौती को पारदर्शी ढंग से आवंटित करने का मार्ग प्रदान करता है। भूपेंद्र यादव ने सभी देशों से जेसीएम को पारदर्शी, प्रभावशाली और न्यायसंगत जलवायु साझेदारी का मॉडल बनाने की अपील की। संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन के अंतर्गत होने वाले वार्षिक सीओपी30 में 190 से अधिक देशों के वार्ताकार भाग ले रहे हैं। सीओपी30 का आयोजन ब्राजील के अमेजन क्षेत्र के बेलेम में 10 से 21 नवंबर तक हो रहा है।

जेसीएम में 31 देश साझीदार, 280 परियोजनाएं

सत्र की अध्यक्षता करने वाले जापान के पर्यावरण मंत्री हिरोताका इशिहारा ने बताया कि जेसीएम अब 31 साझेदार देशों तक विस्तृत हो गया है और पेरिस समझौते के अनुच्छेद 6 के तहत 280 से अधिक परियोजनाएं लागू की जा रही हैं। जापान का लक्ष्य है कि इस सहयोग को दीर्घकालिक निवेश, क्षमता निर्माण और लचीलापन परियोजनाओं के माध्यम से और बढ़ाया जाए। भारत और जापान ने इस वर्ष अगस्त में जेसीएम पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए थे। जेसीएम एक तंत्र है जिसमें भारत और जापान जैसे देश मिलकर कम-कार्बन तकनीक वाली परियोजनाएं लगाते हैं। इन परियोजनाओं से होने वाली उत्सर्जन कमी को दोनों देश क्रेडिट के रूप में बांटते हैं ताकि अपने-अपने जलवायु लक्ष्यों को पूरा कर सकें। यह स्वच्छ तकनीक, निवेश और सहयोग को बढ़ावा देता है।

लूला के साथ जीवाश्म ईंधन के खात्मे पर चर्चा

बेलेम। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा ने संयुक्त राष्ट्र सीओपी30 जलवायु शिखर सम्मेलन में पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव के नेतृत्व वाले भारतीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की और उन जरूरी मुद्दों पर चर्चा की जिन पर वार्ताकार अंतिम रूपरेखा तैयार करने के लिए गहन चर्चा कर रहे हैं। दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से जीवाश्म ईंधन पर एक संभावित रूपरेखा को लेकर चर्चा की और पता लगाया कि क्या इस शिखर सम्मेलन में इससे जुड़ा कोई खाका पेश किया जा सकता है। राष्ट्रपति सीओपी30 में इस विषय पर काफी जोर दे रहे हैं। बंद कमरे में हुई यह बैठक करीब 20 मिनट चली और इस बातचीत के दौरान दोनों तरफ के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

अमेरिका में कुशल प्रवासियों का स्वागत, इस पर आलोचना झेलने को तैयार : ट्रंप

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ऐसे कुशल प्रवासियों का देश में स्वागत करेंगे जो अमेरिकी श्रमिकों को चिप और मिसाइल जैसे जटिल उत्पाद बनाने की तकनीक सिखाएंगे। ट्रंप ने यह भी माना कि इस मुद्दे पर उन्हें अपने उस समर्थक वर्ग से थोड़ी आलोचना झेलनी पड़ सकती है, जो कड़ी आव्रजन पाबंदियों का समर्थन करता है।

ट्रंप ने बुधवार को अमेरिका-सऊदी अरब निवेश मंच को संबोधित करते हुए कहा कि अमेरिका में बड़ी संख्या में संयंत्र बन रहे हैं जिनमें कई बेहद जटिल कार्यों से जुड़े हैं और वे देश की आर्थिक वृद्धि में बड़ा योगदान देंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि इन संयंत्रों में टेलीफोन, कंप्यूटर और मिसाइल जैसे अत्यधिक जटिल उत्पाद बनाए जाएंगे इसलिए कंपनियों को विदेशों से कुशल कर्मियों को लाना होगा जो अमेरिकी श्रमिकों को प्रशिक्षण दे सकें।

नेपाल: जेन जी फिर आक्रामक बारा जिले में दोबारा लगा कर्फ्यू

काठमांडू, एजेंसी

- ओली की पार्टी के कार्यकर्ताओं से झड़प में 10 घायल, आगजनी और गोलीबारी भी हुई

नेपाल के एक जिले में बृहस्पतिवार को उस समय नए सिरे से तनाव पैदा हो गया, जब जेन जी के युवाओं की अपदस्थ प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की पार्टी के सदस्यों के साथ झड़प में 10 लोग घायल हो गए। इसके बाद अधिकारियों को भारत की सीमा से लगे नेपाल के बारा जिले में स्थिति को नियंत्रित करने के लिए फिर से कर्फ्यू लगाना पड़ा।

'काठमांडू पोस्ट' की अखबार के अनुसार, बारा जिले के सिमारा चौक पर उस समय तनाव बढ़ गया जब युवक ओली की पार्टी सीपीएन-यूएमएल के कार्यकर्ताओं के साथ झड़प के एक दिन बाद सड़कों पर लौट आए। उन्होंने पुलिस पर बुधवार की झड़पों को लेकर अपनी शिकायत में नामित व्यक्तियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया। प्रदर्शनकारी पूर्वाह्न 11 बजे से सिमारा चौक पर एकत्र हुए। बारा में प्रशासन ने जान-माल के संभावित नुकसान को रोकने के लिए दोपहर एक बजे से रात आठ बजे तक कर्फ्यू लगा दिया था। समाचार पोर्टल 'खबरहब' के अनुसार, हालांकि, निषेधाज्ञा लागू नहीं हो पाई और प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतर आए और पुलिस से भिड़ गए।

प्रदर्शनकारियों द्वारा कर्फ्यू का उल्लंघन किए जाने और आगे बढ़ने पर अधिकारियों ने आंसू गैस के छह गोले दागे और हवा में दो चक्र गोलियां चलाईं।कहा गया, प्रदर्शनकारियों ने सुरक्षाबलों पर पथराव भी किया, जिसमें छह पुलिसकर्मी घायल हो गए, जबकि जेन जी के चार प्रदर्शनकारियों के भी घायल होने की खबर है। पोर्टल के अनुसार, एक अलग घटना में, जेन जी के प्रदर्शनकारियों ने सिमारा बाजार में पुलिस चौकी में आग लगा दी। प्रदर्शनकारियों ने यूएमएल कार्यालय का सामान भी हटा दिया और उसे आग लगा दी। उन्होंने पुलिस पर पहले हुई झड़पों में शामिल यूएमएल कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करने में आनाकानी करने का आरोप लगाया।

350% टैरिफ लगाने की धमकी दी तो मोदी-शरीफ ने मुझे किया फोन

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

- ट्रंप ने एक बार फिर किया भारत पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का दावा

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि उन्होंने भारत एवं पाकिस्तान को 350 प्रतिशत टैरिफ लगाने की धमकी देकर उनके बीच जारी हमलों को रुकवाया था और इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके कहा था कि 'हम युद्ध नहीं करेंगे।' ट्रंप अब तक 60 से अधिक बार इस दावे को दोहरा चुके हैं कि उन्होंने इस साल मई में भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव शांत करने में मदद की जबकि भारत किसी तीसरे पक्ष के हस्तक्षेप के दावे को लगातार नकारता रहा है।

ट्रंप ने बुधवार को कहा, ...मैं झगड़े सुलझाने में अच्छा हूं और हमेशा से ऐसा रहा हूं। मैंने पिछले कुछ साल में, यहां तक कि इससे पहले भी इस दिशा में बहुत अच्छा काम किया है। मैं अलग-अलग लड़ाइयों के बारे में बात कर रहा हू।. भारत, पाकिस्तान परमाणु हथियारों से हमले करने वाले थे। ट्रंप ने 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में दावा किया कि उन्होंने परमाणु हथियार रखने वाले दोनों पड़ोसी देशों से कहा था कि वे युद्ध जारी रख सकते हैं लेकिन मैं दोनों देशों पर 350 प्रतिशत टैरिफ लगा रहा हूं। 'अमेरिका-सऊदी निवेश मंच' में सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान भी शामिल हुए। ट्रंप के अनुसार, उन्होंने दोनों देशों से कहा था, मैं नहीं चाहता कि आप लोग एक-दूसरे के खिलाफ परमाणु हथियार का इस्तेमाल करें, लाखों लोगों को मारें और लॉस एंजिलिस पर परमाणु धूल उड़े। ट्रंप ने दावा किया कि भारत और पाकिस्तान दोनों ने उनसे ऐसा नहीं करने के लिये कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने फोन करके कहा, हम युद्ध नहीं करेंगे। इसके बाद उन्होंने मोदी को धन्यवाद दिया।

अब सूडान में गृहयुद्ध समाप्त कराएंगे ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को कहा कि वह अब सूडान में जारी भीषण गृहयुद्ध को समाप्त करने में मदद पर अधिक ध्यान देने की योजना बना रहे हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि उन्होंने मंगलवार को व्हाइट हाउस में सऊदी अरब के शासक के साथ हुई विस्तृत बातचीत में सूडान के गृहयुद्ध पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस ने उनसे अनुरोध किया कि वह अपने पद की शक्ति व प्रभाव का उपयोग कर युद्ध को समाप्त करने में मदद करें। सूडान पर नियंत्रण के लिए जारी संघर्ष में 40,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और 1.4 करोड़ से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं, जिससे यह विश्व का सबसे बड़ा मानवीय संकट बन गया है।

बांग्लादेश में सुप्रीम कोर्ट ने अंतरिम सरकार की बहाली का आदेश दिया

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश के उच्चतम न्यायालय ने किसी राजनीतिक दल के प्रति झुकाव नहीं रखने वाली अंतरिम सरकार को बहाल करने का बृहस्पतिवार को आदेश दिया।

प्रधान न्यायाधीश सैयद रेफात अहमद के नेतृत्व वाली उच्चतम न्यायालय के शीर्ष अपीलीय प्रभाग ने यह आदेश जारी किया। इस आदेश में पिछले संवैधानिक प्रावधान को बहाल किया, जिसे अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के दौरान रद्द कर दिया गया था। हालांकि, उच्चतम न्यायालय के फैसले में इस प्रणाली को धीरे-धीरे लागू करने की बात कही गई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि यह योजना 13वें संसदीय चुनावों पर लागू नहीं होगी, जिससे अब प्रतिबंधित हो चुकी अवामी लीग चुनाव की दौड़ से बाहर हो जाएगी। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार प्रणाली की शुरूआत 1996 में हुई थी और उसके बाद दो सेवानिवृत्त प्रधान न्यायाधीशों की निगरानी में हुए दो चुनावों में 90 दिनों के भीतर विजेता को सत्ता हस्तांतरित कर दी गई।

फैसले के अनुसार, मुहम्मद यूनुस की मौजूदा अंतरिम सरकार फरवरी में प्रस्तावित चुनाव की देखरेख करेगी, जबकि उसके बाद का चुनाव बहाल की गई कार्यवाहक सरकार प्रणाली के तहत होगी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

- ऑस्ट्रेलियन समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ बैठक में बोले जयशंकर

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सहयोग के सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय विस्तार हुआ है, जिनमें व्यापार तथा निवेश, रक्षा तथा सुरक्षा, शिक्षा तथा कौशल, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी और अंतरिक्ष तथा ऊर्जा शामिल हैं। जयशंकर ने ऑस्ट्रेलिया की अपनी समकक्ष पेनी वॉन्ग के साथ यहां 16वीं भारत-ऑस्ट्रेलिया विदेश मंत्रियों की रूपरेखा वार्ता की अध्यक्षता की।

जयशंकर ने अपने प्रारंभिक वक्तव्य में कहा, हम अपने प्रधानमंत्रियों को जो सिफारिशें देंगे, वे उनके लिए महत्वपूर्ण होंगी, जिन्हें वे शीघ्र ही मिलने पर संज्ञान में रखेंगे। जयशंकर की यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दक्षिण अफ्रीका द्वारा आयोजित 20वें जी-20 समूह के नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए 21 से 23 नवंबर तक जोहान्सबर्ग की यात्रा पर रहेंगे। इसके अलावा, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की वेबसाइट पर जारी एक बयान के अनुसार वह 20 से 22 नवंबर तक जी-20 समूह के नेताओं के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग की यात्रा करेंगे। कहा गया है कि दक्षिण अफ्रीका में रहते हुए, अल्बनीज ऑस्ट्रेलिया के आर्थिक और रणनीतिक हितों को आगे बढ़ाने के लिए विश्व के अन्य नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी करेंगे।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 21 नवंबर, शुक्रवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा 14.47 तक तत्पश्चात द्वितीया।

आज का पंचांग

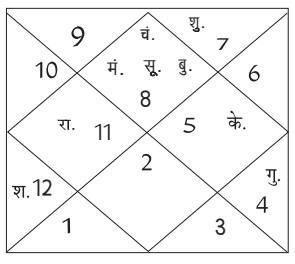

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल-वृषभ, मिथुन, कन्या, वृश्चिक, मकर, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-अनुराधा 13.56 तक तत्पश्चात ज्येष्ठा।

मेष - आज व्यर्थ के कार्यों में धन खर्च हो सकता है। अनावश्यक बातों पर त्वरित प्रतिक्रिया न दें। कार्यक्षेत्र को लेकर थोड़े तनाव में हो सकते हैं। अपनी बातों को अच्छी तरह रख नहीं पाएंगे। म्युचुअल फंड आदि में किया गया निवेश लाभकारी सिद्ध होगा।

वृष - आज सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी। थोड़ी मेहनत से आपको अधिक अच्छे परिणाम मिल जाएंगे। पैतृक कारोबार में विस्तार हो सकता है। घर में किसी प्रकार के मांगलिक कार्यक्रम हो सकते हैं। रूठे मित्रों को मनाने के लिए दिन अनुकूल है।

मिथुन - आज आयात-निर्यात संबंधी कारोबार में वृद्धि होगी। अधिकारी आपसे अप्रसन्न हो सकते हैं। गुप्त शत्रुओं से सावधान रहें। परिजन आपकी बातों का गलत मतलब निकाल सकते हैं। कार्यक्षेत्र में किसी महिला सहकर्मी से झगड़ा हो सकता है।

कर्क - आज व्यवसाय में नए अनुबंध करने को लेकर सावधानी रखें। प्रेमी जन से अपने दिल की बात शेयर कर सकते हैं। उच्च शिक्षा में उत्तम परिणाम मिलने से मन उत्साहित रहेगा। आयात-निर्यात से जुड़े व्यवसाय में बड़ा धन लाभ होगा। बच्चे अपनी गलतियों में सुधार करेंगे।

सिंह - आज अनजाने लोगों से ऑनलाइन लेनदेन सावधानी पूर्वक करें। गूढ़ आध्यात्मिक चर्चाओं में सम्मिलित हो सकते हैं। छोटे उद्योगों में घाटा हो सकता है। होटल कारोबारियों के व्यापार में कमी होने की आशंका है। दूसरों के मामलों में टांग न अड़ाएं।

कन्या - आज आपके सम्मान में वृद्धि होगी। रुके हुए कार्यों के शुरू होने से आपकी उन्नति होगी। आय के वैकल्पिक स्रोत विकसित कर सकते हैं। व्यवसाय में आपके कारोबार में स्थिरता रहेगी। बुजुर्ग लोग पुराने अनुभवों का स्मरण कर प्रसन्न रहेंगे।

तुला - आज उटपटांग कार्यों में आपका मन उलझेगा। बेरोजगार लोगों को नौकरी की चिंता हो सकती है। कारोबार को स्थिर रखने के लिए उधार लेना पड़ सकता है। आपकी सामाजिक छवि काफी अच्छी रहेगी। तनाव युक्त परिस्थितियों से बचें।

वृश्चिक - आज का दिन कला जगत से जुड़े लोगों के लिए विशेष रहेगा। कार्यक्षेत्र में परिस्थितियां अनुकूल रहेंगी। वित्तीय स्थिति मजबूत रहेगी। परिजनों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। लव लाइफ काफी रोमांटिक रहने वाली है।

धनु - आज स्वभाव में विनम्रता का भाव बनाकर रखें। कमर से निचले भाग में दर्द की शिकायत हो सकती है। विवाहेतर संबंधों को लेकर थोड़े आकर्षित हो सकते हैं। आपका विवेक सदैव आपके पक्ष में रहेगा। पर्यटन के लिए यात्रा करने से बचें।

मकर - आज रुके हुए कार्य तेजी से पूर्ण कर लेंगे। नौकरी को लेकर इंटरव्यू में सफलता मिल सकती है। लोग आपकी विचारधारा से बहुत जल्दी प्रभावित हो जाएंगे। बड़े भाई-बहनों के जीवन में कुछ सकारात्मक परिवर्तन आ सकते हैं।

कुंभ - आज आर्थिक समस्याओं का निराकरण होगा। निर्माण कार्यों में गति आएगी। दिनचर्या काफी अच्छी रहेगी। अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। स्वादिष्ट भोजन का आनंद उठाएंगे। व्यवसाय में सहयोगियों से सहायता ले सकते हैं।

मीन - आज महिलाओं को अत्यधिक प्रशंसा मिलेगी। विदेश यात्रा के योग बन रहे हैं। पिता और गुरुओं का मार्गदर्शन लेना उत्तम होगा। अपनी योग्यता को सिद्ध करने का अवसर मिलेगा। भाग्य आपका साथ देगा।

सुडोकू-167

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1								
				1				
						3		
	7							
		9						
					3		2	
		8						
				7				
						9		

सुडोकू - 166 का हल

1	6	5	2	9	8	7	3	4
4	9	8	5	3	7	1	6	2
7	2	3	4	6	1	9	8	5
3	1	2	7	8	4	5	9	6
5	7	6	3	2	9	4	1	8
8	4	9	6	1	5	2	7	3
9	8	4	1	5	3	6	2	7
2	3	7	9	4	6	8	5	1
6	5	1	8	7	2	3	4	9

हम अब भी भारत में खेल रहे हैं। हम इस तरह की सतहों पर खेलते हुए बड़े हुए हैं। हां, गुवाहाटी अलग हो सकता है लेकिन मिट्टी भारत में ही कहीं से आई होगी। हम इन हालात को जानने या इन हालात में बहुत तेजी से ढलने के लिए खुद पर विश्वास करना और उनका समर्थन करना चाहेंगे।

-आकाश चोपड़ा

स्टेडियम

बरेली, शुक्रवार 21 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

गोल्फर दीक्षा डागर ने स्वर्ण पदक जीता

टोक्यो : भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर ने आखिरी दौर में 11 अंडर स्कोर करके बृहस्पतिवार को बधिर ओलंपिक में स्वर्ण पदक बरकरार रखा। चौबीस वर्ष की दीक्षा ने 2017 बधिर ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व करके रजत पदक जीता था जब पहली बार खेलों में गोल्फ को शामिल किया गया था। इसके बाद 2021 में उन्होंने स्वर्ण पदक जीता था। दीक्षा ने पहले दिन चार अंडर 68 स्कोर किया जिसके बाद 65 और 72 स्कोर रहा। जकार्ता में 2018 एशियाई खेलों में भाग लेने वाली दीक्षा इसके एक साल बाद 18 वर्ष की उम्र में लेडीज यूरोपीय टूर पर जीत दर्ज करने वाली अदिति अशोक के बाद दूसरी गोल्फर बनी थी। तोक्यो ओलंपिक में अंतरराष्ट्रीय गोल्फ महासंघ (आईजीएफ) से खेलने का अचानक न्योता पाने वाली दीक्षा ने 54 होल में 26 अंडर स्कोर किया।

प्रणवी ने आईजीपीएल खिताब जीता

मुंबई : प्रणवी उर्स बृहस्पतिवार को यहां आईजीपीएल टूर में इतिहास रचते हुए पुरुष खिलाड़ियों के साथ खेलते हुए पेशेवर टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला गोल्फर बनीं। प्रणवी ने आईजीपीएल आमंत्रण मुंबई में अंतिम दौर में आठ अंडर 60 का हफ्ते का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया। प्रणवी का कुल स्कोर 18 अंडर रहा। कल तक शीर्ष पर चल रहे करणदीप कोच्चर अंतिम दौर में 64 के स्कोर से कुल 12 अंडर के स्कोर के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

इटली डेविस कप सेमीफाइनल में

बोलोगना (इटली) : दो बार की गत चैम्पियन इटली ने आस्ट्रिया को 2 .0 से हराकर डेविस कप टेनिस सेमीफाइनल में जगह बना ली जहां उसका सामना बेल्जियम से होगा। इटली के लिये फ्लावियो कोबोली ने फिलिप मिसोलिच को 6 .1, 6 .3 से हराकर दूसरा मुकाबला जीता। इससे पहल मातेओ बेरेटिनी ने जुरिज रोडियोनोव को 6 .3, 7 .6 से मात दी थी। इटली लगातार 12 डेविस कप मुकाबला जीत चुका है। आखिरी बार उसे 2023 में कनाडा ने ग्रुप चरण में हराया था। अन्य मुकाबलों में स्पेन का सामना चेक गणराज्य से होगा जबकि जर्मनी की टक्कर अर्जेंटीना से होगी।

रेयान विलियम्स को मिली फीफा की स्वीकृति

नई दिल्ली : अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने कहा कि रेयान विलियम्स भारतीय टीम में चयन के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हैं क्योंकि उन्हें अपनी ऑस्ट्रेलियाई नागरिकता छोड़ने के बाद सदस्य संघ बदलने के लिए खेल की वैश्विक संचालन संस्था फीफा की मंज़ूरी मिल गई है। पर्थ में जन्मे 32 साल के फारवर्ड विलियम्स ने हाल ही में भारतीय नागरिक बनने के लिए अपना ऑस्ट्रेलियाई पासपोर्ट छोड़ दिया था। विलियम्स इंडियन सुपर लीग की टीम बेंगलुरु एफसी के लिए खेलते हैं। एआईएफएफ ने कहा फीफा के प्लेयर्स स्टेटस चैंबर ने 19 नवंबर 2025 को अपना आखिरी फैसला जारी किया जिसमें रेयान विलियम्स के संघ बदलने के अनुरोध को मंज़ूरी दी गई जिससे वह भारतीय राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व करने के लिए आधिकारिक रूप से पात्र हो गए।

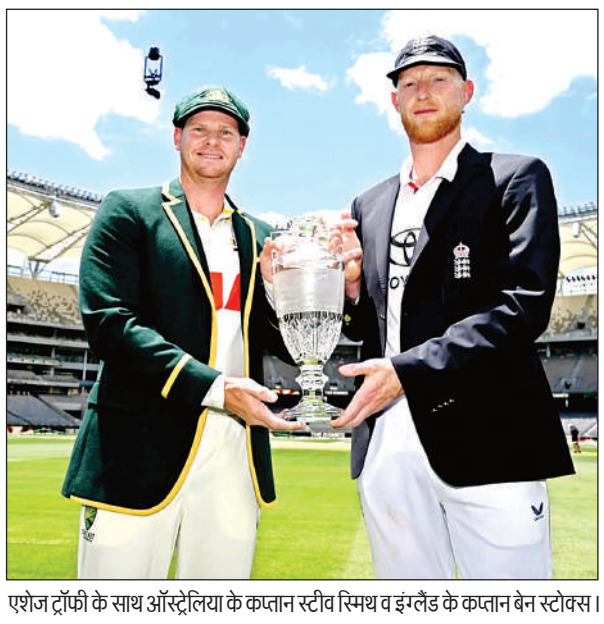

एशेज ट्रॉफी के साथ ऑस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीव स्मिथ व इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स।

ऑस्ट्रेलिया में एशेज खिताब का सूखा खत्म करने उतरेगा इंग्लैंड

पर्थ, एजेंसी

ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच शुक्रवार से शुरू हो रही एशेज शृंखला से पहले यक्षप्रश्न यह है कि क्या इंग्लैंड ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर खिताब का सूखा खत्म कर सकेगा।

ऑस्ट्रेलिया में पिछले 15 टेस्ट में से इंग्लैंड ने 13 गंवाये और दो ड्रॉ खेले हैं जबकि एक भी जीत नहीं मिल सकी। आखिरी बार 2010-11 में इंग्लैंड ने आस्ट्रेलिया को 3-1 से हराया था। अगले सात सप्ताह तक पांच शहरों में चलने वाली एशेज शृंखला से पहले कई बड़े सवाल खड़े हैं। क्या उम्मदराज और प्रमुख खिलाड़ियों के बिना खेलने जा रही आस्ट्रेलियाई टीम अपनी सरजमीं पर 2010-11 से चला आ रहा अपराजेय अभियान बरकरार रख सकेगी। क्या बेन स्टोक्स इंग्लैंड को आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर लंबे अर्से बाद एशेज दिला सकेंगे।

ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस और तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोटों के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क और आफ स्पिनर नाथन लियोन पर जिम्मेदारी बढ जाएगी। ब्रेंडन डोगेट तेज गेंदबाज स्कॉट बोलैंड के साथ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं जिससे आस्ट्रेलियाई पुरूष टेस्ट एकादश में पहली बार दो देशी खिलाड़ी होंगे। कैमरन ग्रीन हरफनमौला की तरह खेलेंगे।

मार्नस लाबुशेन व एंड्रू मैकडोनाल्ड।

ऑस्ट्रेलिया सलामी बल्लेबाज जैक वेदराल्ड को भी 31 साल की उम्र में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने का मौका मिल सकता है। मार्नस लाबुशेन तीसरे और कार्यवाहक कप्तान स्टीव स्मिथ चौथे नंबर पर उतरेंगे। इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स ने कहा मुझे पता है कि यह कितनी बड़ी सीरीज है। मैं जनवरी में यहां से रवाना होते समय उन भाग्यशाली कप्तानों में नाम दर्ज कराना चाहता हूं जिन्होंने आस्ट्रेलिया में एशेज सीरीज जीती है। इतिहास के बारे में काफी बातें होती है लेकिन अब हमारे पास अपना इतिहास रचने का मौका है। इंग्लैंड टीम में जोफ्रा आर्चर तेज गेंदबाजी का दारोमदार संभालेंगे जिनका साथ देने के लिये मार्क वुड हैं। स्टोक्स खुद गेंदबाजी करेंगे और तेज गेंदबाज ब्राइडन कार्स तथा गुस एटकिंसन को भी मौका मिल सकता है।

टीमें

ऑस्ट्रेलिया : स्टीव स्मिथ (कप्तान), जैक वेदराल्ड, मार्नस लाबुशेन, ट्रेविस हेड, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कारी, मिचेल स्टार्क, नाथन लियोन, ब्रेंडन डोगेट, स्कॉट बोलैंड, उस्मान ख्वाजा

इंग्लैंड : बेन स्टोक्स (कप्तान), जाक क्राउली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ, ब्राइडन कार्स, गुस एटकिंसन, जोफ्रा आर्चर, मार्क वुड, शोएब बशीर।

गिल नहीं खेल पाएंगे गुवाहाटी टेस्ट, पंत करेंगे कप्तानी

गले में ऐंठन दोबारा न हो, इसलिए कप्तान को दी गई और आराम की सलाह, अब वनडे सीरीज पर भी पड़ेगा असर

गुवाहाटी, एजेंसी

शुभमन गिल पिछले हफ्ते कोलकाता में पहले टेस्ट के दौरान लगी गर्दन की चोट से पूरी तरह ठीक नहीं हो पाने के कारण शनिवार रिपीट शनिवार को गुवाहाटी में शुरू होने वाले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत के दूसरे टेस्ट से बाहर हो जाएंगे। उप कप्तान ऋषभ पंत उनकी जगह कप्तान होंगे।

माना जा रहा है कि मेडिकल सलाह के अनुसार, अगर गिल इतनी जल्दी खेलते हैं तो उनकी गर्दन में ऐंठन दोबारा होने का खतरा ज्यादा है। उन्हें और आराम करने की सलाह दी गई है। इस बात का असर 30 नवंबर से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ शुरू होने वाले तीन मैचों के लिए वनडे टीम में उनके सिलेक्शन पर भी पड़ सकता है। उस सीरीज के लिए टीम 23 नवंबर को चुने जाने की उम्मीद है। गिल के बाहर होने की वजह से, इंडिया को उनकी जगह साई सुदर्शन, देवदत्त पडिक्कल और नीतीश कुमार रेड्डी में से किसी एक को चुनना होगा। कोलकाता टेस्ट के दूसरे दिन गिल को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था, जब भारत की पहली पारी में सिर्फ तीन बॉल खेलने के बाद रिटायर्ड हर्ट होने का फैसला किया गया था। तीसरे दिन बीसीसीआई ने कहा वह टेस्ट में हिस्सा नहीं लेंगे।

अभ्यास सत्र के दौरान ऋषभ पंत, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह। एजेंसी

शुभमन का आज होगा फिटनेस टेस्ट

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहले टेस्ट के दौरान गर्दन में ऐंठन के शिकार हुए भारतीय कप्तान शुभमन गिल का फिटनेस टेस्ट शुक्रवार को होगा। भारत के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने अभ्यास सत्र से पहले कहा वह तेजी से फिट हो रहा है क्योंकि मैं उससे कल ही मिला था। उसे एक मैच के लिये और आराम दिया जाएगा। शुभमन जैसा खिलाड़ी और वह कप्तान भी है तो टीम को उसकी कमी खलेगी। हमारे पास कई अच्छे खिलाड़ी हैं। वे पेशेवर हैं और टीम के लिये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। हम उम्मीद करते हैं कि शुभमन खेलेगा लेकिन नहीं भी खेलता है तो हमारे पास विकल्प हैं।

दक्षिण अफ्रीका के तेज गेंदबाज कगिसो रबाडा के खेलने पर असमंजस कायम

गुवाहाटी : दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा ने भारत के खिलाफ शनिवार से शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट में कगिसो रबाडा के खेलने की संभावना से इन्कार नहीं किया, लेकिन इस मुख्य तेज गेंदबाज ने बृहस्पतिवार को ट्रेनिंग में हिस्सा नहीं लिया। दुनिया के सबसे अच्छे तेज गेंदबाजों में से एक और दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज आक्रमण का अहम हिस्सा रबाडा मैच से पहले ट्रेनिंग सत्र के दौरान पसलियों में चोट लगने के कारण कोलकाता में पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे। बोथा ने दूसरे टेस्ट में इस तेज गेंदबाज के खेलने की संभावना पर कहा हम कागिसो रबाडा पर नजर रख रहे हैं और अगले 24 घंटे में फैसला करेंगे। गुवाहाटी पहली बार टेस्ट मैच की मेजबानी कर रहा है और बरसापारा स्टेडियम की पिच से दोनों टीम अनजान हैं। बोथा ने पिच के बारे में कहा हमें बताया गया है कि विकेट (गुवाहाटी में) बल्लेबाजी के लिए अच्छा है। लेकिन आप घास रखते हैं या नहीं, इससे बहुत फर्क पड़ता है। दो दिन बचे हैं, हमें यह देखने के लिए इंतजार करना होगा कि क्या यह समय से पहले टर्न लेना शुरू करती है। दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच को उम्मीद है कि ईडन गार्डन्स में पहले टेस्ट में मेहमान टीम की यादगार जीत के नायकों में से एक ऑफ स्पिनर साइमन हार्मर अंतिम मैच में भी भारतीय बल्लेबाजों को चित्त कर देंगे। साथ ही उनकी फिटनेस को लेकर किसी भी तरह की दिक्कत से भी इनकार किया। बोथा ने कहा साइमन हार्मर के कंधे में कोई दिक्कत नहीं है। अगर गेंद कोलकाता की तरह जल्दी टर्न होने लगे तो बल्लेबाजी क्रम में इतने सारे बाएं हाथ के बल्लेबाज होने पर वह खतरनाक हो जाएंगे। उन्होंने कहा(हमने) आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

भारत के लिए हर प्रारूप खेल पाना आसान नहीं: कुलदीप

गुवाहाटी : भारत के बाएं हाथ के कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव ने स्वीकार किया कि भारत में हर प्रारूप में खेलने का मौका मिलना आसान नहीं है लेकिन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच आक्रामक मानसिकता से वह अपनी जगह बनाये हुए हैं। कुलदीप आस्ट्रेलिया में पांच मैचों की टी-20 शृंखला के बीच से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घरेलू टेस्ट शृंखला खेलने स्वदेश लौट आए थे। उन्होंने पहले टेस्ट में चार विकेट लिए हालांकि भारत 30 रन से हार गया था।

सभी प्रारूप मिलाकर 342 विकेट ले चुके कुलदीप ने जियो स्टार के ' फॉलो द ब्लूज' कार्यक्रम में कहा निश्चित तौर पर आप तीनों प्रारूप खेलना चाहेंगे, लेकिन टेस्ट खेलने में मजा आता है। भारत में सभी प्रारूपों में खेल पाना आसान नहीं है। उन्होंने कहा हर किसी को टेस्ट क्रिकेट पसंद है। सभी को इसमे मजा आता है, लेकिन यह काफी चुनौतीपूर्ण भी है। अगले चार पांच साल टेस्ट क्रिकेट में मेरे लिए काफी अहम हैं तो मैं अपनी फिटनेस बनाए रखने और इसी तरह से खेलने पर फोकस करूंगा। उन्होंने कहा कि अपनी भूमिका को लेकर वह स्पष्ट है और टीम प्रबंधन के सहयोग से वह आक्रामक मानसिकता के साथ खेल पाते हैं। कुलदीप ने कहा एक आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर मैं काफी स्पष्ट हूं। मुझे अपनी भूमिका पता है।

गुवाहाटी के बरसापारा स्टेडियम में पिच का निरीक्षण करते भारतीय खिलाड़ी।

अगर वे घास काटेंगे तो फर्क पड़ेगा : बोथा

गुवाहाटी, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाजी कोच पीट बोथा को लगता है कि बरसापारा स्टेडियम का विकेट बल्लेबाजी के लिए काफी बेहतर होगा, लेकिन वह यह जानना चाहते हैं कि क्या भारतीय क्यूरेटर लाल मिट्टी वाली पिच से घास हटा देंगे। दूसरा और आखिरी टेस्ट शनिवार से यहां शुरू हो रहा है।

बोथा ने दूसरे टेस्ट से पूर्व संवाददाताओं से बात करते हुए कहा जहां तक पिच का सवाल है तो मैंने आज सुबह इसे देखा। अभी दो दिन बाकी हैं इसलिए यह अंदाजा लगाना मुश्किल है कि वे असल में और

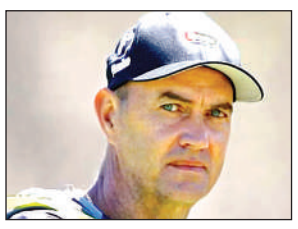

घास काटेंगे या नहीं। इससे जाहिर तौर पर फर्क पड़ेगा।

प्रथम श्रेणी में 217 विकेट चटकाने वाले बोथा ने कहा लेकिन हमने जो सुना है उसके हिसाब से यह बल्लेबाजी के लिए अच्छा विकेट होगा और स्पिन की भूमिका बाद में बनेगी। लेकिन हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि शायद स्पिन पहले होने लग जाए जैसे पिछले टेस्ट में हुआ था। बोथा का मानना था कि भारत में सामान्य समय से आधा घंटा पहले सुबह नौ बजे मैच शुरू होने से नमी की वजह से नई गेंद की बड़ी भूमिका होगी। उन्होंने कहा, ''मैच नौ बजे शुरू हो रहा है, ज़ाहिर है यह थोड़ा ठंडा होगा। रात में काफी गर्मी होती है लेकिन ज़ाहिर है थोड़ी अधिक नमी होगी इसलिए मुझे लगता है कि पहले घंटे में नई गेंद की भूमिका होनी चाहिए। बोथा ने कहा अगर विकेट बल्लेबाजी के लिए अच्छा है तो पहले बल्लेबाजी करना एक अच्छा विकल्प है लेकिन अगर विकेट कोलकाता जैसा है तो इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।

घर में खेलने का फायदा नहीं छीना जा सकता : आकाश

बेंगलुरु, एजेंसी

भारत और दक्षिण अफ्रीका दोनों गुवाहाटी की पिच से अनजान हैं लेकिन पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा का मानना है कि ऐसी पिच पर खेलने के अपने पहले के अनुभव के कारण घरेलू टीम अब भी थोड़े फायदे की स्थिति में है।

कोलकाता टेस्ट 30 रन से हारने के बाद भारत की नजरें दो मैच की सीरीज को बराबर करने पर टिकी हैं, लेकिन पहली बार टेस्ट की मेजबानी कर रहे एसीए स्टेडियम में खेलना उसके लिए नई चुनौती होगी। चोपड़ा ने कहा किसी को भी नहीं पता कि गुवाहाटी में क्रिकेट कैसे खेला जाएगा क्योंकि यह एक नया टेस्ट स्थल है। उन्होंने कहा अगर आप वहां पहली बार खेल रहे हैं तो पिच शुभमन गिल या साई सुदर्शन या ऋषभ पंत के लिए उतनी ही अच्छी है जितनी तेम्बा बावुमा या रेयान रिकेलटन के लिए है। इसलिए यह दोनों टीम के लिए एक चुनौती है। भारत के पूर्व बल्लेबाज को कोई शक नहीं कि भारत को घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा।

सात्विक-चिराग, लक्ष्य व आयुष क्वार्टर फाइनल में, प्रणय और श्रीकांत बाहर

सिडनी,एजेंसी

भारतीय शटलर आयुष शेट्टी और लक्ष्य ने गुरुवार को शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलियन ओपन 2025 बैडमिंटन टूर्नामेंट में एकल वर्ग के मुकाबलों में जीत दर्ज करते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। वहीं पुरुष युगल मुकाबले में सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन को हराकर टूर्नामेंट के अगले दौर में प्रवेश किया।

आज यहां पुरुष एकल वर्ग में 32वें नंबर के खिलाड़ी आयुष शेट्टी ने एक घंटे आठ मिनट तक चले मुकाबले में उलटफेर करते हुए जापान के नाराओका को 21-17, 21-16 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। आयुष शेट्टी शुक्रवार को क्वार्टर-फाइनल में लक्ष्य सेन से मुकाबला करेंगे। पुरुष युगल बैडमिंटन रैंकिंग में तीसरे नंबर की सात्विक और चिराग की जोड़ी ने 50वीं रैंक वाली चीनी ताइपे की जोड़ी सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन की जोड़ी को 37 मिनट तक चले मुकाबले में 21-18, 21-11 से हराया।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों ने सिडनी के ओलंपिक बुलेवार्ड के क्वेसेंटर में धीमी शुरुआत की। वे सु चिंग-हेंग और वू गुआन-शुन के खिलाफ शुरुआती गेम में 15-9 से पीछे चल रहे थे। इसके बाद सात्विक-चिराग ने तेजी दिखाते हुए बढ़त बना ली और पहला गेम 21-18 से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम एकतरफा रहा।

सात्विक-चिराग की जोड़ी शुक्रवार को शीर्ष आठ में इंडोनेशिया के पांचवें सीड मुहम्मद शोहिबुल फिकरी और फजर अल्फियन से मुकाबला करेंगे। इस बीच, पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट लक्ष्य सेन ने एक घंटे से अधिक देर तक चले मुकाबले संघर्षपूर्ण मुकाबले में चीनी ताइपे के 27वें रैंक वाले ची यू-जेन को 21-17, 13-21, 21-13 से हराया। भारत के दुनिया के 35वें नंबर के एचएस प्रणय इंडोनेशिया के अल्वी फरहान से 21-19, 21-10 से हारकर मुकाबले से बाहर हो गए। पूर्व वर्ल्ड नंबर वन किदांबी श्रीकांत को भी हार का सामना करना पड़ा।

ऑस्ट्रेलियन ओपन

सात्विक-चिराग। फाइल फोटो

विश्व मुक्केबाजी कप | भारतीय महिलाओं ने देश के लिए ऐतिहासिक दिन बनाया, 2028 ओलंपिक के लिए बढ़ेगा आत्मविश्वास

नूपुर, मीनाक्षी, प्रीति और अरुंधति ने स्वर्ण पदक जीते

ग्रेटर नोएडा, एजेंसी

भारत की महिलाओं ने विश्व मुक्केबाजी कप फाइनल्स 2025 में देश के लिए उस समय एक ऐतिहासिक दिन बनाया, जब मीनाक्षी (48 किग्रा), प्रीति (54 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), और नूपुर (80 किग्रा) ने शहीद विजय सिंह पथिक स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में खचाखच भरे स्टेडियम के सामने स्वर्ण पदक जीते।

उनकी जीत कई खास डिवीजन में हुई जो 2028 ओलंपिक गेम्स में शामिल होंगे, जहां बॉक्सिंग पूरी तरह से जेंडर बराबरी की ओर बढ़ रही है और जो लॉस एंजेलिस की राह पर भारत की बढ़ती कॉम्पिटिटिव ताकत को दिखाता है। उनके शानदार प्रदर्शन ने मेजबान देश के लिए एक शानदार कैंपेन को खत्म किया, जिसमें जदुमणि सिंह, पवन बर्तवाल, अभिनाश जामवाल और अंकुश फंगल ने भी रजत पदक जीते, जिससे पुरुषों और महिलाओं दोनों की ओलंपिक-क्लास वेट कैटेगरी में भारत का बढ़ता रुतबा दिखा। सेशन 7 में सात और भारतीय स्वर्ण पदक के लिए लड़ेंगे, जिनमें मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन जैस्मीन लैम्बोइरा, दो बार की पूर्व वर्ल्ड चैंपियन निकहत ज़रीन और दो बार के वर्ल्ड बॉक्सिंग कप मेडलिस्ट हितेश गुलिया शामिल हैं। मीनाक्षी ने मौजूदा एशियन चैंपियन फरज़ोना फोज़िलोवा पर लगभग बिना किसी गलती के 5:0 से जीत हासिल करके दिन का माहौल बनाया, और शुरुआती घंटी से ही अपना ट्रेडमार्क आक्रामकता दिखाई। वर्ल्ड चैंपियन ने स्पीड के साथ बहुत तेज एक्यूरेसी का मेल किया, राउंड 1 में ज़बरदस्त लेफ्ट-राइट कॉम्बिनेशन से बाउट शुरू किया और ज़ोरदार जैब, क्लीन काउंटर और एयरटाइट डिफेंस के जरिए पूरा कंट्रोल बनाए रखा। प्रीति ने एक और जबरदस्त 5:0 का परफॉर्मेंस दिया, जिसमें उन्होंने इटली की वर्ल्ड चैंपियनशिप मेडलिस्ट सिरिन चर्राबी पर लगातार दबाव बनाया।

नूपुर

अरुंधति चौधरी

प्रीति।

अरुंधति ने अजीजा को 5-0 से हराया

अरुंधति चौधरी ने दिन का सबसे बेहतर प्रदर्शन किया, जिसमें उन्होंने उज्बेकिस्तान की अजीजा जोकिरोवा को 5-0 से हराया। 18 महीने बाद वापसी करते हुए, उन्होंने तेज अटैक और अनुशासित डिफेंस का मिक्सचर किया, डिसाइसिव जैब से खूब स्कोर किया और तीनों राउंड में पूरा टैक्टिकल कंट्रोल बनाए रखा। स्वर्ण पदक की बढ़त तब जारी रही जब नूपुर ने एक टेंशन भरे, टैक्टिकल मुकाबले में उज़्बेकिस्तान की सोटिम्बोएवा ओल्टिनोय को 3:2 से हराया। पुरुषों के फाइनल में, भारत ने अपनी गिनती में चार रजत पदक जोड़े। जदुमणि सिंह (50) ने दिल से मुकाबला किया लेकिन उज़्बेकिस्तान के असिलबेक जलीलोव से 1:4 से हार गए।